



@Qpatrika



@qaumipatrika
hindi



instagram.com/
qaumipatrika

दिल्ली-हरियाणा-पंजाब-चण्डीगढ़-उत्तर प्रदेश से प्रसारित

रविवार, 18 अक्टूबर 2026

VISIT:

www.qaumipatrika.in

Email: qpatrika@gmail.com

R.N.I. No. UP-HIN/2007/21472 सम्पादक - गुरचन सिंह बख्तर वर्ष 19 अंक 345 qaumipatrikahindi 011-41509689, 23315814, 9312262300 गाजियाबाद संवत् 2077-78, पेज (12) मूल्य 3.00 रुपये (हवाई शुल्क 50 पैसे अतिरिक्त)

सुप्रीम कोर्ट बोला- बच्चों को इंटरनेट से दूर रखना बेतुका

● बाल यौन शोषण कंटेंट हटाने के लिए डेटाबेस बने

एनजीओ और एक अन्य याचिका पर कर रही थी सुनवाई

एजेंसी नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने बच्चों के लिए पूर्णतः इंटरनेट बंद न करने की वकालत की। कोर्ट ने कहा कि बच्चों को अपनी सुरक्षा और इंटरनेट इस्तेमाल करने की आजादी के बीच किसी एक को चुनने के लिए मजबूर नहीं किया जा सकता। कोर्ट ने इंटरनेट तक पहुंच को एक मौलिक अधिकार माना है।

साथ ही, यह चेतावनी भी दी कि बच्चों की ऑनलाइन गतिविधियों पर पूरी तरह से पाबंदी लगाने से उन्हें यौन शोषण और दुर्व्यवहार से बचाने के बजाय, उनके लिए और भी बड़ी खतरे पैदा हो सकते हैं। जस्टिस जेबी पारदीवाला और जस्टिस के. विनोद चंद्रन ने 15 अक्टूबर को यह टिप्पणी की। वे बाल अधिकारों के लिए काम करने वाले

एनजीओ जस्ट राइट्स फॉर चिल्ड्रन अलायंस और एक अन्य याचिकाकर्ता की अर्जियों पर सुनवाई कर रहे थे। इन अर्जियों में आरोप लगाया गया था कि सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म, बच्चों के यौन शोषण और दुर्व्यवहार से जुड़ी सामग्री (CSEAM) के बारे में अधिकारियों



को रिपोर्ट करने की अपनी कानूनी जिम्मेदारियों को पूरा करने में विफल रहे हैं। आवेदकों ने रिपोर्टिंग की समान प्रक्रिया, एक केंद्रीय पोर्टल और नियमों का पालन न करने वाले मध्यस्थों (intermediaries) के खिलाफ कार्रवाई की मांग की थी। कोर्ट ने यह भी निर्देश दिया कि वह आपतिजनक सामग्री से जुड़े डिजिटल

10 दिसंबर को होगी अगली सुनवाई

सरकार से कहा गया है कि वह एक हलाकनामा दाखिल करे, जिसमें निर्देशों को लागू करने के लिए उठाए गए कदमों और अब तक हुई प्रगति का पूरा विवरण हो। इस मामले की अगली सुनवाई 10 दिसंबर को होगी।

पहचानकर्ताओं (digital identifiers) और URL का एक नेशनल डेटाबेस तैयार करे, ताकि ऐसी सामग्री की पहचान करना और उसे हटाना आसान हो सके।

व्यक्ति का एक मौलिक अधिकार-कोर्ट

सुप्रीम कोर्ट ने कहा, 'हमें यह कहने में कोई संकोच नहीं है कि इंटरनेट तक पहुंच और उसकी इस्तेमाल करना, संविधान के आर्टिकल 21 (जीवन और व्यक्तिगत स्वतंत्रता का संरक्षण) और आर्टिकल 19(1)(a) (वाक् और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता) के तहत हर व्यक्ति का एक मौलिक अधिकार है।'

सीजेपी प्रदर्शन को लेकर दिल्ली पुलिस ने दर्ज किए कई एफआई

● हिरासत में लिए गए 100 से अधिक लोग

एजेंसी नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस ने कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के लहरा दो तिरंगा मार्च को लेकर शुक्रवार को कई एफआईआर दर्ज किए हैं। यह विरोध प्रदर्शन कर्नाट प्लेस पर मुख्य चुनाव आयुक्त के इस्तीफे की मांग को लेकर किए गए थे। पुलिस ने बीएनएस की धारा 163 के तहत निषेधाज्ञा के कथित उल्लंघन और लोक सेवकों को उनके कर्तव्यों का निर्वहन करने से रोकने के आरोप लगाए हैं। हालांकि एफआईआर के सटीक संख्या या मामलों में लागू सभी प्रावधानों का खुलासा नहीं किया है।

100 से अधिक लोग हिरासत में लिए गए ये विरोध प्रदर्शन के मामले सीजेपी और अन्य विपक्षी पार्टियों द्वारा एसआईआर प्रक्रिया में कथित गड़बड़ी के विरोध में आयोजित प्रदर्शनों से जुड़े हैं। पुलिस के मुताबिक, शुक्रवार को सेंट्रल पार्क और पालिका बाजार के आसपास भीड़ जमा होने पर 100 से अधिक प्रदर्शनकारियों को हिरासत में ले लिया गया है। शाम 5 बजे कर्नाट प्लेस स्थित सेंट्रल पार्क में प्रस्तावित मार्च से पहले दिल्ली पुलिस ने सीजेपी के संस्थापक अभिजीत दीपके को नोटिस जारी कर बिना अनुमति के मार्च निकालने पर रोक लगा दी है। नोटिस के मुताबिक, यह कार्रवाई अभिजीत के सार्वजनिक बयानों और सोशल मीडियो पर लोगों से कर्नाट प्लेस पर आने के अपील की थी।

कर्नाट प्लेस प्रदर्शन के लिए निर्धारित स्थल नहीं- दिल्ली पुलिस : नोटिस में दिल्ली पुलिस ने

दिल्ली हाई कोर्ट के निर्देशों का भी हवाला दिया और कहा कि कर्नाट प्लेस प्रदर्शन के लिए निर्धारित स्थल नहीं बनाया गया है। साथ ही यह भी कहा गया कि जरूरी अनुमति प्रदान करने के बाद ही अधिसूचित स्थानों पर प्रदर्शन किए जा सकते हैं।



दिल्ली पुलिस ने कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के लहरा दो तिरंगा मार्च को लेकर शुक्रवार को कई एफआईआर दर्ज किए हैं। यह विरोध प्रदर्शन कर्नाट प्लेस पर मुख्य चुनाव आयुक्त के इस्तीफे की मांग को लेकर किए गए थे।

पुलिस ने इलाके की व्यस्त व्यापारिक प्रकृति, वाहनों और पैदल यात्रियों की भारी आवाजाही और सीमित प्रवेश एवं निकास बिंदुओं का हवाला देते हुए चेतावनी दी कि अनधिकृत जमावड़ा ट्रैफिक को बाधित कर सकता है।

मध्य प्रदेश के सिंगरौली में महसूस किए गए 3.5 तीव्रता के भूकंप के झटके

भोपाल। मध्य प्रदेश के सिंगरौली जिले में शनिवार को दोपहर में भूकंप के झटके महसूस किए गए। भूकंप की तीव्रता रिक्टर स्केल पर 3.5 मापी गई है। भूकंप की तीव्रता कम होने के कारण किसी भी तरह के जान-माल के नुकसान की खबर नहीं है। राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केंद्र ने अपने सोशल मीडिया एक्स पर इसकी जानकारी साझा की है। बताया गया है कि सिंगरौली जिले में शनिवार दोपहर दो बजकर 12 मिनट 35 सेकंड पर भूकंप दर्ज किया गया। इसकी तीव्रता 3.5 रही। इस भूकंप का केंद्र 24.239 डिग्री उत्तरी अक्षांश तथा 82.502 डिग्री पूर्वी देशांतर पर भू-गर्भीय सतह से 10 किलोमीटर की गहराई में स्थित था। सिंगरौली में अचानक अचानक आए भूकंप के झटकों से कुछ स्थानों पर लोगों में अफरा-तफरी का माहौल जरूर देखा गया।

कॉकरोच जनता पार्टी के संस्थापक अभिजीत दीपके को मिली सशर्त जमानत

एजेंसी

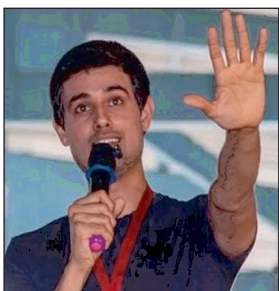
लखनऊ। दिल्ली की एक अदालत ने कॉकरोच जनता पार्टी के संस्थापक अभिजीत दीपके को शनिवार को जमानत दे दी है। अभिजीत दीपके को सशर्त जमानत दी गई है और उनसे शांति बनाए रखने संबंधी बॉण्ड पर हस्ताक्षर करवाए गए। दीपके को विशेष कार्यकारी मजिस्ट्रेट (एसईएम) की अदालत में पेश किया गया। कर्नाट प्लेस में सीजेपी के 'लहरा दो तिरंगा' प्रदर्शन में शामिल होने के लिए दिल्ली के झंडेवाला स्थित घर से बाहर निकलते ही दीपके को हिरासत में ले लिया गया था। उन्हें 10 अक्टूबर को दिए गए शांति बॉण्ड का उल्लंघन करने के आरोप में गिरफ्तार किया गया था। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा है कि शांति बॉण्ड में दिए गए आश्वासन के आधार पर उन्हें छोड़ दिया गया।



यूट्यूबर ध्रुव राठी के खिलाफ जमानती वारंट जारी साल 2018 का है मामला

एजेंसी

लखनऊ। दिल्ली की साकेत कोर्ट ने शनिवार को यूट्यूबर ध्रुव राठी के खिलाफ साल 2018 के मानहानि मामले में जमानती वारंट जारी किया है। यह मामला विकास संस्कृत्यायन की शिकायत से जुड़ा है। लाइव लॉ की रिपोर्ट के मुताबिक, शिकायतकर्ता का आरोप है कि ध्रुव राठी ने 'BJP IT Cell Part II' नाम से एक वीडियो बनाया और उसे सोशल मीडिया पर प्रसारित किया। शिकायत के अनुसार, इस वीडियो में उनके खिलाफ कई झूठे और मानहानि करने वाले आरोप लगाए गए थे। साकेत कोर्ट के न्यायिक मजिस्ट्रेट राहुल जैन ने यह वारंट जारी किया। अदालत को बताया गया कि ध्रुव राठी को नोटिस भेजा गया था, लेकिन जिस पते पर नोटिस पहुंचाया गया, वहां ताला लगा हुआ था।



'कानूनी पेशा कमजोर दिल वालों के लिए नहीं': लॉ के छात्रों से सीजेआई सूर्यकांत बोले- समाज के लिए भी काम करें

एजेंसी

लखनऊ। भारत के मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) सूर्यकांत ने शनिवार को कानून की पढ़ाई पूरी करने वाले छात्रों से न्याय कायम रखने, स्वतंत्रता की रक्षा करने और संवैधानिक मूल्यों के प्रति प्रतिबद्ध रहने की अपील की। उन्होंने कहा कि कानूनी पेशे में साहस, ईमानदारी और उन लोगों की बात सुनने की क्षमता जरूरी है, जिनकी आवाज अक्सर अनसुनी रह जाती है।

सीजेआई बंगलूरू में नेशनल लॉ स्कूल ऑफ इंडिया यूनिवर्सिटी (एनएलएसआईयू) के 34वें वार्षिक दीक्षांत समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा, 'कानूनी शिक्षा केवल अकादमिक ज्ञान तक सीमित नहीं रहनी चाहिए। इसका उद्देश्य छात्रों को अलग-अलग विचारों और नजरियों को समझने तथा समाज

की सेवा करने के लिए तैयार करना भी है।' सूर्यकांत ने छात्रों से कहा, 'मैं आपको केवल बधाई ही नहीं दे रहा हूँ, बल्कि आपसे मुझे बहुत उम्मीदें भी हैं।' उन्होंने कहा, 'कानूनी शिक्षा का उद्देश्य अपराधिक या

संवैधानिक कानून के सिद्धांतों को सीखने तक सीमित नहीं है। इसका असली महत्व उन लोगों से मिलने और उनके नजरिये को समझने के अनुभव में है, जो दुनिया को हमसे अलग तरह से देखते हैं।'

न्याय के लिए साहस और संवेदनशीलता जरूरी

कानूनी पेशे की जिम्मेदारियों पर जोर देते हुए मुख्य न्यायाधीश ने कहा कि इसके लिए कानूनों और अदालती फैसलों की जानकारी होना ही पर्याप्त नहीं है। न्याय के पक्ष में खड़े होने का साहस और उन लोगों की चिंताओं को समझने की विनम्रता भी जरूरी है, जिनकी बातों पर अक्सर ध्यान नहीं दिया जाता। उन्होंने कहा, 'कानूनी पेशा कमजोर दिल वालों के लिए नहीं है। इसमें कानूनों और अदालती फैसलों की जानकारी के साथ न्याय की रक्षा करने का साहस और उन आवाजों को सुनने की विनम्रता भी चाहिए, जिन्हें अक्सर अनसुना कर दिया जाता है।'

महाराष्ट्र एफडीए की बड़ी कार्रवाई

● 48 लाख का एक्सपायर्ड खाद्य समान जख्त

रिलायंस-ब्लिंकइट समेत 10 पर केस दर्ज

एजेंसी

नई दिल्ली। महाराष्ट्र खाद्य एवं औषधि प्रशासन (एफडीए) ने एक्सपायर हो चुके खाद्य उत्पादों की बिक्री को खिलाफ अभियान चलाया। इस दौरान 48 लाख रुपये मूल्य का खाद्य स्टॉक जब्त किया है। इसके बाद, पुलिस ने रिलायंस कंज्यूमर प्रोडक्ट्स, रिलायंस रिटेल, ब्लिंकइट और जोमैटो के हाइपरथ्योर के अधिकारियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की है। यह जानकारी एक अधिकारी ने शनिवार को दी। ठाणे के शांति नगर पुलिस स्टेशन में दर्ज



और स्थानीय सप्लायर शामिल हैं। यह एफआईआर 'खाद्य सुरक्षा और मानक अधिनियम, 2006' और 'भारतीय न्याय संहिता,

2023' की संबंधित धाराओं के तहत दर्ज की गई है। एफआईआर में नामजद लोगों में रिलायंस कंज्यूमर प्रोडक्ट्स लिमिटेड के होल-टाइम डायरेक्टर वी. सुब्रमण्यम, रिलायंस कंज्यूमर प्रोडक्ट्स लिमिटेड के अशोक कुमार सिंह, रिलायंस रिटेल लिमिटेड के नॉमिनी विजय भिकाजी खमाले और रिलायंस रिटेल लिमिटेड के वेंकटरावस मैनेजर नीलेश रामदासराव देशमुख शामिल हैं। अन्य लोगों में ब्लिंकइट कॉमर्स के डायरेक्टर अर्बिंद सिंह ठोंसा, ब्लिंकइट कॉमर्स के दीपक सिंह, जोमैटो हाइपरथ्योर के आबिद शेख, 'बी के डिस्पोज' के बाबर मियां अहमद सिद्दीकी, सप्लायर गुलजार अब्दुल खान, भिवंडी के चंद्र और भिवंडी के 'डिस्काउंट स्टोर' से जुड़े अब्दुल मोबिन खान शामिल हैं।

ऑनलाइन गेमिंग-सट्टेबाजी प्लेटफॉर्म तीन राज्य में 20 ठिकानों पर ईडी की रेड

कि दोनों सट्टेबाजी प्लेटफॉर्म के पीड़ितों से जुटाई गई रकम को



सुमा-फिराकर अंततः पुणे स्थित एक ऐसी इकाई के बैंक खातों में पहुंचाया गया, जिसे राम यू. रामधानी ने स्थापित किया था। इस इकाई ने 'आईपेसा' नाम का एक इन-हाउस पेमेंट इंटरमीडियरी प्लेटफॉर्म विकसित किया। इसके जरिए, ऑनलाइन गेमिंग, सट्टेबाजी और साइबर धोखाधड़ी

करने वालों (तथा उनके एजेंटों, जिन्हें 'चैनल पार्टनर/कैरी एंड फॉरवर्ड एजेंट' कहा जाता है) की ओर से 200 से अधिक शेल/फ्रंट कंपनियों को जोड़ा गया। इन्हें आंतरिक रूप से 'मचेंट' कहा जाता था। जांच से पता चला है कि ऑनलाइन गेमिंग/ सट्टेबाजी/ साइबर धोखाधड़ी के पीड़ितों से वसूली

गई रकम को 'म्यूल' बैंक खातों (दूसरों के नाम पर खोले गए खातों) के एक बड़े नेटवर्क के जरिए इधर-उधर भेजा जाता था। इन सट्टेबाजी प्लेटफॉर्मों को चलाने वालों और अपराध से मिली रकम को ठिकाने लगाने के लिए इस्तेमाल की गई फर्जी कंपनियों (शेल एंटीटीज) की पहचान कर ली गई है।

यह भी सामने आया है

इन ऑनलाइन सट्टेबाजी/गेमिंग प्लेटफॉर्मों को चलाने वाले कई लोगों को दुबई में बैठे कुछ लोग निर्देश दे रहे थे। इस सिडिकेट को कुछ सहकारी बैंकों (कोऑपरेटिव बैंकों) से भी मदद मिल रही थी, जिनके सिस्टम का इस्तेमाल अवैध कमाई को इकट्ठा करने और उसे कई परतों में छिपाने के लिए किया गया। ऑनलाइन सट्टेबाजी/गेमिंग और साइबर धोखाधड़ी से हासिल की गई अवैध रकम को मुख्य रूप से तीन तरीकों से बाहर निकाला जाता था।

कश्मीर के कुपवाड़ा में 2 आतंकी मारे गए

नई दिल्ली। कश्मीर के कुपवाड़ा जिले में लाइन ऑफ कंट्रोल (LoC) के पास शनिवार सुबह आतंकियों और सुरक्षाबलों के बीच मुठभेड़ हुई। अधिकारियों के मुताबिक, अब तक दो आतंकी मारे गए हैं। पहले इस घटना को घुसपैठ की कोशिश से जोड़कर देखा जा रहा था, लेकिन अधिकारियों ने बताया कि अभी यह स्पष्ट नहीं है कि आतंकी घुसपैठ की कोशिश कर रहे थे या नहीं। रैना के मुताबिक, कुपवाड़ा स्थित केरन सेक्टर के जुमगांउ इलाके में शनिवार सुबह करीब 3-30 बजे सुरक्षाबलों ने सदिग्ध गतिविधि देखी। इसके बाद दोनों तरफ से फायरिंग शुरू हो गई। सर्व ऑपरेशन अभी जारी है।

कांग्रेस की 1 नवंबर को रामलीला मैदान में जनसभा

पुलिस ने 25 अक्टूबर से 3 तारीख तक के लिए दी अनुमति

एजेंसी

नई दिल्ली। इंडियन नेशनल कांग्रेस (आईएनसी) ने 1 नवंबर को रामलीला मैदान में एक जनसभा आयोजित करने की योजना बनाई है। इसके लिए पार्टी ने दिल्ली पुलिस से आवश्यक अनुमति प्रमाण पत्र मांगा था। दिल्ली पुलिस ने निर्धारित विरोध

स्थल पर जनसभा आयोजित करने की अनुमति दे दी है। यह अनुमति 25 अक्टूबर से 3 नवंबर 2026 की अवधि के लिए जारी की गई है। दिल्ली पुलिस लगातार आयोजकों के साथ संपर्क में है। इसके अतिरिक्त, यातायात पुलिस और अन्य संबंधित एजेंसियों से भी समन्वय स्थापित किया जा रहा है। इसका उद्देश्य उचित कानून-व्यवस्था व्यवस्थाओं को सुनिश्चित करना है। साथ



ही, प्रभावी यातायात प्रबंधन और प्रस्तावित जनसभा का सुचारु संचालन सुनिश्चित करना भी है। सेंट्रल दिल्ली के डीसीपी रोहित राजबीर सिंह ने बताया, 'जैसा की ज्ञात है कि सीबीडी ग्राउंड, बुराड़ी मैदान और रामलीला मैदान, यह तीनों रैली और प्रदर्शन के लिए निर्धारित स्थल बताए गए हैं। इसके तहत अभी कांग्रेस पार्टी ने हमसे संपर्क किया। कांग्रेस पार्टी ने एमसीडी से 25 अक्टूबर से

लेकर 3 नवंबर तक रामलीला मैदान की उपलब्धता का पता किया और उन्हें बताया गया कि उस दौरान ये स्थल खाली है। उसके बाद वे हमारे पास आए। हमारी उनसे लगातार बातचीत चल रही है... सब बातों को देखते हुए हमने कांग्रेस पार्टी को एनओसी (नॉन ऑब्जेक्टिव सर्टिफिकेट) मंजूर कर दिया है, जिसके बाद कांग्रेस पार्टी अपनी तैयारी करना शुरू करेगी। 25 तारीख से लेकर 3 नवंबर तक राम लीला मैदान इस कार्यक्रम के लिए बुक रहेगा।'

एजेंसी पटना। बिहार के भोजपुर जिले में दर्दनाक हादसे में सोन नदी में डूबने से तीन बच्चों समेत चार लोगों की मौत हो गई। घटना संदेश थाना क्षेत्र के तीर्थकौल गांव के समीप हुई। मृतकों में तीन नवजात बच्चे और एक 25 वर्षीय युवक शामिल है। हादसे के बाद गांव में मातम पसर है। पुलिस के मुताबिक, गांव के सात

मृतकों की पहचान तीर्थकौल गांव निवासी अकाश कुमार (15), पिता विनोद शर्मा, प्रेम कुमार (10), पिता मिटू शर्मा, सिद्धांत कुमार (16) और सुधीर कुमार (25), पिता अरविंद यादव के रूप में हुई है।

बच्चे सोन नदी की ओर गए थे। नहाने के दौरान तीन बच्चे गहरे पानी में चले गए और डूबने लगे। उन्हें बचाने के लिए सूदी में उतरा सुधीर कुमार (25) भी डूब गया। घटना के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। शोर सुनकर ग्रामीण घटनास्थल पर पहुंचे और पुलिस-प्रशासन को सूचना दी। काफी प्रयास के बाद चारों के शव बरामद किए गए।

डीएमके ने की मुख्य चुनाव आयुक्त के इस्तीफे और बैलेट से चुनाव की मांग

चेन्नई (एजेंसी)। तमिलनाडु में द्रविड़ मुनेत्र कडगम (डीएमके) के सांसदों की चेन्नई में हुई बैठक में चुनाव प्रक्रिया और निर्वाचन आयोग की कार्यप्रणाली को लेकर महत्वपूर्ण मांगें उठाई गईं। बैठक में मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे और इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन (ईवीएम) के स्थान पर बैलेट पेपर से चुनाव कराने की मांग की गई है। सरकार संसद का विशेष सत्र बुलाने जा रही है यह माना जा रहा था कि डीएमके सरकार को समर्थन देगी जिसके लिए यह बैठक बुलाई गई थी लेकिन इस बैठक में जिस तरह की शर्तों को सामने लाया गया है, उसने सरकार की मुसीबतें बढ़ा दी हैं। डीएमके के सांसदों ने चुनाव प्रक्रिया की निष्पक्षता और पारदर्शिता सुनिश्चित करने पर जोर देते हुए कहा लोकतांत्रिक व्यवस्था में मतदाताओं का विश्वास बनाए रखना आवश्यक है। बैलेट पेपर से मतदान कराने की मांग और चुनाव प्रक्रिया को लेकर उठ रही शकाओं को दूर करने की आवश्यकता पर सांसदों की बैठक में चर्चा हुई है। बैठक में मुख्य चुनाव आयुक्त के इस्तीफे की मांग से देश में राजनीतिक बदलाव को लेकर बड़ी चर्चा हो रही है. निर्वाचन आयोग की जवाब देही को लेकर राजनीतिक बहस को तेज कर दिया है।

भरुच की दवा- फैक्ट्री में ब्लास्ट, 5 की मौत

भरुच (एजेंसी)। गुजरात के भरुच की सिंजील फार्माकैम नाम की एक दवा फैक्ट्री के रिफ़क्टर धमाके में 5 मजदूरों की मौत हो गई। वहीं, 6 लोग घायल हैं। घायलों को तुरंत पास के अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उनका इलाज चल रहा है। धमाका इतना तेज था कि इसके तुरंत बाद फैक्ट्री में मिथाइल डाइक्लोराइड नाम की एक जहरीली गैस का रिसाव भी शुरू हो गया, जिससे वहां अफरा-तफरी मच गई। हादसा उस वक्त हुआ जब 15 हजार लीटर क्षमता वाले रिफ़क्टर में काम चल रहा था। धमाका इतना जोरदार था कि रिफ़क्टर के परखच्चे उड़कर फैक्ट्री की चारदीवारी के बाहर जा गिरे। धमाके की आवाज करीब 15 किलोमीटर दूर तक सुनाई दी। इसके असर से फैक्ट्री में सभी भारी मशीनों और लोहे की चादरें टूट-फूटकर चारों तरफ बिखर गईं। धमाके के तुरंत बाद फैक्ट्री से एमडीसी गैस का रिसाव होने लगा, जिससे अंदर और बाहर गहरा धुआं फैल गया। वहां मौजूद लोगों और मजदूरों की आंखों में तेज जलन होने लगी और गैस की चपेट में आने से कई कर्मचारियों की तबीयत बिगड़ गई।

संघ महिला संगठन प्रमुख का प्रदर्शनों पर निशाना :दिमागी नक्सलवाद जेन-जी को भड़का रहा

नागपुर (एजेंसी)। नागपुर में राष्ट्र सेविका समिति के वार्षिक विजयादशमी उत्सव के मौके पर, आरएसएस के महिला संगठन की प्रमुख वी.शांताकुमारी ने जंतर-मंतर पर जारी विरोध प्रदर्शनों की कड़ी आलोचना की। उन्होंने इन प्रदर्शनों को भारत में अस्थिरता पैदा करने वाला और असंवैधानिक बताया, जिस पर देश की मौजूदा स्थिति चिंता का विषय है। आरएसएस के महिला संगठन की प्रमुख शांताकुमारी ने दिमागी नक्सलवाद को जहरीले विचारों का सबसे खतरनाक और अदृश्य इकोसिस्टम बताया। उनके अनुसार, यह जेन-जी (जेन-जी) का ब्रेनवॉश कर रहा है और युवाओं व महिलाओं के मन में अशांति पैदा कर उन्हें अपने स्वार्थों के लिए भड़का रहा है। 16 अक्टूबर को राष्ट्र सेविका समिति के शस्त्रपूजन कार्यक्रम को संबोधित कर उन्होंने आरोप लगाया कि इन प्रदर्शनकारियों का मुख्य उद्देश्य भारत में अस्थिरता फैलाना और देश की संस्कृति को नष्ट करना है, न कि समाज में कोई रचनात्मक बदलाव लाना। उन्होंने जंतर-मंतर पर लगातार हो रहे प्रदर्शनों को असंवैधानिक प्रदर्शन करार दिया और कहा कि देश अराजकता का सामना कर रहा है। गौरतलब है कि दिमागी नक्सली शब्द का इस्तेमाल सबसे पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस साल अपने स्वतंत्रता दिवस के भाषण में किया था। उन्होंने कहा था कि भले ही हम जंगलों से सशस्त्र नक्सलियों को खत्म करने में सफल रहे हों, लेकिन दिमागी नक्सली अभी भी आसपास मौजूद हैं और सक्रिय हैं।

दृश्यम 3 से प्रेरित होकर ठाणे में नाबालिगों ने दोस्त की हत्या की

-सोने की चेन लूट....बाइक खरीदने और पार्टी करने के लिए ठाणे (एजेंसी)। महाराष्ट्र के ठाणे में दृश्यम 3 फिल्म से प्रेरित सनसनीखेज वारदात सामने आई है, जहाँ 12वीं कक्षा के दो नाबालिग छात्रों ने अपने 17 वर्षीय सहपाठी की निर्मम हत्या की। पुलिस के अनुसार, इस गंध्य अपराध को दोस्त की सोने की चेन लूटने, एक जन्मदिन पार्टी मनाने और बाइक खरीदने की चाहत में अंजाम दिया। आरोपियों ने हत्या के बाद सबूत मिटाने के लिए शव को जलाने और पुलिस को गुमराह करने की कोशिश की। पुलिस जांच में सामने आया कि आरोपियों ने अपराध को छिपाने के लिए हाल ही में देखी गई 'दृश्यम 3' फिल्म की तरकीबों का इस्तेमाल किया। उन्होंने 24 सितंबर की शाम पीडिउट को सिगरेट पीने के बहाने घोड़बंद रोड पर ब्रह्मांड फेज-2 के पास सुनसन जगह पर बुलाया। वहाँ उन्होंने वाकू से उस पर कई वार किए और पत्थर से उसका चेहरा कुचल दिया। वारदात के बाद शव को झाड़ियों में छिपा दिया गया। अगले दिन, सबूत मिटाने के इरादे से दोनों नाबालिग पेट्रोल लेकर लौटे और शव में आग लगा दी। पीडिउट के 24 सितंबर को घर से निकलने के बाद वापस न आने पर उसके पिता ने अगले दिन पुलिस में शिकायत दर्ज कराई।

लोकतांत्रिक तरीके से विरोध करने वाले लोगों के साथ कुख्यात अपराधियों जैसा सुलूक –हिरासत से रिहा होने के बाद नेहा बोरा ने दिल्ली पुलिस और केंद्र सरकार पर बोला हमला

नई दिल्ली, एजेंसी। 12 घंटे की पुलिस हिरासत से रिहा होने के बाद ऑल इंडिया स्टूडेंट्स एसोसिएशन (एआईएसए) की राष्ट्रीय अध्यक्ष नेहा बोरा ने दिल्ली पुलिस और केंद्र सरकार पर तीखा हमला बोला। उन्होंने आरोप लगाया कि दिल्ली में कानून-व्यवस्था की धज्जियां उड़ाई जा रही हैं और लोकतांत्रिक तरीके से विरोध दर्ज कराने वाले लोगों के साथ कुख्यात अपराधियों जैसा सुलूक किया जा रहा है। सूर्यास्त के बाद महिलाओं को हिरासत में रखना किस कानून के तहत जायज है? आरके पुरम थाने से बाहर आने के बाद नेहा बोरा ने पुलिसिया कार्रवाई की कानूनी वैधता पर गंभीर सवाल खड़े किए। उन्होंने कहा कि आंदोलनकारियों को दिन या शाम को हिरासत में लेकर पूरी रात थाने में बैठाए रखा जाता है और अगले दिन छोड़



जाता है। किस अधिकार या कानूनी प्रावधान के तहत इसे सही ठहराया जा सकता है? कानूनी रूप से महिलाओं को सूर्यास्त के बाद हिरासत में नहीं रखा जा सकता और उन्हें

छोड़ दिया जाना चाहिए, लेकिन दिल्ली पुलिस खुलेआम नियमों को ताक पर रखकर काम कर रही है। प्रशासन द्वारा आंदोलनकारियों के अराजकता फैलाने के लगाए जा रहे आरोपों

को सिरे से खारिज करते हुए नेहा बोरा ने कहा कि रैरिटव यह गढ़ा जा रहा है कि प्रदर्शनकारी अराजकता फैला रहे हैं, जबकि हकीकत यह है कि सेंट्रल दिल्ली को पुलिस छवनी बनाकर सरकार ने खुद अव्यवस्था फैलाई है। आम नागरिक अपने काम पर जाने के लिए जो भी रास्ता चुनते हैं, वह बैरिकेडिंग से बंद मिलता है, जिससे लोगों का चैन से जीना मुहाल हो गया है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक नेहा बोरा ने मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार और व्यवस्था पर सीधा निशाना साधते हुए कहा कि देश के नागरिकों को बख्श दिया जाना चाहिए। उन्होंने मांग की कि चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार पर महाभियोग चलाया जाए और एसआईआर प्रक्रिया को तुरंत रोका जाए, ताकि देश का आम नागरिक सुकून की सांस ले सके और उसके मताधिकार की रक्षा सुनिश्चित हो सके।

जो बात कही नहीं उसे मुंह में डालिए नहीं, मैं अपनी बात पर कायम, जो करना है कर लो

-प्रशांत किशोर ने गोली मारने वाले बयान पर कहा- गलत तरीके से किया गया पेश

पटना, एजेंसी।

जन सुराज पार्टी के नेता और बांकीपुर विधायक प्रशांत किशोर ने गोली मारने वाले बयान पर कहा है कि उनके बयान को गलत तरीके से पेश किया गया है। उन्होंने एक बार फिर सीएम सम्राट चौधरी पर तीखा प्रहार किया। प्रशांत का एक गोली मारने की चर्चा वाला बयान वायरल हुआ जिसके बाद बीजेपी और जदयू के कई नेता भड़क गए। प्रशांत किशोर ने शनिवार को एमएलसी चुनाव में अपने प्रत्याशियों के लिए वोट मांगने निकले। उन्होंने पत्रकारों से बात की। सीएम सम्राट चौधरी को गोली मारने की बात पर पीके ने कहा कि बोला कुछ और बना दिया गया कुछ और। उन्होंने कहा कि आपके कैमरे पर कर रहे हैं कि सम्राट चौधरी सातवीं फेल हैं, अनपढ़ हैं, अपराधी हैं। इससे ज्यादा कुछ नहीं, इससे कम कुछ नहीं। प्रशांत ने आगे कहा कि जो बात मैंने कही नहीं उसे मुंह में डललिए नहीं, और जो बात मैंने कही है उस पर कायम हूं। जो करना है कर लो।



बता दें शुक्रवार को प्रशांत किशोर का एक बयान सोशल मीडिया पर वायरल हुआ जिस पर बीजेपी के प्रदेश अध्यक्ष संजय सरावगी भड़क गए। उस वीडियो में प्रशांत किशोर बिहार में अपराधियों के एनकाउंटर पर अपना पक्ष रख रहे थे। वीडियो में वे कह रहे हैं कि अपराधियों को अगर गोली मारना है तो सम्राट चौधरी से बड़ा अपराधी कौन है। यह आदमी सात आदमी की हत्या में जेल काटकर आया है। यह वीडियो एमएलसी चुनाव में सीतामढ़ी की एस जनसभा का बताया जा रहा है। वीडियो सामने आते ही राजनीतिक महकमे में कोलाहल शुरू हो गया। संजय सरावगी ने प्रशांत किशोर को निशाने पर लिया और कहा कि जिम्मेदार संवैधानिक पर बैठे व्यक्ति के लिए ऐसी भाषा प्रयोग करना जायज और लोकतांत्रिक नहीं है।

पीओके में करीब 500 आतंकवादी भारत में घुसपैठ करने की फिराक में, सेना अलर्ट –ड्रोन, नक्शे और सियाचिन में इस्तेमाल होने वाले विशेष गियर मुहैया करा रहा पाक

नई दिल्ली, एजेंसी।

पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर (पीओके) में करीब 500 आतंकवादी भारत में घुसपैठ करने की फिराक में हैं, जिन्हें पाकिस्तान ड्रोन, नक्शे और सियाचिन में इस्तेमाल होने वाले विशेष गियर मुहैया करा रहा है ताकि बर्फबारी के बावजूद वे भारतीय इलाकों में घुस सकें। यह जानकारी खुफिया रिपोर्टों से मिली। हालांकि, भारतीय सेना पूरी तरह मुस्तैद है और पाकिस्तान के हर नापाक इरादे को नाकाम करने के लिए तैयार है।

रिपोर्ट के मुताबिक भारतीय सुरक्षा बलों को मिली खुफिया जानकारी से पता चलता है कि पाकिस्तान की योजना इन आतंकवादियों को सर्दी शुरू होने से पहले भारत में प्रवेश कराना है, जिससे उन्हें भारी बर्फबारी के दौरान कम कठिनाइयों का सामना करना पड़े। वर्तमान में भारतीय सुरक्षा बल सीमा पर कड़ी निगरानी रखे हुए



हैं, जिससे आतंकवादी समूहों के लिए घुसपैठ करना मुश्किल हो रहा है। खुफिया एजेंसियों के मुताबिक इन आतंकवादियों को 3-4 के छोटे-छोटे समूहों में बांटा गया है, ताकि सुरक्षा बलों को उनका पता लगने का खतरा कम हो सके। इंटेलिजेंस ब्यूरो के एक अधिकारी ने बताया कि लॉन्चपैड्स पर काफी

गतिविधियां बढ़ गई हैं क्योंकि पिछले डेढ़ साल में घुसपैठ के कई प्रयास नाकाम हो चुके हैं और सर्दियां नजदीक आ रही हैं। आतंकवादी आमतौर पर सर्दी से पहले घुसपैठ की कोशिश करते हैं, क्योंकि भारी बर्फबारी के बाद रास्ते दुर्गम हो जाते हैं। लॉन्चपैड्स पर बड़ी गतिविधि एक बड़े घुसपैठ अभियान की ओर इशारा करती है,

जिसे पाकिस्तान भारत को दहलाने की बड़ी साजिश के तहत अंजाम देना चाहता है। पाकिस्तानी सेना ने जैश-ए-मोहम्मद, लश्कर-ए-तैयबा और हिजबुल मुजाहिदीन के आतंकवादियों को ऊंचाई वाले इलाकों के लिए विशेष गियर दिए हैं, जिनमें सियाचिन में इस्तेमाल होने वाले उपकरण भी शामिल हैं। रिपोर्ट के मुताबिक पाकिस्तान ड्रोन का भी बड़े पैमाने पर इस्तेमाल कर रहा है ताकि रास्तों का नक्शा बनाया जा सके और भारतीय सेना की मूवमेंट पर नजर रखी जा सके। इन खुफिया इनपुट्स के बाद भारतीय सेना पूरी तरह अलर्ट है और हर घुसपैठ को नाकाम करने के लिए प्रतिबद्ध है। पाकिस्तान की अंदरूनी सुरक्षा संकट, खासकर खैबर पख्तूनख्वा, पीओके और बलूचिस्तान में अशांति, इस जल्दबाजी का एक मुख्य कारण हो सकता है।

लोकतंत्र में सत्ता परिवर्तन एक सामान्य प्रक्रिया, अनुमति के बावजूद मुंबई में फ्लॉप हुआ सीजेपी बीजेपी इतना गुस्सा क्यों दिखा रही है? का प्रदर्शन... न नेता पहुंचे न जुटी भीड़

–पूर्व केंद्रीय मंत्री पी चिदंबरम ने सत्ता परिवर्तन शब्द को लेकर बीजेपी को घेरा

नई दिल्ली, एजेंसी।

मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफ चल रहे विरोध प्रदर्शनों के दौरान सत्ता परिवर्तन शब्द के इस्तेमाल को लेकर शुरू हुई राजनीतिक बहस अब और तेज हो गई है। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और पूर्व केंद्रीय मंत्री पी चिदंबरम ने शनिवार को इस शब्द का जोरदार बचाव करते हुए कहा कि लोकतंत्र में सत्ता परिवर्तन एक सामान्य और स्वाभाविक प्रक्रिया है। उन्होंने बीजेपी की प्रतिक्रिया पर सवाल उठाते हुए साफ किया कि विपक्ष का मूलभूत कर्तव्य सरकार का विरोध करना, उसकी कमियां को उजागर करना और चुनाव के जरिए उसे सत्ता से करना है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक चिदंबरम ने एक्स पर अपनी पोस्ट में बीजेपी की आपत्ति पर तंज कसा और कहा कि सत्ता परिवर्तन शब्द के इस्तेमाल पर बीजेपी इतना गुस्सा क्यों दिखा रही है? लोकतंत्र में सत्ता परिवर्तन सामान्य बात है। इस प्रक्रिया को



विरोध करो, पर्दाफाश करो और सत्ता से हटाओ के रूप में सरल शब्दों में समझाया। यह विवाद तब शुरू हुआ जब वरिष्ठ वकील प्रशांत भूषण ने मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफ चल रहे आंदोलन को सत्ता परिवर्तन की लड़ाई बताया। इसके साथ ही छत्र कार्यकर्ता नेहा बोरा ने बांग्लादेश में जेन-जी आंदोलन का उल्लेख किया, जिसे बीजेपी ने मोदी सरकार को चुनावी प्रक्रिया से बाहर हटाने की कोशिश के संकेत के रूप में देखा। कांग्रेस और अन्य विपक्षी दलों ने

इस आरोप को सिरे से खारिज करते हुए कहा कि शांतिपूर्ण प्रदर्शन और लोकतांत्रिक माध्यम से सरकार बदलना लोकतंत्र का वैध हिस्सा है। रिपोर्ट के मुताबिक बीजेपी ने इन बयानों को राजनीतिक अस्थिरता पैदा करने की कोशिश से जोड़ा। पार्टी के मुताबिक बांग्लादेश के आंदोलन का संदर्भ और प्रदर्शनकारियों द्वारा इस्तेमाल की गई भाषा व्यापक राजनीतिक अशांति फैलाने के इरादे की ओर इशारा करती है। इस मुद्दे पर बीजेपी के कई वरिष्ठ नेताओं ने विपक्ष की कड़ी आलोचना की है। बीजेपी प्रवक्ताओं ने भी विपक्ष के बयानों पर तीखे सवाल उठाए हैं। यह राजनीतिक विवाद मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफ जारी प्रदर्शनों के बीच और गहरा गया है, जहां प्रदर्शनकारी चुनाव प्रक्रिया में अनिश्चितताओं को लेकर सवाल उठा रहे हैं। बीजेपी और विपक्ष के बीच आरोप-प्रत्यारोप का यह दौर फिलहाल थमता नजर नहीं आ रहा है।

मुंबई, एजेंसी।

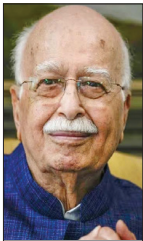
मुंबई के ऐतिहासिक आजाद मैदान में काँकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) द्वारा आयोजित लहराओ तिरंगा विरोध-प्रदर्शन पूरी तरह से दिशाहीन और फौका साबित हुआ। मुंबई प्रशासन से नियमानुसार आधिकारिक अनुमति प्राप्त होने के बावजूद पूरे दिन के दौरान मैदान में 50 लोग भी एकत्र नहीं हुए। प्रदर्शन का आधिकारिक समय सुबह 10 बजे से शाम 5 बजे तक था, लेकिन सीजेपी आयोजकों की ढीली तैयारियों का आलम यह रहा कि मैदान में प्रदर्शनकारियों से ज्यादा सिखा में पुलिसकर्मी दिखाई दिए। निर्धारित समय समाप्त होते ही जो थोड़े-बहुत लोग मौजूद थे, वे भी वहां से चले गए और पूरा मैदान खाली हो गया। इससे इस पूरे आयोजन के उद्देश्य, रणनीति और जनसमर्थन पर गंभीर प्रश्नचिह्न खड़े हो गए हैं। प्रदर्शन स्थल पर सीजेपी की आंतरिक अव्यवस्था और प्रशासनिक

तालमेल की भारी कमी दिखाई दी। पार्टी के मुंबई समन्वयक प्रणव अहीरे सहित सीजेपी का कोई भी स्थापित और प्रमुख चेहरा आजाद मैदान में उपस्थित नहीं हुआ। दिन के शुरूआती घंटों में केवल भवन सिंह जन अधिकार यात्रा और ऑल इंडिया स्टूडेंट्स फेडरेशन (एआईएसएफ) से जुड़े कुछ स्वयंसेवक ही वहां बैनर-पोस्टर लेकर खड़े दिखे। दोपहर बाद जब कुछ लोग पहुंचे, तब उन्होंने व्यवस्थाओं और नेतृत्वहीनता पर तीखा असंतोष व्यक्त किया। कार्यकर्ताओं का कहना था कि विरोध-प्रदर्शन की सूचना न समय पर दी गई और न ही पार्टी के आधिकारिक सोशल मीडिया प्लेटफॉर्मों पर इसका कोई प्रचार-प्रसार किया गया, जिससे समर्थकों के बीच भारी असमंजस की स्थिति बनी रही। इसके अतिरिक्त, दिल्ली में हाल ही में हुए आंदोलनों और वहां प्रदर्शनकारियों की धरपकड़ के कारण

भी लोगों में एक प्रकार का डर देखा गया, जिसे कम भीड़ जुटने की एक बड़ी वजह माना जा रहा है। सुरक्षा और कानून-व्यवस्था के दृष्टिकोण से मुंबई पुलिस प्रशासन पूरी तरह सतर्क और मुस्तैद दिखाई दिया। आजाद मैदान तथा छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस (सीएसएमटी) स्टेशन के आसपास करीब 500 सुरक्षाकर्मियों को तैनात किया गया था ताकि किसी भी संभावित अव्यवस्था से निपटा जा सके। यद्यपि मैदान में भीड़ नाममात्र की थी, फिर भी वहां मौजूद सामाजिक कार्यकर्ता अंजलि दमनिया, साम्या कोरे और आर्मिर् काजी जैसे वक्ताओं ने उपस्थित लोगों को संबोधित किया। अपने भाषणों में उन्होंने मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के तत्काल इस्तीफे की मांग की और दिल्ली में छात्रों व कार्यकर्ताओं पर हुई पुलिस कार्रवाई के खिलाफ जवाबदेही तय करने की बात कही।

लाल कृष्ण आडवाणी सीने में संक्रमण के चलते अस्पताल में भर्ती, हालत स्थिर

नई दिल्ली (एजेंसी)। बीजेपी के वरिष्ठ नेता लाल कृष्ण आडवाणी को सीने में संक्रमण की शिकायत के बाद शुरुवार शाम को अपोलो अस्पताल में भर्ती कराया गया। फिलहाल उनका इलाज जारी है और उनकी हालत स्थिर बताई जा रही है। मामले की जानकारी रखने वाले अधिकारियों के मुताबिक 98 साल के आडवाणी को शाम करीब 7:30 बजे अस्पताल लाया गया। उन्हें पल्मोनरी विभाग में भर्ती किया गया है और डॉक्टरों की एक टीम उनकी निगरानी कर रही है। अस्पताल के अधिकारियों ने बताया कि वरिष्ठ नेता का इलाज चल रहा है और उनकी स्थिति स्थिर बनी हुई है। बता दें आडवाणी को इससे पहले इस साल मई में उम्र से जुड़ी स्वास्थ्य समस्याओं के कारण अपोलो अस्पताल में भर्ती कराया गया था। वे कुछ दिनों तक अस्पताल में रहे और फिर उन्हें छुटी दे दी गई थी। बीजेपी के इस दिग्गज नेता ने तीन बार 1986-1990, 1993-1998 और 2004-2005 पार्टी अध्यक्ष के रूप में काम किया। उन्होंने अटल बिहारी वाजपेयी के नेतृत्व वाली एनडीए सरकार में 1998 से 2004 तक केंद्रीय गृह मंत्री और 2002 से 2004 तक उप प्रधानमंत्री के रूप में जिम्मेदारी निभाई। दिसंबर 2024 में आडवाणी को मेडिकल जांच और इलाज के लिए इंद्रप्रस्थ अपोलो अस्पताल के आईसीयू में भर्ती कराया गया था। वे न्यूरोलॉजिस्ट की देखरेख में रहे थे।



हैं। हालांकि, नामों को तय करने का यह फैसला अपने आप में क्षेत्रीय विवादों को हल नहीं करता, लेकिन यह भारत द्वारा चुने गए नामों को उसके आधिकारिक नक्शों का अभिन्न अंग

बना देता है। ये 28 स्थान अपनी भौगोलिक स्थिति, गश्त और सुरक्षा से जुड़े महत्व के कारण इस पूरे इलाके को किस तरह पेश किया जाए, इस व्यापक विवाद में अपनी अहमियत रखते हैं।

विशेष आवश्यकता वाले बच्चों को समाज की मुख्यधारा से जोड़ना सरकार की प्राथमिकता:- मंत्री कृष्ण कुमार बेदी

एजेंसी

रोहतक। हरियाणा सरकार में सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता, अनुसूचित जाति एवं पिछड़ा वर्ग कल्याण तथा अंत्योदय मंत्री कृष्ण कुमार बेदी ने कहा कि विशेष आवश्यकता वाले बच्चे समाज और प्रदेश की अमूल्य संपत्ति हैं। उचित मार्गदर्शन, प्रशिक्षण, प्रोत्साहन और अवसर उपलब्ध करवाकर उन्हें समाज की मुख्यधारा से जोड़ा जा सकता है। सरकार का उद्देश्य केवल दिव्यांगजनों को सुविधाएं उपलब्ध करवाना ही नहीं, बल्कि उनकी क्षमताओं को विकसित कर उन्हें आत्मनिर्भर एवं सम्मानजनक जीवन जीने के योग्य बनाना भी है। मंत्री कृष्ण कुमार बेदी रोहतक स्थित राज्य पुनर्वास प्रशिक्षण एवं शोध संस्थान (सिरतार) के नवीनीकृत बहुउद्देशीय हॉल के उद्घाटन अवसर पर उपस्थित लोगों को संबोधित कर रहे थे। कार्यक्रम में पूर्व मंत्री मनीष कुमार ग्रोवर, विभाग की अतिरिक्त मुख्य सचिव डॉ. जी. अनुपमा, निदेशक मुकुल कुमार आईएसएस, उपायुक्त सतबीर सिंह, अतिरिक्त उपायुक्त नरेंद्र कुमार, संयुक्त निदेशक डॉ. सुभाष चंद्र, भाजपा के जिला अध्यक्ष रणबीर ढाका तथा सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

संत कबीर छात्रावास हिसार में 50 विद्यार्थियों को मिलेगा प्रवेश, सुविधाएं रहेंगी नि:शुल्क

हिसार। हरियाणा सरकार की ओर से अनुसूचित जाति, पिछड़े वर्ग तथा टपरीवास, विमुक्त एवं अर्ध घुमंतु जातियों के विद्यार्थियों को शिक्षा के बेहतर अवसर उपलब्ध करवाने के लिए संत कबीर छात्रावास हिसार में नि:शुल्क छात्रावास संचालित किया जा रहा है। छात्रावास में 50 विद्यार्थियों को प्रवेश देने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। यह जानकारी देते हुए बरवाला के तहसील कल्याण अधिकारी संजय कुमार ने पात्र विद्यार्थियों और उनके अभिभावकों से छात्रावास में प्रवेश लेकर सरकारी योजना का लाभ उठाने की अपील की है। उन्होंने बताया कि छात्रावास में हरियाणा के स्थायी निवासी अनुसूचित जाति, पिछड़े वर्ग तथा टपरीवास, विमुक्त एवं अर्ध घुमंतु जातियों के विद्यार्थियों को प्रवेश दिया जाएगा। इसके लिए विद्यार्थी का कक्षा छठी से दसवीं तक अध्ययनरत होना और किसी सरकारी या मान्यता प्राप्त विद्यालय में दाखिला होना अनिवार्य है। उन्होंने बताया कि छात्रावास में विद्यार्थियों को हरियाणा सरकार की ओर से नि:शुल्क रहने और खाने-पीने की सुविधा उपलब्ध करवाई जाती है।

सेवा संकल्प अभियान के तहत आंगन मिलन कैप में पहुंची मछणगर की ललिता शर्मा ने साझा किया योजना का लाभ मिलने का अनुभव

फरीदाबाद। प्रदेश सरकार द्वारा आमजन को जनकल्याणकारी योजनाओं से जोड़ने के उद्देश्य से चलाए जा रहे सेवा संकल्प अभियान-2026 के तहत आयोजित आंगन मिलन कैप लोगों को सरकारी योजनाओं के प्रति जागरूक करने और पात्र लाभार्थियों तक योजनाओं का लाभ पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। इसी कड़ी में गांव मच्छणर निवासी ललिता शर्मा आंगन मिलन कैप में पहुंची। इस दौरान उन्होंने अपना अनुभव साझा करते हुए बताया कि पहली गर्भावस्था के दौरान उन्हें प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना के तहत 5,000 रुपये की आर्थिक सहायता मिली थी। उन्होंने बताया कि योजना के माध्यम से प्राप्त आर्थिक सहयोग गर्भावस्था के दौरान महिलाओं की आवश्यकताओं को पूरा करने में मददगार साबित होता है। प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना का उद्देश्य पात्र गर्भवती महिलाओं एवं स्तनपान कराने वाली माताओं को निर्धारित प्रावधानों के अनुसार आर्थिक सहायता प्रदान करना है, ताकि उन्हें गर्भावस्था और मातृत्व के दौरान बेहतर स्वास्थ्य एवं पोषण संबंधी सुविधाएं प्राप्त करने में सहयोग मिल सके।

जिला बार कॉम्प्लेक्स में सुधरेंगी मूलभूत सुविधाएं, पार्किंग और सड़क निर्माण पर भी होगा काम

करनाल। जिला बार कॉम्प्लेक्स में मूलभूत सुविधाओं को बेहतर बनाने और विकास कार्यों को गति देने के लिए जिला प्रशासन की ओर से कई महत्वपूर्ण कदम उठाए जाएंगे। इस संबंध में उपायुक्त डा. आनंद कुमार शर्मा की अध्यक्षता में आयोजित बैठक में विभिन्न सुधार कार्यों को लेकर सहमति बनी। जिला बार एसोसिएशन की ओर से बार कॉम्प्लेक्स में सुविधाओं के विस्तार, आधारभूत ढांचे के सुधार और विकास कार्य करवाने की मांग प्रशासन के समक्ष रखी गई थी।

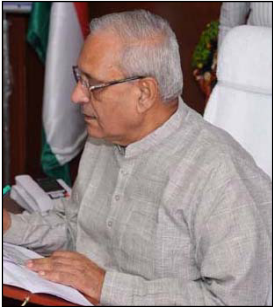


सड़क की मरम्मत में लापरवाही की तो एजेंसी की बैंक गारंटी होगी कैश : मंत्री रणबीर गंगवा

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी द्वारा ‘म्हरी सड़क’ ऐप पर प्राप्त शिकायतों का 10 दिन के भीतर समाधान करने संबंधी निर्देशों की भी सख्ती से पालना सुनिश्चित करने को कहा।

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा के लोक निर्माण एवं जनस्वास्थ्य अभियांत्रिकी मंत्री रणबीर गंगवा ने डीएलपी अवधि के दौरान सड़कों की मरम्मत में लापरवाही बरतने वाली एजेंसियों पर सख्त कार्रवाई के निर्देश दिए हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि सड़क खराब होने के बावजूद यदि संबंधित एजेंसी समय पर उसकी मरम्मत नहीं करती है तो विभाग कार्रवाई करने में देरी नहीं करेगा। ऐसी एजेंसी की बैंक गारंटी कैश करवाकर



में लोक निर्माण विभाग के अधिकारियों के साथ आयोजित समीक्षा बैठक की अध्यक्षता करते हुए दिए। बैठक में पीडब्ल्यू (बी एंड आर) विभाग के अतिरिक्त

विभाग अपने स्तर पर कर्मचारी, रोलर और अन्य संसाधन लगाकर सड़क की मरम्मत करवाएगा। कैबिनेट मंत्री रणबीर गंगवा ने यह निर्देश हरियाणा सिविल सचिवालय स्थित अपने कार्यालय में लोक निर्माण विभाग के अधिकारियों के साथ आयोजित समीक्षा बैठक की अध्यक्षता करते हुए दिए। बैठक में पीडब्ल्यू (बी एंड आर) विभाग के अतिरिक्त

मुख्य सचिव एके सिंह, अतिरिक्त सचिव श्री हितेश कुमार मीणा, चीफ इंजीनियर स्तर के अधिकारियों सहित एसोसिएपीडब्ल्यू, ईआईसी (बिल्डिंग्स), ईआईसी (रोड्स), सभी संबंधित एसई और एक्सईएन शामिल हुए। बैठक में वर्क प्रोग्राम 2026-27, सड़कों की स्थिति, ‘म्हरी सड़क’ ऐप पर प्राप्त शिकायतों, हरसक परियोजना, मॉडल रोड तथा सरकारी भवनों पर सोलर पैनल लगाने सहित विभिन्न मुद्दों की समीक्षा की गई। गंगवा ने कहा कि समीक्षा की गई। गंगवा ने कहा कि प्रदेश में लगभग 19 हजार किलोमीटर सड़कें डीएलपी अवधि में हैं। इन सड़कों के रखरखाव और समय पर मरम्मत की जिम्मेदारी संबंधित एजेंसी की है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि डीएलपी अवधि वाली

सड़कों की नियमित निगरानी की जाए और सड़क में किसी भी प्रकार की खराबी सामने आने पर तत्काल कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। उन्होंने कहा कि मरम्मत के लिए शिकायत का इंतजार करने की जरूरत नहीं है। अधिकारी स्वयं फील्ड में जाकर सड़क की स्थिति देखें और आवश्यकता होने पर तुरंत कार्रवाई करवाएं। मंत्री ने कहा कि सड़कें आम लोगों की रोजमर्रा की आवाजाही से सीधे जुड़ी हुई हैं, इसलिए इनके रखरखाव में किसी भी स्तर पर लापरवाही नहीं होनी चाहिए। उन्होंने एसई, एक्सईएन और अन्य आला अधिकारियों को सप्ताह में कम से कम तीन दिन फील्ड में जाकर सड़कों का निरीक्षण करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि यदि निरीक्षण के दौरान कहीं सड़क टूटी हुई या क्षतिग्रस्त मिलती है।

सड़कों की स्थिति देखें और आवश्यकता होने पर तुरंत कार्रवाई करवाएं। मंत्री ने कहा कि सड़कें आम लोगों की रोजमर्रा की आवाजाही से सीधे जुड़ी हुई हैं, इसलिए इनके रखरखाव में किसी भी स्तर पर लापरवाही नहीं होनी चाहिए। उन्होंने एसई, एक्सईएन और अन्य आला अधिकारियों को सप्ताह में कम से कम तीन दिन फील्ड में जाकर सड़कों का निरीक्षण करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि यदि निरीक्षण के दौरान कहीं सड़क टूटी हुई या क्षतिग्रस्त मिलती है।

सड़कों की स्थिति देखें और आवश्यकता होने पर तुरंत कार्रवाई करवाएं। मंत्री ने कहा कि सड़कें आम लोगों की रोजमर्रा की आवाजाही से सीधे जुड़ी हुई हैं, इसलिए इनके रखरखाव में किसी भी स्तर पर लापरवाही नहीं होनी चाहिए। उन्होंने एसई, एक्सईएन और अन्य आला अधिकारियों को सप्ताह में कम से कम तीन दिन फील्ड में जाकर सड़कों का निरीक्षण करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि यदि निरीक्षण के दौरान कहीं सड़क टूटी हुई या क्षतिग्रस्त मिलती है।

सड़कों की स्थिति देखें और आवश्यकता होने पर तुरंत कार्रवाई करवाएं। मंत्री ने कहा कि सड़कें आम लोगों की रोजमर्रा की आवाजाही से सीधे जुड़ी हुई हैं, इसलिए इनके रखरखाव में किसी भी स्तर पर लापरवाही नहीं होनी चाहिए। उन्होंने एसई, एक्सईएन और अन्य आला अधिकारियों को सप्ताह में कम से कम तीन दिन फील्ड में जाकर सड़कों का निरीक्षण करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि यदि निरीक्षण के दौरान कहीं सड़क टूटी हुई या क्षतिग्रस्त मिलती है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में युवाओं के लिए रोजगार और कौशल विकास के अवसर बढ़ा रही केंद्र सरकार : कृष्णपाल गुर्जर

एजेंसी

फरीदाबाद। भारत सरकार में केंद्रीय सहकारिता राज्य मंत्री कृष्णपाल गुर्जर ने कहा कि देश के युवाओं में अपार प्रतिभा, ऊर्जा और क्षमता है। युवाओं को उनकी योग्यता और हुनर के अनुरूप अवसर उपलब्ध कराना विकसित भारत के निर्माण की दिशा में अत्यंत महत्वपूर्ण है। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार युवाओं को रोजगार, स्वरोजगार, कौशल विकास और उद्यमिता के अधिक से अधिक अवसर प्रदान करने

के लिए निरंतर कार्य कर रही है। सरकार का उद्देश्य युवाओं को केवल रोजगार तलाशने वाला नहीं, बल्कि रोजगार सृजित करने वाला बनाना भी है। सेवा संकल्प अभियान के तहत प्रधानमंत्री विकसित भारत रोजगार योजना के अंतर्गत आईटीआई सेक्टर 18 में रोजगार मेले का आयोजन किया। जिसमें भारत सरकार में केंद्रीय सहकारिता राज्यमंत्री कृष्ण पाल गुर्जर ने बतौर मुख्यातिथि शिरकत की। उनके साथ जिला अध्यक्ष पंकज पूजन रामपाल भी मौजूद रहे। केंद्रीय राज्य मंत्री कृष्णपाल गुर्जर ने कहा कि

के लिए निरंतर कार्य कर रही है। सरकार का उद्देश्य युवाओं को केवल रोजगार तलाशने वाला नहीं, बल्कि रोजगार सृजित करने वाला बनाना भी है। सेवा संकल्प अभियान के तहत प्रधानमंत्री विकसित भारत रोजगार योजना के अंतर्गत आईटीआई सेक्टर 18 में रोजगार मेले का आयोजन किया। जिसमें भारत सरकार में केंद्रीय सहकारिता राज्यमंत्री कृष्ण पाल गुर्जर ने बतौर मुख्यातिथि शिरकत की। उनके साथ जिला अध्यक्ष पंकज पूजन रामपाल भी मौजूद रहे। केंद्रीय राज्य मंत्री कृष्णपाल गुर्जर ने कहा कि

के लिए निरंतर कार्य कर रही है। सरकार का उद्देश्य युवाओं को केवल रोजगार तलाशने वाला नहीं, बल्कि रोजगार सृजित करने वाला बनाना भी है। सेवा संकल्प अभियान के तहत प्रधानमंत्री विकसित भारत रोजगार योजना के अंतर्गत आईटीआई सेक्टर 18 में रोजगार मेले का आयोजन किया। जिसमें भारत सरकार में केंद्रीय सहकारिता राज्यमंत्री कृष्ण पाल गुर्जर ने बतौर मुख्यातिथि शिरकत की। उनके साथ जिला अध्यक्ष पंकज पूजन रामपाल भी मौजूद रहे। केंद्रीय राज्य मंत्री कृष्णपाल गुर्जर ने कहा कि

के लिए निरंतर कार्य कर रही है। सरकार का उद्देश्य युवाओं को केवल रोजगार तलाशने वाला नहीं, बल्कि रोजगार सृजित करने वाला बनाना भी है। सेवा संकल्प अभियान के तहत प्रधानमंत्री विकसित भारत रोजगार योजना के अंतर्गत आईटीआई सेक्टर 18 में रोजगार मेले का आयोजन किया। जिसमें भारत सरकार में केंद्रीय सहकारिता राज्यमंत्री कृष्ण पाल गुर्जर ने बतौर मुख्यातिथि शिरकत की। उनके साथ जिला अध्यक्ष पंकज पूजन रामपाल भी मौजूद रहे। केंद्रीय राज्य मंत्री कृष्णपाल गुर्जर ने कहा कि

के लिए निरंतर कार्य कर रही है। सरकार का उद्देश्य युवाओं को केवल रोजगार तलाशने वाला नहीं, बल्कि रोजगार सृजित करने वाला बनाना भी है। सेवा संकल्प अभियान के तहत प्रधानमंत्री विकसित भारत रोजगार योजना के अंतर्गत आईटीआई सेक्टर 18 में रोजगार मेले का आयोजन किया। जिसमें भारत सरकार में केंद्रीय सहकारिता राज्यमंत्री कृष्ण पाल गुर्जर ने बतौर मुख्यातिथि शिरकत की। उनके साथ जिला अध्यक्ष पंकज पूजन रामपाल भी मौजूद रहे। केंद्रीय राज्य मंत्री कृष्णपाल गुर्जर ने कहा कि

के लिए निरंतर कार्य कर रही है। सरकार का उद्देश्य युवाओं को केवल रोजगार तलाशने वाला नहीं, बल्कि रोजगार सृजित करने वाला बनाना भी है। सेवा संकल्प अभियान के तहत प्रधानमंत्री विकसित भारत रोजगार योजना के अंतर्गत आईटीआई सेक्टर 18 में रोजगार मेले का आयोजन किया। जिसमें भारत सरकार में केंद्रीय सहकारिता राज्यमंत्री कृष्ण पाल गुर्जर ने बतौर मुख्यातिथि शिरकत की। उनके साथ जिला अध्यक्ष पंकज पूजन रामपाल भी मौजूद रहे। केंद्रीय राज्य मंत्री कृष्णपाल गुर्जर ने कहा कि

हरियाणा ने स्वीडिश कंपनियों के साथ 4,000 करोड़ रुपये के आशय पत्रों पर हस्ताक्षर किए

यह यात्रा वैश्विक निवेश मानचित्र पर हरियाणा की स्थिति को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

एजेंसी

चंडीगढ़। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी की स्वीडन की ऐतिहासिक यात्रा के दौरान हरियाणा ने स्वीडिश कंपनियों के साथ 4,000 करोड़ रुपये के आशय पत्रों (एलओआई) पर हस्ताक्षर किए हैं। उनके इस कदम से राज्यों के युवाओं के लिए व्यापार, निवेश, आर्थिक सहयोग और रोजगार के नए अवसर खुल गए हैं। शहरी स्थानीय निकाय मंत्री विपुल गोयल भी इस यात्रा के दौरान मुख्यमंत्री के साथ थे। यात्रा के अंतर्गत, गुरुग्राम और

स्टॉकहोम ने तकनीकी नवाचार, स्मार्ट शहर-से-शहर सहयोग समझौते पर सिटी समाधान, सतत शहरी विकास, ज्ञान हस्ताक्षर किए। राज्य सरकार द्वारा जारी



आदान-प्रदान और निवेश प्रोत्साहन में एक बयान में कहा गया है कि इस सहयोग को मजबूत करने के लिए एक साझेदारी से दोनों शहरों के बीच

दीर्घकालिक सहयोग को बढ़ावा मिलने की उम्मीद है। एक मजबूत और आत्मनिर्भर भारत की परिकल्पना के अनुरूप, हरियाणा सरकार ने 3,000 करोड़ रुपये के एक महत्वपूर्ण एलओआई पर हस्ताक्षर किए। इसके अतिरिक्त, खुदरा और भंडारण क्षेत्रों में 1,000 करोड़ रुपये के समझौते हुए। प्रस्तावित निवेश से आधुनिक भंडारण अवसरचना के विकास, खुदरा श्रृंखलाओं के विस्तार और लॉजिस्टिक्स में नए निवेश को बढ़ावा मिलने के उम्मीद है, जिससे राज्य के औद्योगिक और वाणिज्यिक पारिस्थितिकी तंत्र को मजबूती मिलेगी। इस यात्रा में हरियाणा और स्वीडन के बीच व्यापार विस्तार और आर्थिक सहयोग को मजबूत करने के

उद्देश्य से एक समझौता भी हुआ।स्वीडिश कंपनियों ने हरियाणा के कुशल युवाओं के लिए रोजगार के अवसरों का आश्वासन दिया है, जिससे अंतरराष्ट्रीय स्तर के कौशल विकास, प्रशिक्षण और रोजगार के नए रास्ते खुल सकते हैं। मुख्यमंत्री सैनी ने कहा कि यह यात्रा वैश्विक निवेश मानचित्र पर हरियाणा की स्थिति को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने आगे कहा कि राज्य स्वीडन की उन्नत प्रौद्योगिकी, नवाचार और सतत विकास मॉडलों का लाभ उठाकर, उन्हें हरियाणा की गतिशील अर्थव्यवस्था और युवा कार्यबल के साथ मिलाकर आत्मनिर्भर भारत के लक्ष्य की ओर प्रगति को गति देगा।

लक्ष्य का निर्धारण कर निरंतर प्रयासरत रहें युवा, जरूर मिलेगी सफलता : कैबिनेट मंत्री कृष्ण लाल पंवार

एजेंसी

सिरसा। राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान सिरसा तथा जिला रोजगार कार्यालय के संयुक्त तत्वाधान में आईटीआई प्रांगण में मेगा जॉब फेयर-2026 का आयोजन किया गया। इस दौरान 28 कंपनी/ संस्थानों ने लगभग 423 युवाओं का चयन किया और 273 अर्थर्थियों को शार्टलिस्ट किया गया। कार्यक्रम में कैबिनेट मंत्री, हरियाणा सरकार कृष्ण लाल पंवार ने बतौर मुख्य अतिथि शिरकत की। कैबिनेट मंत्री कृष्ण लाल पंवार ने कहा कि यह आयोजन केवल रोजगार देने और नौकरी पाने तक सीमित नहीं है, बल्कि यह युवाओं के सपनों को नई उड़ान देने, उनके परिवारों के भविष्य को सुनिश्चित करने और

प्रदेश के विकास में उनकी भागीदारी सुनिश्चित करने की दिशा में महत्वपूर्ण प्रयास है। उन्होंने युवाओं का हौसला बढ़ाते हुए कहा कि युवा शक्ति लक्ष्य का निर्धारण कर उसे पाने के लिए निरंतर प्रयासरत रहें, एक दिन सफलता जरूर मिलेगी। कैबिनेट मंत्री ने कहा कि किसी युवा के ह्थ में रोजगार होता है तो उसके भीतर आत्मविश्वास पैदा होता है और उसके परिवार में खुशहाली आती है। युवाओं को रोजगार के अवसर उपलब्ध करवाना केवल सरकार की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि देश के उज्ज्वल भविष्य के निर्माण का महत्वपूर्ण कार्य है। हरियाणा के युवाओं ने खेल, सेना, विज्ञान, तकनीक, उद्योग, कृषि और उद्यमिता सहित विभिन्न क्षेत्रों में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया है।

18 अक्टूबर को विशेष कैप लगाकर किया जाएगा मतदाता सूची के लंबित फार्मों और नोटिसों का निपटारा

प्रत्येक मतदान केंद्र पर बीएलओ करेंगे दस्तावेज जमा, मतदाताओं को दिया जा रहा है अंतिम अवसर

प्रत्येक मतदान केंद्र पर बीएलओ करेंगे दस्तावेज जमा, मतदाताओं को दिया जा रहा है अंतिम अवसर

एजेंसी

पलवल। भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर)-2026 के तहत लंबित फार्मों और नोटिसों के निपटारे के लिए व रविवार 18 अक्टूबर को जिला के प्रत्येक मतदान केंद्र पर विशेष कैप आयोजित किए जाएंगे। ये कैप शनिवार और रविवार को सुबह 9 बजे से शाम 5 बजे तक लगाए जाएंगे। उपायुक्त एवं जिला निर्वाचन अधिकारी डा. जयेन्द्र सिंह छिल्लर ने जानकारी देते हुए बताया कि जिला निर्वाचन कार्यालय पलवल द्वारा आयोजित किए जा रहे विशेष कैपों का उद्देश्य विधानसभा क्षेत्र में लंबित फार्म नंबर 6, 7 व 8 तथा नोटिसों से संबंधित

मामलों का समयबद्ध निपटारा सुनिश्चित करना है ताकि नागरिकों को परेशान न होना पड़े। **दस्तावेज जमा नहीं करवाने वाले मतदाताओं को दिया जा रहा है अंतिम अवसर** जिला निर्वाचन अधिकारी डा. जयेन्द्र सिंह छिल्लर ने कहा कि विशेष कैपों के दौरान उन आमजन एवं मतदाताओं को अपने आवश्यक दस्तावेज जमा करवाने का अवसर दिया जा रहा है, जिन्होंने अभी तक दस्तावेज जमा नहीं करवाए हैं। संबंधित मतदाता 17 या 18 अक्टूबर को अपने मतदान केंद्र पर पहुंचकर बीएलओ के माध्यम से आवश्यक दस्तावेज जमा करवा सकते हैं।जिला निर्वाचन अधिकारी डा. जयेन्द्र सिंह छिल्लर ने मतदाताओं से अपील की कि जिन मतदाताओं के फार्म या नोटिस लंबित हैं अथवा जिन्होंने अभी तक दस्तावेज जमा करवाने का अंतिम अवसर दिया गया है, इसलिए मतदाता निर्धारित तिथि पर आवश्यक कार्रवाई अवश्य पूरी करें।

खेल मंत्री गौरव गौतम के प्रयासों से पलवल को बड़ी राहत, 11.51 करोड़ की दो ड्रेनेज परियोजनाओं को मंजूरी

बारिश के पानी की निकासी होगी बेहतर, जलभराव की समस्या से प्रभावित क्षेत्रों को मिलेगी राहत

एजेंसी

पलवल। पलवल शहर में बरसाती पानी की निकासी व्यवस्था को मजबूत करने और जलभराव की समस्या के समाधान की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाया गया है। हरियाणा सरकार में खेल मंत्री एवं पलवल के विधायक श्री गौरव गौतम के प्रयासों से नगर परिषद पलवल की दो महत्वपूर्ण स्ट्रीम वाटर ड्रेन परियोजनाओं को शहरी स्थानीय निकाय विभाग, हरियाणा की ओर से प्रशासनिक स्वीकृति प्रदान की गई है। इन दोनों परियोजनाओं की कुल अनुमानित लागत ₹11.51



क्षेत्रों के लोगों को राहत मिलने की उम्मीद है। इन परियोजनाओं के लिए राज्य सरकार की ओर से 75 प्रतिशत राशि खर्च की जाएगी, जबकि शेष 25 प्रतिशत राशि नगर परिषद पलवल वहन करेगी। उपलब्ध विवरण के अनुसार, कुल लागत में से राज्य

योजनाओं का मुख्य उद्देश्य शहर के जलनिकासी तंत्र को सुदृढ़ करना, बरसात के दौरान सड़कों पर पानी जमा होने की समस्या को कम करना और आम नागरिकों के आवागमन को सुविधाजनक बनाना है। पहली परियोजना के तहत रेलवे लाइन से आगरा नहर

NAME CHANGE
I hitherto known as SUNEEL DATTA SHARMA alias SUNIL BHARDWAJ S/o LAKSHMI SUNEEL BHARDWAJ R/o 64B, Gali No.01, Shiv Colony, Ballabgarh, Faridabad-121004, Haryana have changed my name and shall hereafter be known as SUNEEL BHARDWAJ
NAME CHANGE
I, Parveen S/o Sattbir, Village Acharya, Amrololi(143), Amroli, Palwal, Haryana - 121102 have changed my name and shall hereafter be known as Praveen Choudhary

है, बल्कि तकनीकी ज्ञान, व्यावहारिक अनुभव, संवाद कौशल, अनुशासन और समय प्रबंधन भी जरूरी हैं। एआई, डिजिटल सेवाओं और आधुनिक उद्योगों के विस्तार के साथ युवाओं को निरंतर सीखते हुए समय की मांग के अनुरूप अपने कौशल विकसित करने चाहिए। उन्होंने कहा कि आईटीआई, डिप्लोमा, इंजीनियरिंग और कौशल आधारित प्रशिक्षण के साथ युवाओं को वास्तविक कार्यक्षमता और रोजगार के अवसर मिल सकें।

अमेरिका में भारतीय निवेश 330 अरब डॉलर पार

एस्सार का 15 अरब डॉलर का इस्पात संयंत्र भी सूचीबद्ध

वाशिंगटन ।

व्हाइट हाउस ने अमेरिका में खरबों डॉलर के विदेशी निवेश की सूची जारी की है, जिसमें भारत 330 अरब डॉलर से अधिक के महत्वपूर्ण निवेश के साथ शीर्ष निवेशकों में शामिल हो गया है। इस सूची में भारत की दो प्रमुख प्रविष्टियां दर्शाई गई हैं, जो अमेरिका की अर्थव्यवस्था में उसके बढ़ते विश्वास को रेखांकित करती हैं। व्हाइट हाउस के यूट्यूब चैनल पर लगातार प्रदर्शित हो रही इस सूची में भारत का कुल निवेश 330 अरब डॉलर से अधिक दर्ज किया गया है, जिसमें 310 अरब डॉलर और 20.5 अरब डॉलर की दो अलग-अलग प्रविष्टियां शामिल हैं। इस सूची में आयोवा में एस्सार समूह के यूट्यूब चैनल पर लगातार प्रदर्शित 15 अरब डॉलर के इस्पात संयंत्र को भी प्रमुखता से दर्शाया गया है। व्हाइट हाउस ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर पोस्ट कर खरबों डॉलर के सुखद प्रवाह का स्वागत किया है। उल्लेखनीय है कि मार्च में रिलायंस इंडस्ट्रीज द्वारा टेक्सस में एक तेल रिफाइनरी स्थापित करने के लिए 300 अरब डॉलर के निवेश की घोषणा की गई थी, जिसे इस सूची में शामिल किया गया है। मई में, सिलेक्ट्यूएसए इन्वेस्टमेंट समिट के दौरान भी भारतीय उद्योग जगत ने अमेरिका में 20.5 अरब डॉलर के निवेश की प्रतिबद्धता जताई थी।

हल्दी की कीमतों में रिकॉर्ड उछाल, सूखे और अल नीनो का असर

पिछले एक साल में 80 फीसदी की रिकॉर्ड बढ़ोतरी

नई दिल्ली ।

भारतीय रसोई का अहम हिस्सा, हल्दी की कीमतें रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गई हैं। पिछले एक साल में 80 फीसदी से अधिक की बढ़ोतरी के साथ, हाज़िर बाजार में यह 23,000 रुपए प्रति क्विंटल के पार बिक रही है, जबकि वायदा बाजार में यह 24,500 रुपए तक पहुंच गई है। इस अभूतपूर्व तेजी का मुख्य कारण मांग में तेजी और अल नीनो के कारण घटती आपूर्ति है। पिछले एक महीने में हल्दी के दाम 18 फीसदी से अधिक बढ़े हैं। किसान और स्टॉकिस्ट बेहतर दाम की उम्मीद में माल रोक रहे हैं, साथ ही पिछले सीजन के मुकाबले कैरी-फॉवर्ड स्टॉक में 5 लाख बोरे की कमी भी एक कारण है। अल नीनो के प्रभाव से सूखे की स्थिति और फसल पर इसके प्रतिकूल असर की आशंका ने कीमतों को और भड़का दिया है। कर्नाटक में लगभग 13,446 हेक्टेयर हल्दी की फसल को नुकसान पहुंचा है, जिसकी कीमत 188.24 करोड़ रुपए आंकी गई है। महाराष्ट्र, तेलंगाना और तमिलनाडु जैसे प्रमुख हल्दी उत्पादक क्षेत्रों में सूखे के कारण बुवाई का रकबा 20-30 फीसदी घट गया है, जिससे अगले साल उत्पादन में भारी गिरावट की आशंका है। वैश्विक बाजार में बढ़ती मांग के बावजूद, आपूर्ति की कमी से जुलाई 2026 में निर्यात 10 फीसदी घटा है, जो मौजूदा साल को और गहरा रहा है। यह स्थिति उपभोक्ताओं और निर्यातकों दोनों के लिए चिंता का विषय बनी हुई है।

एचडीएफसी ने पेश किया नया भारत इक्विटी ईटीएफ

एक निवेश में मिलेगी बाजार की डाइवर्सिटी

नई दिल्ली ।

एचडीएफसी म्युचुअल फंड ने नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) पर अपना नया एक्सचेंज ट्रेडेड फंड (ईटीएफ), एचडीएफसी एफटीएसई इंडिया इक्विटी ईटीएफ सूचीबद्ध कर दिया है। यह नया फंड निवेशकों को एक ही निवेश के माध्यम से भारतीय शेयर बाजार की कई प्रमुख कंपनियों में विविधीकृत एक्सपोजर हासिल करने का एक आसान तरीका प्रदान करेगा, जिससे उन्हें अलग-अलग शेयरों में निवेश की आवश्यकता नहीं पड़ेगी। यह ईटीएफ एफटीएसई इंडिया इक्विटी इंडेक्स को ट्रैक करेगा, जो एफटीएसई इंडिया ऑल कैप इंडेक्स के कुल बाजार मूल्य का लगभग 90 फीसदी कवर करता है। इसका अर्थ है कि निवेशक विभिन्न आकार की भारतीय कंपनियों में अपना पैसा लगा सकेंगे, जिससे उनके पोर्टफोलियो में विविधता आएगी। एक औपन-एंडेड ईटीएफ होने के नाते, इसका प्राथमिक उद्देश्य इंडेक्स के प्रदर्शन के करीब रिटर्न देना है, जिसमें शेयरों का चुनाव इंडेक्स के नियमों के आधार पर होगा।

एचडीएफसी के एक अेधिकारी ने इस अवसर पर कहा कि यह ईटीएफ ऐसे निवेशकों की जरूरत पूरी करेगा जो भारतीय शेयर बाजार की वृद्धि का लाभ आसान और पारदर्शी तरीके से उठाना चाहते हैं। इस लिस्टिंग के साथ, एचडीएफसी म्युचुअल फंड ने अपने पैसेव निवेश उत्पादों की श्रृंखला का विस्तार किया है।

ट्रंप का यू-टर्न-रूसी तेल खरीदारों पर लगाए शुल्क तुरंत माफ

वाशिंगटन ।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने रूसी तेल खरीदने वाले देशों पर नए अमेरिकी कानून के तहत लगाए गए शुल्कों को तुरंत माफ कर दिया है, जिससे भारत और चीन जैसे प्रमुख आयातकों को बड़ी राहत मिली। यह फैसला 100 फीसदी शुल्क लागू होने से ठीक एक दिन पहले आया और अमेरिकी विदेश मंत्री की भारत यात्रा के मद्देनजर महत्वपूर्ण है। ट्रंप

सप्ताह भर में सोना 4,500, चांदी 13,500 सस्ती हुई

नई दिल्ली । राष्ट्रीय राजधानी में शुक्रवार को सोना और चांदी के भाव स्थिर रहे, जिससे उतार-चढ़ाव भरे सप्ताह के बाद निवेशकों को हल्की राहत मिली। हालांकि, भारतीय रुपए की लगातार मजबूती ने बहुमूल्य धातुओं में किसी बड़े सुधार की गुंजाइश को सीमित कर दिया, जहां 99.9 प्रतिशत शुद्धता वाला सोना 1,49,900 रुपए प्रति 10 ग्राम और चांदी 2.15 लाख

शेयर बाजार शुरुआती गिरावट के बाद जोरदार तेजी से हुआ बंद

वैश्विक चिंताओं और महंगाई ने बढ़ाई निवेशकों की बेचैनी

मुंबई ।

बीते सप्ताह भारतीय शेयर बाजार में निवेशकों को खासा उतार-चढ़ाव देखने को मिला। वैश्विक चिंताओं, विदेशी निवेश की निकासी और बढ़ती महंगाई के शुरुआती दबाव के बावजूद, बाजार ने मजबूत वापसी करते हुए सप्ताह का समापन बढ़त के साथ किया। बेंचमार्क सेंसेक्स और निफ्टी, दोनों सूचकांकों ने सप्ताह के अंत तक महत्वपूर्ण उछाल दर्ज की, जिससे निवेशकों का भरोसा मजबूत हुआ। सप्ताह की शुरुआत

हरियाणा में 4000 करोड़ का निवेश, स्वीडन यात्रा ने खोले नए द्वार

सीएम सैनी की पहल से व्यापार, रोजगार के अवसर सृजित

चंडीगढ़ ।

हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी की हालिया स्वीडन यात्रा राज्य के लिए 4,000 करोड़ रुपये के महत्वपूर्ण निवेश प्रस्ताव लेकर आई है। हाल ही में जारी एक आधिकारिक बयान के अनुसार, स्वीडिश कंपनियों के साथ आशय पत्रों (एलओआई) पर हस्ताक्षर किए गए, जो हरियाणा और स्वीडन के बीच व्यापार, निवेश और युवाओं के लिए रोजगार के नए अवसरों को बढ़ावा देंगे। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में एक उच्चस्तरीय प्रतिनिधिमंडल बुधवार को चार दिवसीय यात्रा पर स्वीडन पहुंचा था। इस यात्रा का मुख्य उद्देश्य हरियाणा में विदेशी निवेश आकर्षित करना, वैश्विक औद्योगिक साझेदारियों को मजबूत करना और प्रौद्योगिकी तथा टिकाऊ विकास में सहयोग को बढ़ावा देना था। मुख्यमंत्री सैनी ने कहा कि यह यात्रा वैश्विक निवेश मानचित्र पर हरियाणा की स्थिति को और मजबूत करने की दिशा में एक अहम कदम है। यात्रा के दौरान गुरुग्राम और स्टॉकहोम के बीच एक ऐतिहासिक शहर-से-शहर सहयोग समझौता भी हुआ। इस समझौते के तहत दोनों शहर तकनीकी नवोन्मेष, स्मार्ट सिटी समाधान, टिकाऊ शहरी विकास, ज्ञान के आदान-प्रदान और निवेश प्रोत्साहन पर मिलकर काम करेंगे, जिससे दीर्घकालिक साझेदारी को बल मिलेगा। इसके अतिरिक्त, बयान में यह भी कहा गया कि खुदरा और भंडारण क्षेत्रों में 1,000 करोड़ रुपये के आशय पत्रों पर भी सहमति बनी है, जो राज्य में इन क्षेत्रों के विकास को गति प्रदान करेंगा। यह पहल हरियाणा को वैश्विक मंच पर एक आकर्षक निवेश गंतव्य के रूप में स्थापित करती है।

कच्चे तेल में फिर भारी उछाल, ब्रेंट क्रूड 110 डॉलर के पार

हूती हमले और रूस-यूक्रेन युद्ध से वैश्विक आपूर्ति प्रभावित होने की आशंका

नई दिल्ली ।

अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में एक बार फिर तेज उछाल दर्ज किया गया है। मई के बाद पहली बार ब्रेंट क्रूड का भाव 110 डॉलर प्रति बैरल के स्तर को पार कर गया, जबकि अमेरिकी क्रूड में भी लगभग 4

व्यापार

शेयर बाजार शुरुआती गिरावट के बाद जोरदार तेजी से हुआ बंद

वैश्विक चिंताओं और महंगाई ने बढ़ाई निवेशकों की बेचैनी

22,721 पर बंद हुआ। रुपया भी डॉलर के मुकाबले मजबूत हुआ। बुधवार को एक बार फिर उतार-चढ़ाव का दौर देखा गया और सेंसेक्स 251 अंक गिरकर 72,781 पर बंद हुआ, जबकि निफ्टी 22,688 पर रहा। इस दिन कच्चे तेल की बढ़ती कीमतें और विदेशी निवेश की लगातार निकासी ने बाजार पर दबाव बनाए रखा। सप्ताह के अंतिम दो दिनों में भारतीय शेयर बाजार ने ज़बरदस्त तेजी दर्ज की। गुरुवार को बैंक, आईटी और रिलायंस इंडस्ट्रीज जैसे प्रमुख

लेंसकार्ट की चमक बरकरार, शेयर 43 फीसदी चढ़ा,निवेशकों ने की बंपर खरीदारी

म्युचुअल फंडों और विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों ने सॉफ्टबैंक के सभी शेयर हाथों-हाथ खरीदे

नई दिल्ली ।

जापानी निवेश फर्म सॉफ्टबैंक द्वारा अपनी हिस्सेदारी कम करने के बावजूद, आईवियर रिटेलर लेंसकार्ट सॉल्यूशंस पर निवेशकों का भरोसा अटूट बना हुआ है। मई 2026 में लॉक-इन अवधि समाप्त होने के बाद सॉफ्टबैंक और अन्य विदेशी प्राइवेट इक्विटी निवेशकों द्वारा बेचे गए सभी शेयरों को म्युचुअल फंडों और विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों ने हाथों-हाथ खरीद लिया है, जो कंपनी के मजबूत वित्तीय प्रदर्शन और भविष्य की विकास संभावनाओं में गहरे विश्वास को दर्शाता है। आईवियर रिटेलर लेंसकार्ट ने एक बार फिर निवेशकों का दिल जीत लिया है, जब जापानी निवेश फर्म सॉफ्टबैंक और अन्य विदेशी प्राइवेट इक्विटी निवेशकों ने अपनी

विदेशी मुद्रा भंडार में रिकॉर्ड गिरावट

- रुपए को बचाने के लिए आरबीआई की कवायद जारी

नई दिल्ली ।

भारत के विदेशी मुद्रा भंडार में लगातार पांचवें हफ्ते बड़ी गिरावट दर्ज की गई है। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के ताजा आंकड़ों के अनुसार, 9 अक्टूबर को समाप्त सप्ताह में देश का विदेशी मुद्रा भंडार 8.6 अरब डॉलर घटकर 726 अरब डॉलर रह गया। यह गिरावट मुख्य रूप से रुपये को डॉलर के मुकाबले अत्यधिक गिरने से बचाने के लिए आरबीआई द्वारा बाजार में लगातार डॉलर बेचने के कारण हुई है। गौरतलब है कि 4 सितंबर को 785.71 अरब डॉलर के रिकॉर्ड स्तर पर पहुंचने के बाद से पिछले पांच हफ्तों में विदेशी मुद्रा भंडार में करीब 59.7 अरब डॉलर की भारी कमी आई है। विदेशी मुद्रा भंडार में इस बड़ी गिरावट की सबसे बड़ी वजह रुपये पर बना दबाव है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतें लगातार ऊंची बनी हुई हैं, साथ ही विदेशी निवेशकों की बिकवाली और डॉलर की बढ़ती वैश्विक मांग के कारण रुपये पर लगातार दबाव बढ़ रहा है। आईडीएफसी फर्स्ट बैंक की एक अर्थशास्त्री ने बताया कि आरबीआई ने इस सप्ताह के दौरान लगभग 9.8 अरब डॉलर बेचे, हालांकि विदेशी मुद्रा के मूल्य में बदलाव से कुछ हद तक कुल गिरावट कम रही। विदेशी मुद्रा भंडार के विभिन्न घटकों पर नजर डालें तो, विदेशी मुद्रा परिसंपत्तियां 7.14 अरब डॉलर घटकर 597.61 अरब डॉलर रह गईं, जो कुल भंडार का सबसे बड़ा हिस्सा है। इसके अलावा, सोने का भंडार भी 1.32 अरब डॉलर घटकर 105.09 अरब डॉलर पर आ गया।

लेंसकार्ट की चमक बरकरार, शेयर 43 फीसदी चढ़ा,निवेशकों ने की बंपर खरीदारी

म्युचुअल फंडों और विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों ने सॉफ्टबैंक के सभी शेयर हाथों-हाथ खरीदे

निवेशकों के इस मजबूत भरोसे का असर शेयर बाजार में भी देखने को मिला है। शुक्रवार को लेंसकार्ट का शेयर 0.59 फीसदी की बढ़त के साथ 646.5 रुपये पर बंद हुआ। पिछले एक साल में कंपनी के शेयर में 43.4 फीसदी की शानदार तेजी आई है, जबकि इसी अवधि में निफ्टी 50 में 11.7 फीसदी की गिरावट दर्ज की गई है।

विश्लेषकों का मानना ​​है कि लेंसकार्ट के शेयर की यह तेजी केवल बाजार के अत्यधिक उत्साह का परिणाम नहीं है, बल्कि यह कंपनी की कमाई में ठोस वृद्धि और भविष्य की दशाता को संभावनाओं को दर्शाती है। रिपोर्ट बताती है कि दिसंबर 2025 के बाद से शेयर का दो साल आगे का पीई मल्टीपल केवल 8 फीसदी बढ़ा है, जबकि

बजाज हाउसिंग फाइनेंस का मुनाफा दूसरी तिमाही में 18 प्रतिशत बढ़ा

नई दिल्ली ।

बजाज हाउसिंग फाइनेंस का मुनाफा चालू वित्त वर्ष की सितंबर तिमाही में 18 प्रतिशत बढ़कर 757 करोड़ रुपये रहा। पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में कंपनी का मुनाफा 643 करोड़ रुपये था। कंपनी ने शेयर बाजार को दी सूचना में बताया कि वित्त वर्ष 2026-27 की दूसरी तिमाही (जुलाई-सितंबर) में उसकी कुल आय 18.3 प्रतिशत बढ़कर 3,251 करोड़ रुपये हो गई, जो पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में 2,748 करोड़ रुपये थी।बजाज हाउसिंग फाइनेंस की शुद्ध ब्याज आय सितंबर तिमाही में 10 प्रतिशत बढ़कर 1,055 करोड़ रुपये हो गई, जो वित्त वर्ष 2025-26 की दूसरी तिमाही में 956 करोड़ रुपये थी। कंपनी की प्रबंधन अधीन परिसंपत्ति (एयूएम) 30 सितंबर, 2026 तक 25 प्रतिशत बढ़कर 1.58 लाख करोड़ रुपये हो गई। पिछले साल इसी तारीख को यह 1.27 लाख करोड़ रुपये थी।

महंगाई ने फीकी की त्योहारों की मिठास, मिठाइयां 15 फीसदी तक महंगी

चीनी, दूध, मेवे और रसोई गैस महंगी; ग्राहक और दुकानदार दोनों परेशान

नई दिल्ली ।

इस त्योहारी मौसम में मिठाइयों की मिठास पर महंगाई का साया गहरा गया है। चीनी, दूध, मेवे और रसोई गैस सहित प्रमुख सामग्रियों की कीमतों में अप्रत्याशित वृद्धि के कारण देश भर में मिठाइयों के दाम पिछले साल के मुकाबले औसतन 10 से 15 प्रतिशत तक बढ़ गए हैं, जिससे ग्राहकों की जेब पर अतिरिक्त बोझ पड़ रहा है। त्योहारों का उत्साह जहां एक ओर बाजारों में रौनक ला रहा है, वहीं दूसरी ओर मिठाइयों की बढ़ती कीमतें उपभोक्ताओं की चिंता बढ़ा रही है। चीनी, दूध, मेवे और वाणिज्यिक एलपीजी सिलिंडर जैसे प्रमुख घटकों की लागत में अप्रत्याशित उछाल के कारण देश भर में मिठाइयों की कीमतें 10 से 15 प्रतिशत तक बढ़ गई हैं। उत्तर भारत की मावे वाली बर्फी से लेकर दक्षिण के लड्डू और कोलकाता के संदेश तक, हर लोकप्रिय मिठाई महंगी हुई है। मिठाई बनाने में सबसे अहम

सुप्रीम कोर्ट के आवश्यक न्यायिक फैसलों के उजाले



ललित गर्ग

आज देश को ऐसी न्यायिक सक्रियता की आवश्यकता है, जो अन्याय के सामने निर्भीक हो, लेकिन अपने अधिकार क्षेत्र के प्रति सजग भी रहे, जो नागरिकों के अधिकारों की रक्षा करे, लेकिन राजनीतिक आग्रहों से अप्रभावित रहे, जो संवैधानिक संस्थाओं की गरिमा बनाए रखे, लेकिन उनकी जवाबदेही को भी सुनिश्चित करे।

संपादकीय

सुखना अब ‘रामसर’

यह सुखद ही है कि अब अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर चंडीगढ़ की सुखना झील के महत्व को स्वीकारा गया है। अंतर्राष्ट्रीय मानकों के अनुसार सुखना वेटलैंड को ह्यारामसर साइटह्म का दर्जा मिलना चंडीगढ़ के लिये गर्व की बात है। लेकिन यह सम्मान मिलना हमारी जवाबदेही को भी बढ़ाना वाला भी है। साथ ही मानकीकरण, एक ऐसे पारिस्थितिकीय तंत्र को संरक्षित करने की तत्काल आवश्यकता पर बल देता है- जो इसके तल पर गाद जमा होने,जल भंडारण क्षमता घटने तथा बढ़ते पर्यावरणीय दबावों के कारण हमारे सामने चुनौती पैदा कर रहा है। वहीं दूसरी ओर अंतर्राष्ट्रीय पहचान पाने वाला शहर का यह पहला वेटलैंड यानी आद्रभूमि, केवल सरकारी उपलब्धि का प्रतीक मात्र बनकर नहीं रह जाना चाहिए। अब जरूरत इसकी मूल समस्याओं को दूर करने की होगी। उल्लेखनीय है कि यह ह्यारामसरह्म नाम ईरान के एक शहर के नाम से आया है, जहां इसे वर्ष 1971 में आद्रभूमि पर एक अंतर्राष्ट्रीय कन्वेंशन में अपनाया गया था। निस्संदेह, सुखना केवल मनोरंजन का एक स्थान मात्र नहीं है। इसका पारिस्थितिकीय स्वास्थ्य शिवालिक जलग्रहण क्षेत्र, आसपास के जंगलों और प्राकृतिक जल निकासी मार्गों पर निर्भर करता है। इस व्यापक पारिस्थितिकी तंत्र को बचाए बिना केवल झील का संरक्षण करना एक अदूरदर्शी कदम होगा। यहां यह भी ध्यान रखना जरूरी है कि सिर्फ अंतर्राष्ट्रीय मान्यता मिल जाने से ही पारिस्थितिकीय अस्तित्व की गारंटी नहीं मिल जाती है। विगत में देश के अन्य भागों के अनुभव हमें एक चेतावनी देने का काम करते हैं। पूर्वी कोलकाता के वेटलैंड्स बढ़ती जनसंख्या के चलते अतिक्रमण और तेजी से विस्तार लेते शहरीकरण की समस्या का सामना कर रहे हैं। वहीं दूसरी ओर कश्मीर की वुलर झील का जल क्षेत्र सिमट रहा है। उसकी स्थिति समय के साथ खराब हुई है। कम्पोवेश ऐसी ही समस्या ओडिशा की चिल्का झील की भी है, जो गाद जमा होने की चुनौती से जूझ रही है। ऐसे में चंडीगढ़ प्रशासन को आने वाले समय में सामने आने वाली चुनौतियों का सामना करने के लिये दूरगामी नीतियों का अनुपालन करना होगा। अब शासन-प्रशासन को ध्यान देना चाहिए कि सुखना झील की जल भंडारण क्षमता, इसके तल में गाद जमने से लगातार कम हो रही है। वहीं दूसरी ओर जल स्तर में उतार-चढ़ाव और प्रदूषण का बढ़ना बताता है कि यहां निरंतर उपचारात्मक प्रयासों की जरूरत है। हम कभी-कभार गाद निकालने की कवायद करके समस्या का समाधान नहीं कर सकते। वास्तव में मिट्टी का संरक्षण, जल निकासी, चैनलों की सुरक्षा, वैज्ञानिक जल प्रबंधन और प्रदूषण पर प्रभावी नियंत्रण के लिये एकीकृत रणनीति बनाने की जरूरत होगी। वहीं रामसर का दर्जा मिलने का यह मतलब कदापि नहीं है कि यहां निर्माण कार्य नहीं हो सकते, या इससे फंडिंग की गारंटी मिलती है। हमें यह भी नहीं मान लेना चाहिए कि यह दर्जा मिलने से पारिस्थितिक नुकसान को रोका जा सकता है। निस्संदेह, प्रशासन की सुरक्षा उपायों को लागू करने के लिये गंभीर प्रयास करने होंगे। इसके साथ ही जैव विविधता और पानी की गुणवत्ता की निगरानी के लिये पहल करनी चाहिए। इसके अलावा संरक्षण योजनाओं को पूरी पारदर्शिता के साथ लागू करना चाहिए। ध्यान रहे कि सुखना झील का जलग्रहण क्षेत्र चंडीगढ़ के बाहरी इलाके तक फैला हुआ है। इसलिए पंजाब और हरियाणा के साथ समन्वय भी उतना ही जरूरी है। इसमें दो राय नहीं कि कोई भी आद्रभूमि, पारिस्थितिकीय तंत्र के लिये हमारी अत्यंत महत्वपूर्ण धरोहर होती है। इसके संरक्षण का असली मानक यह होगा कि झील को परिदृश्य अधिक स्वस्थ हो, उसकी जल भंडारण क्षमता बहाल की जाए और साथ ही वन्यजीवों के फलने-फूलने के लिये अनुकूल वातावरण बन सके। विश्वास किया जाना चाहिए कि सुखना के संरक्षण से अब हर साल आने वाले प्रवासी पक्षियों की संख्या में वृद्धि होगी। साथ ही ईको टूरिज्म को भी बढ़ावा मिल सकेगा। उम्मीद की जानी चाहिए कि सुखना झील के अंतर्राष्ट्रीय मानचित्र में उभरने से दुनियाभर के पर्यावरण और पक्षियों के प्रेमियों की आवाक बढ़ सकती है। निस्संदेह, इससे चंडीगढ़ शहर की पहचान बढ़ेगी और ईको-टूरिज्म बढ़ने से रोजगार के अवसर भी बढ़ेंगे।

सूक्ति

मैंने यही सीखा है कि चाहे जो कुछ भी हो, या आज वक्त चाहे कितना भी बुरा लगता है, लेकिन जीवन हमसा आगे बढ़ता है, और यह कल बेहतर होगा। – माया एंजेलो

जो चीज विकार को मिटा सके। राग-द्वेष को कम कर सके। जिस चीज के उपयोग से मन सुली पर चढ़ते समय भी सत्य पर डटा रहे वहीं धर्म की शिक्षा है। – महात्मा गांधी

लोकतंत्र की मजबूती का वास्तविक प्रमाण केवल चुनावों का नियमित आयोजन, संसद में बहुमत अथवा राजनीतिक दलों की लोकप्रियता नहीं है, बल्कि यह है कि संविधान के सामने सत्ता, विपक्ष और सामान्य नागरिक की स्थिति समान हो। जब सामाजिक न्याय, आरक्षण, धार्मिक स्वतंत्रता और चुनावी निष्पक्षता जैसे प्रश्न एक साथ राष्ट्रीय विमर्श के केंद्र में आते हैं, तब सर्वोच्च न्यायालय की भूमिका और भी महत्वपूर्ण हो जाती है। न्यायपालिका वह संवैधानिक संस्था है, जिससे नागरिक यह अपेक्षा करता है कि वह राजनीतिक आग्रहों, सामाजिक दबावों और सत्ता के प्रभाव से मुक्त रहकर न्याय का मार्ग प्रशस्त करेगी। आज आरक्षण को पात्रता और धर्मांतरण से जुड़े विवादों से लेकर निर्वाचन प्रक्रिया तथा न्यायालय की गरिमा तक, अनेक प्रश्न इसी अपेक्षा की कसौटी बनकर सामने हैं। इन प्रश्नों पर विचार करते समय आवश्यक है कि हम न किसी राजनीतिक पक्ष के प्रचारक बनें, न किसी धार्मिक समुदाय के प्रति पूर्वाग्रह रखें, बल्कि संविधान की भावना और न्याय के व्यापक उद्देश्य को केंद्र में रखें। अनुसूचित जातियों के लिए आरक्षण भारतीय संविधान की उन ऐतिहासिक व्यवस्थाओं में है, जिनका उद्देश्य सदियों से चले आ रहे सामाजिक बहिष्कार, अस्पृश्यता और भेदभाव के ग्थुरािणामों को दूर करना है। यह केवल रोजगार अथवा शिक्षा में कुछ अतिरिक्त अवसर उपलब्ध कराने की व्यवस्था नहीं, बल्कि उस सामाजिक अन्याय के विरुद्ध संवैधानिक हस्तक्षेप है, जिसने बड़ी आबादी को लंबे समय तक समान अवसरों से वंचित रखा। इसलिए आरक्षण और धर्मांतरण के संबंध में होने वाली बहस को भावनाओं, धार्मिक आग्रहों अथवा राजनीतिक आरोपों के बजाय संवैधानिक प्रावधानों और सामाजिक वास्तविकताओं के आधार पर समझना चाहिए।

सुप्रीम कोर्ट द्वारा यह स्पष्ट किया जाना एक स्वागत योग्य कदम है कि अनुसूचित जाति (एससी) और अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) के व्यक्तियों द्वारा धर्मांतरण करने पर उन्हें आरक्षण का लाभ नहीं मिलेगा। तमिलनाडु सरकार द्वारा इसे उच्च न्यायालय में चुनौती देना और अपने राज्य में इस प्रकार की सुविधा जारी रखना कि इस्लाम या ईसाई धर्म अपनाने के बाद भी आरक्षण का लाभ मिलता रहे, वास्तव में सनातन संस्कृति के आरक्षित वर्गों के हितों को कमजोर करने वाला और धर्मांतरण को परोक्ष रूप से बढ़ावा देने वाला कदम था। यह विडंबना ही है कि एक तरफ कुछ संगठन यह दावा करते हैं कि उनके यहां जातिगत भेदभाव का अस्तित्व नहीं है, वहीं दूसरी ओर वे एससी और ओबीसी वर्ग के लोगों को अपने पंथ में आने के बाद भी आरक्षण का लाभ मिलने की पुर्जोर वकालत करते हैं। इस



प्रकार के दोहरे लाभ और प्रलोभनों के कारण न केवल धर्मांतरण की प्रवृत्ति को बल मिलता है, बल्कि हिंदू समाज को इसका भारी नुकसान उठाना पड़ता है, क्योंकि धर्मांतरित लोग आरक्षण के साथ-साथ अल्पसंख्यक दर्जे के लाभों का भी अनुचित दोहन करने लगते हैं। हालांकि विभिन्न राज्य सरकारें छल-कपट से होने वाले धर्मांतरण के विरुद्ध कड़े कानून बना रही हैं, फिर भी यह समस्या थमने का नाम नहीं ले रही है, जिसका प्रमुख कारण धार्मिक स्वतंत्रता के नाम पर हो रहा इसका दुरुपयोग है। अब समय आ गया है कि इस गंभीर विषय पर केंद्र सरकार और सर्वोच्च न्यायालय मिलकर ठोस और प्रभावी कदम उठाएं ताकि इस दुरुपयोग को रोका जा सके।

इसी व्यापक संवैधानिक परिप्रेक्ष्य में सर्वोच्च न्यायालय का चुनावी प्रक्रिया से जुड़े विवादों पर हस्तक्षेप भी उल्लेखनीय है। 12 अक्टूबर 2026 को राहुल गांधी सहित विपक्षी गठबंधन हार्डिडियाह्म के नेताओं ने मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) को लेकर सर्वोच्च न्यायालय की ओर मार्च किया, इस पर सुप्रीम कोर्ट का सख्त रवैया भी सराहनीय है। भले ही विपक्ष ने मतदाता सूची में कथित अनियमितताओं, मतदाताओं के नाम हटाए जाने और निर्वाचन प्रक्रिया की पारदर्शिता पर सवाल उठाए, इन आरोपों की सत्यता का निर्धारण न्यायिक परीक्षण और संबधित अभिलेखों के आधार पर होना चाहिए, लोकतंत्र में चुनाव केवल सरकार चुनने का माध्यम नहीं, बल्कि प्रत्येक पात्र नागरिक को अपनी राजनीतिक इच्छा व्यक्त करने का

संवैधानिक अवसर है। इसलिए मतदाता सूची की शुद्धता और विश्वसनीयता किसी एक दल का नहीं, पूरे लोकतंत्र का प्रश्न है, लेकिन सुप्रीम कोर्ट दल मार्च करना एक गलत परम्परा का सूत्रपात है।

15 अक्टूबर को सर्वोच्च न्यायालय ने विपक्षी नेताओं की याचिका पर निर्वाचन आयोग, मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार तथा निर्वाचन आयुक्त सुखबीर सिंह संधू और विवेक जोशी से जवाब माँगा। इससे स्पष्ट होता है कि निर्वाचन आयोग जैसी महत्त्वपूर्ण संवैधानिक संस्था के निर्णय भी न्यायिक समीक्षा के दायरे में आ सकते हैं। आयोग की स्वतंत्रता का अर्थ यह नहीं कि उसके प्रत्येक निर्णय को प्रश्नों से परे मान लिया जाए। इसी प्रकार, किसी निर्णय से असहमति अपने आप में यह प्रमाणित नहीं करती कि आयोग ने अनुचित कार्य किया है। न्यायिक समीक्षा का उद्देश्य आरोपों और तथ्यों के बीच अंतर स्पष्ट करना, निर्णय प्रक्रिया की वैधानिकता जाँचना तथा नागरिकों के अधिकारों की रक्षा करना है। इसी घटनाक्रम में सर्वोच्च न्यायालय ने 12 अक्टूबर के मार्च को लेकर राहुल गांधी, अखिलेश यादव और अन्य संबंधित नेताओं से भी जवाब माँगा। न्यायालय की चिंता यह थी कि राजनीतिक प्रदर्शन के माध्यम से न्यायपालिका पर दबाव बनाने की स्थिति उत्पन्न नहीं होनी चाहिए। इस प्रसंग का मूल्यांकन करते समय यह समझना आवश्यक है कि शांतिपूर्ण विरोध, राजनीतिक असहमति और न्यायालय की गरिमा-तीनों लोकतंत्र के महत्त्वपूर्ण पक्ष हैं। विपक्ष को सरकार और निर्वाचन आयोग

जंगल के कानून से सबक सीखने की जरूरत

करने या समुचे जंगल पर साम्राज्य स्थापित करने की प्रवति उनमें नहीं होती है। जंगल में पानी के एक ही स्रोत से अलग-अलग प्रजातियों के जीव अपनी प्यास बुझाने वहां पहुंचते हैं। हालांकि वहां भी खतरे, प्रतिस्पर्धा और हिंसा से पूरी तरह मुक्ति नहीं होती, फिर भी प्रकृति के नियम सभी जीवों के अस्तित्व को एक-दूसरे से जोड़ते हैं। समूह में रहने वाले सभी जीव अपनी संतानों और साथियों की रक्षा करते हैं। वे अपने जीवन और भोजन के लिए संघर्ष करते हैं। मनुष्य की तरह विचारधारा, भौतिक सुख सुविधाओं, सत्ता के विस्तार और आखेट के नाम पर विनाश नहीं करते हैं।

इसके विपरीत, आज दुनिया का बड़ा हिस्सा सत्ता के अहंकार, आर्थिक असमानता और वर्चस्व की लड़ाई में उलझा हुआ है। रूस-यूक्रेन युद्ध हो या इजरायल-फिलिस्तीन संघर्ष, अमेरिका और ईरान के बीच तनाव हो या दुनिया के अन्य क्षेत्रों में जारी हिंसा हो, इसकी कीमत आम नागरिकों, बच्चों, महिलाओं और निर्दोष लोगों को चुकानी पड़ रही है। सत्ता में बने रहने की लालसा और शक्ति प्रदर्शन की राजनीति ने मानव जीवन को आंकड़ों और पुंजी के रूप में बदल दिया है। प्रश्न यह है कि जिस सत्ता का उद्देश्य जनता की सुख्हा और कल्याण होना चाहिए, वही यदि लोगों की मृत्यु और विनाश का कारण बनने लगे, तो उसकी नैतिकता और उसके अस्तित्व पर सवाल क्यों नहीं उठना चाहिए? पिछले कुछ दशकों में पूंजीवादी व्यवस्था का विस्तार, संसाधनों पर नियंत्रण की प्रतिस्पर्धा और धन के असमान वितरण ने सामाजिक विषमता की समस्या को और गंभीर बना दिया है। इसका अर्थ यह नहीं कि हर पूंजीवादी गतिविधि विनाशकारी है,

बल्कि चिंता उस व्यवस्था से है, जिसमें मुनाफा मानवता से ऊपर हो जाए, संपत्ति कुछ हाथों में सिमटती चली जाए। गरीब की कठिनाइयां लगातार बढ़ती रहें। उसे 2 वक्त का भोजन, कपड़ा और रहने के लिये घर ना मिले। लोकतंत्र में सत्ता जनसेवा का माध्यम होना चाहिए, जब कुर्सी ही शासक का सर्वोच्च लक्ष्य बन जाए, तब संस्थाएं कमजोर होती हैं, सामाजिक विश्वास टूटता है, सामाजिक व्यवस्था कमजोर होती है। नागरिक अपने ही तंत्र के सामने असहाय हो जाते है। तभी जीवन को बचाने क्रांति का शंखवाद होता है।

इसका प्रभाव केवल राजनीति और अर्थव्यवस्था तक सीमित नहीं रहता है। जंगलों की कटाई, नदियों का प्रदूषण, वायु की गिरती गुणवत्ता, जलवायु परिवर्तन और प्राकृतिक संसाधनों का अंधाधुंध दोहन हमारे विकास मॉडल पर गंभीर प्रश्न खड़े कर रहे हैं। मनुष्य ने विज्ञान की सहायता से अंतरिक्ष तक अपनी पहुंच बनाई है, लेकिन अपनी पृथ्वी को सुरक्षित नहीं रख पा रहे है। प्राकृतिक आपदायें बढ़ती जा रही हैं। प्रकृति से अधिक शक्तिवान बनने की हमारी महत्वाकांक्षा कहीं हमें अपने ही अस्तित्व के विरुद्ध खड़ा तो नहीं कर रही? हमें यह भी समझना होगा कि जंगल का जीवन पूरी तरह अहिंसक या भयमुक्त नहीं है। वहां भी शिकार, संघर्ष, जीवन और मृत्यु है। जंगल के सभी जीव हमें एक महत्वपूर्ण सीख देते हैं। जीवन का संतुलन किसी एक जीव के असीमित वर्चस्व से नहीं, बल्कि अनेक जीवों के सहअस्तित्व से बनता है। सभी जीव एक-दूसरे के सहयोगी और एक मनुष्य के पास विवेक, कानून, विज्ञान और नैतिकता जैसे साधन हैं। इसलिए मानव जीवन को कर्मफल से जोड़ा

जाता है। अपेक्षा भी अधिक है। मानवों की हिंसा को प्रकृति का नियम बताकर उचित ठहराने का कोई अधिकार नहीं है। आज विश्व के नेताओं, अंतर्राष्ट्रीय संगठनों और सभी देशों की सरकारों को वर्तमान स्थिति पर आत्मतथन करना चाहिए। सीमाएं राजनीतिक हो सकती हैं, लेकिन हवा, पानी, जलवायु और प्रकृति की संरचना किसी एक देश की सीमाओं में कैद नहीं हैं। एक देश का प्रदूषण, युद्ध या पर्यावरणीय विनाश दूसरे देशों को भी प्रभावित करता है। ब्रह्मांड की विशालता और प्रकृति की परस्पर संबद्धता पृथ्वी की सीमा किसी एक राष्ट्र, धर्म, विचारधारा या पीढ़ी की संपत्ति नहीं है। मानव समाज को अब यह तय करना होगा, वह अपनी बुद्धि का उपयोग जीवन बचाने के लिए करेगा या विनाश के नए साधन बनाने के लिए करेगा। सत्ता स्थायी नहीं है, धन स्थायी नहीं है। प्रकृति का जीवन अधिक मूल्यवान है। मानव जीवन में अपनी सीमाएं, सह अस्तित्व सभी जीवों के अधिकारों का सम्मान करना होगा। ऐसा नहीं किया तो मानव जीवन भी सुरक्षित नहीं रहेगा। सवाल यह नहीं है, कौन शासक सबसे शक्तिशाली है, मनुष्य अपनी शक्ति का उपयोग किसलिए कर रहा है। और मानव जीवन जिस दिन बुद्धिमान कहलाने वाला मनुष्य दूसरों को जीने का अधिकार देना सख्त जाएगा, उसी दिन उसकी बुद्धिमत्ता सार्थक होगी। जंगल की लाखों प्रजातियों के सहअस्तित्व से मानव समाज को सुरक्षित रखने का गुण हमें सीखना होगा। भौतिक सुविधाओं, अहंकार, अधिक से अधिक जीवन और सम्पत्ति पर कब्जा करने की जो प्रवृत्ति देखने को मिल रही है, वह सम्पूर्ण प्रकृति को नष्ट करने वाली है। उसमें कोई सुरक्षित नहीं रहेगा।

न्यायपालिका को डराने की कोशिशें बेअसर लोकतंत्र में कानून से ऊपर कोई नहीं

मामला न्यायालय तक पहुंचा है। ऐसे माहौल में सर्वोच्च न्यायालय की टिप्पणी का महत्व इसलिए बढ़ जाता है, क्योंकि लोकतांत्रिक व्यवस्था में राजनीतिक असहमति और न्यायिक प्रक्रिया दोनों का अपना अलग स्थान है। लोकतंत्र में विरोध करना राजनीतिक दलों और नागरिकों का अधिकार है, लेकिन विरोध की अभिव्यक्ति ऐसी होनी चाहिए, जो संवैधानिक संस्थाओं की गरिमा और कानून की सीमाओं का सम्मान करे। किसी निर्णय से असहमति होने पर संबंधित संस्था के सामने तथ्य रखना, कानूनी उपाय अपनाना और न्यायालय में याचिका दायर करना लोकतांत्रिक व्यवस्था का स्वाभाविक हिस्सा है। इसके विपरीत किसी संस्था पर दबाव बनाने अथवा उसकी कार्यप्रणाली को प्रभावित करने का प्रयास स्वस्थ लोकतांत्रिक परंपराओं के अनुकूल नहीं माना जा सकता। न्यायपालिका की स्वतंत्रता केवल न्यायाधीशों का विषय नहीं है, बल्कि यह प्रत्येक नागरिक के अधिकारों की रक्षा से जुड़ी हुई है। विपक्षी नेताओं ने विशेष गहन पुनरीक्षण से जुड़े चुनाव आयोग के फैसलों को चुनौती देते हुए सर्वोच्च न्यायालय में याचिका दायर की है। इसमें प्रक्रिया से संबंधित दस्तावेज उपलब्ध कराने, मतदाता सूची से नाम हटाने के नियमों का पालन सुनिश्चित करने, हटाए गए नामों का विवरण सार्वजनिक करने और मतदाता संबंधी आंकड़ों की स्वतंत्र जांच कराने जैसी मांगें उठाई गई हैं। याचिकाकर्ताओं ने सुनवाई पूरी होने तक इस प्रक्रिया पर अतिरिक्त रोक लगाकर का अनुरोध भी किया है। न्यायालय ने मामलों में केंद्र सरकार और चुनाव आयोग से जवाब मांगा है। इससे स्पष्ट है कि विवाद का समाधान अब संवैधानिक और न्यायिक प्रक्रिया के माध्यम से तलाश जाएगा।

यहां एक महत्वपूर्ण बात समझने की आवश्यकता है कि न्यायालय में याचिका दायर करना किसी पक्ष के आरोपों को स्वतः सही सिद्ध नहीं करता। इसी तरह किसी प्रक्रिया पर सवाल उठाने का मतलब यह नहीं होता है कि उसके बाहर क्या कहा जा रहा है और अवलत के भीतर क्या हो रहा है। न्यायपालिका किसी काल्पनिक दुनिया में नहीं रहती, बल्कि परिस्थितियों और घटनाक्रम से भलीभांति परिचित रहती है।

मुख्य न्यायाधीश की टिप्पणी ऐसे समय आई है, जब मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण को लेकर सत्तापक्ष और विपक्ष के बीच राजनीतिक टकराव बढ़ा हुआ है। विपक्षी दलों ने चुनाव आयोग की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाते हुए इस प्रक्रिया को चुनौती दी है। इस मुद्दे पर राजनीतिक विरोध, ज्ञापन और मार्च के बाद

से प्रश्न पूछने का अधिकार है, लेकिन न्यायिक संस्थाओं की स्वतंत्रता का सम्मान करना भी उसकी संवैधानिक जिम्मेदारी है। दूसरी ओर, न्यायालय की गरिमा की रक्षा के नाम पर वैध आलोचना और शांतिपूर्ण असहमति के अधिकार को सीमित नहीं किया जाना चाहिए। नोटिस जारी होना किसी को दोषी घोषित करना नहीं, बल्कि उसका पक्ष जानने की न्यायिक प्रक्रिया का हिस्सा है।

यही वह बिंदु है जहाँ न्यायिक सक्रियता और न्यायिक संयम के बीच संतुलन का प्रश्न सामने आता है। यदि न्यायपालिका सामाजिक अन्याय, प्रशासनिक मनमानी अथवा संवैधानिक अधिकारों के उल्लंघन पर मौन रहे, तो आम नागरिक का न्याय व्यवस्था से विश्वास कमजोर हो सकता है। लेकिन यदि न्यायपालिका प्रत्येक राजनीतिक विवाद में स्वयं को निर्णायक नीति-निर्माता की भूमिका में रखे, तो शक्तियों के पृथक्करण का सिद्धांत प्रभावित हो सकता है। लोकतंत्र की संस्थाएं एक-दूसरे की प्रतिद्वंद्वी नहीं, बल्कि एक-दूसरे को संवैधानिक मर्यादाओं में रखने वाली व्यवस्थाएं हैं। विधायिका कानून बनाती है, कार्यपालिका उन्हें लागू करती है और न्यायपालिका यह सुनिश्चित करती है कि कानून तथा उनका क्रिया-व्यवन संविधान की सीमाओं के भीतर हो। इन तीनों के बीच स्वस्थ संतुलन ही लोकतांत्रिक स्थिरता की आधारशिला है। सर्वोच्च न्यायालय की प्रतिष्ठा उसके आदेशों की कठोरता से अधिक उसकी निष्पक्षता, स्वतंत्रता और तर्कपूर्ण निर्णयों से निर्मित होती है। आज देश को ऐसी न्यायिक सक्रियता की आवश्यकता है, जो अन्याय के सामने निर्भीक हो, लेकिन अपने अधिकार क्षेत्र के प्रति सजग भी रहे, जो नागरिकों के अधिकारों की रक्षा करे, लेकिन राजनीतिक आग्रहों से अप्रभावित रहे, जो संवैधानिक संस्थाओं की गरिमा बनाए रखे, लेकिन उनकी जवाबदेही को भी सुनिश्चित करे। धर्मांतरण और आरक्षण के प्रश्न पर स्पष्टता, चुनावी विवादों में पारदर्शिता तथा न्यायालय के प्रति सम्मान-ये अलग-अलग विषय विखाई दे सकते हैं, लेकिन इन सभी के केंद्र में एक ही मूल प्रश्न है कि संविधान की सर्वोच्चता व्यवहार में कैसे सुनिश्चित हो। न्याय का अर्थ किसी पक्ष की जीत और दूसरे पक्ष की हार भर नहीं है। न्याय वह विश्वास है, जो नागरिक को यह भरोसा देता है कि उसकी आवाज सुनी जाएगी, उसके अधिकारों का निष्पक्ष परीक्षण होगा और शक्तिशाली व्यक्ति या संस्था भी कानून से ऊपर नहीं होगी। सर्वोच्च न्यायालय की वास्तविक शक्ति तभी सिद्ध होगी, जब उसका प्रत्येक निर्णय राजनीतिक शोर से ऊपर उठकर संवैधानिक विवेक, सामाजिक संवेदनशीलता और विधिक निष्पक्षता का उदाहरण बने।

जाता है। अपेक्षा भी अधिक है। मानवों की हिंसा को प्रकृति का नियम बताकर उचित ठहराने का कोई अधिकार नहीं है। आज विश्व के नेताओं, अंतर्राष्ट्रीय संगठनों और सभी देशों की सरकारों को वर्तमान स्थिति पर आत्मतथन करना चाहिए। सीमाएं राजनीतिक हो सकती हैं, लेकिन हवा, पानी, जलवायु और प्रकृति की संरचना किसी एक देश की सीमाओं में कैद नहीं हैं। एक देश का प्रदूषण, युद्ध या पर्यावरणीय विनाश दूसरे देशों को भी प्रभावित करता है। ब्रह्मांड की विशालता और प्रकृति की परस्पर संबद्धता पृथ्वी की सीमा किसी एक राष्ट्र, धर्म, विचारधारा या पीढ़ी की संपत्ति नहीं है। मानव समाज को अब यह तय करना होगा, वह अपनी बुद्धि का उपयोग जीवन बचाने के लिए करेगा या विनाश के नए साधन बनाने के लिए करेगा। सत्ता स्थायी नहीं है, धन स्थायी नहीं है। प्रकृति का जीवन अधिक मूल्यवान है। मानव जीवन में अपनी सीमाएं, सह अस्तित्व सभी जीवों के अधिकारों का सम्मान करना होगा। ऐसा नहीं किया तो मानव जीवन भी सुरक्षित नहीं रहेगा। सवाल यह नहीं है, कौन शासक सबसे शक्तिशाली है, मनुष्य अपनी शक्ति का उपयोग किसलिए कर रहा है। और मानव जीवन जिस दिन बुद्धिमान कहलाने वाला मनुष्य दूसरों को जीने का अधिकार देना सख्त जाएगा, उसी दिन उसकी बुद्धिमत्ता सार्थक होगी। जंगल की लाखों प्रजातियों के सहअस्तित्व से मानव समाज को सुरक्षित रखने का गुण हमें सीखना होगा। भौतिक सुविधाओं, अहंकार, अधिक से अधिक जीवन और सम्पत्ति पर कब्जा करने की जो प्रवृत्ति देखने को मिल रही है, वह सम्पूर्ण प्रकृति को नष्ट करने वाली है। उसमें कोई सुरक्षित नहीं रहेगा।

राजधानी के व्यस्त व्यापारिक क्षेत्रों में प्रदर्शन होने से यातायात, ग्राहकों की आवाजाही और दुकानों के संचालन पर असर पड़ सकता है। दूसरी ओर, नागरिकों और राजनीतिक संगठनों को अपनी बात रखने का अधिकार भी लोकतांत्रिक व्यवस्था का महत्वपूर्ण हिस्सा है। ऐसे में प्रशासन की जिम्मेदारी है कि वह कानून-व्यवस्था, आम नागरिकों की सुविधा, व्यापारिक गतिविधियों और शांतिपूर्ण विरोध के अधिकार के बीच संतुलन स्थापित करे। प्रदर्शन के लिए निर्धारित स्थान और स्पष्ट नियम होने से विवाद तथा अव्यवस्था की आशंका कम की जा सकती है।

जंतर-मंतर को निर्धारित प्रदर्शन स्थलों की सूची से हटाए जाने के बाद भी इस विषय पर बहस तेज हुई है। प्रदर्शन के लिए रामलीला मैदान, बुराड़ी मैदान और पूर्वी दिल्ली के सीबोडी मैदान जैसे स्थान निर्धारित किए गए हैं। किसी भी स्थान पर प्रदर्शन की अनुमति देने या रोकने का निर्णय कानून, सुरक्षा और प्रशासनिक व्यवस्था के आधार पर होना चाहिए। नियम सभी राजनीतिक दलों और संगठनों पर समान रूप से लागू होने चाहिए, ताकि किसी के साथ पक्षपात का आरोप लगाने की गुंजाइश न रहे।

मुख्य न्यायाधीश सुर्वकांत की टिप्पणी का व्यापक संदेश यही है कि संवैधानिक संस्थाओं को अपना काम स्वतंत्र रूप से करने दिया जाना चाहिए। न्यायालय का दायित्व है कि वह कानून के अनुसार सभी पक्षों को सुने और उपलब्ध तथ्यों के आधार पर निर्णय दे। चुनाव आयोग की जिम्मेदारी निष्पक्ष और पारदर्शी चुनाव प्रक्रिया सुनिश्चित करना है, जबकि राजनीतिक दलों से अपेक्षा की जाती है कि वे अपने आरोपों और आपत्तियों को प्रमाणों के साथ संबंधित मंच पर रखें। लोकतंत्र की मजबूती केवल चुनाव कराने से सुनिश्चित नहीं होती, बल्कि संस्थाओं की स्वतंत्रता, नागरिक अधिकारों की रक्षा और कानून के समान अनुपालन से भी होती है।

आडवाणी से मिलने अपोलो अस्पताल पहुंचे नड्डु, जाना हालचाल

एजेंसी नई दिल्ली। केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री जेपी नड्डु ने शनिवार को यहां अपोलो अस्पताल पहुंचकर भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता एवं पूर्व उप प्रधानमंत्री लालकृष्ण आडवाणी का हालचाल जाना। नड्डु ने चिकित्सकों से भी आडवाणी के स्वास्थ्य की जानकारी ली।आडवाणी का हालत फिलहाल स्थिर है। अपोलो अस्पताल के जनसंपर्क अधिकारी ने स्वास्थ्य मंत्री नड्डु के अस्पताल पहुंचने की पुष्टि की है। उन्होंने बताया कि आडवाणी से मुलाकात के बाद नड्डु ने उनका इलाज कर रहे चिकित्सकों से भी मुलाकात की और उनके स्वास्थ्य की जानकारी ली। आडवाणी को सोने में संक्रमण की शिकायत के बाद दिल्ली के इंद्रप्रस्थ अपोलो अस्पताल में भर्ती कराया गया था। अस्पताल के अनुसार उन्हें आईसीयू में रखा गया है और न्यूरोलॉजी विभाग के वरिष्ठ सलाहकार डॉ. विनीत सूरी की निगरानी में उनका उपचार चल रहा है। अस्पताल की ओर से जारी स्वास्थ्य बुलेटिन में कहा गया है कि आडवाणी की हालत फिलहाल स्थिर है और डॉक्टरों की टीम लगातार उनकी निगरानी कर रही है। उन्हें शुक्रवार शाम करीब साढ़े सात बजे अस्पताल लाया गया था।

प्रधानमंत्री मोदी और केजरीवाल ने भगवंत मान को दी जन्मदिन की बधाई

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और आम आदमी पार्टी (आआप) के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान को उनके 53वें जन्मदिन पर शुभकामनाएं दीं। इस दौरान उन्होंने उनके स्वस्थ और दीर्घायु जीवन की कामना की। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शनिवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर भगवंत मान को जन्मदिन की बधाई दी। उन्होंने लिखा, ‘पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान को जन्मदिन की बधाई। उनके दीर्घायु और स्वस्थ जीवन की कामना करता हूं। ‘ वहीं, आम आदमी पार्टी (आआप) के राष्ट्रीय संयोजक और दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने भी भगवंत मान को जन्मदिन की शुभकामनाएं दीं। उन्होंने पंजाब के मुख्यमंत्री को पंजाब की शान और अपना छोटा भाई बताते हुए उनके सुखी एवं स्वस्थ जीवन की कामना की। केजरीवाल ने अपने संदेश में लिखा, ‘पंजाब की शान और मेरे छोटे भाई भगवंत मान को जन्मदिन की बहुत-बहुत शुभकामनाएं। ईश्वर से प्रार्थना है कि तुम हमेशा मुस्कुराते रहो, सहेतमद रहो और पंजाब की खुशहाली के लिए ऐसे ही काम करते रहो।’

उज्जैन में सिंहस्थ की तैयारियों के बीच महामंडलेश्वर के आश्रम पर चला बुलडोजर, चार मंजिला भवन जमींदोज

उज्जैन। मध्य प्रदेश के उज्जैन में सिंहस्थ-2028 की तैयारियों के बीच अवैध निर्माणों को हटाने का अभियान लगातार जारी है। इसी क्रम में नगर निगम की टीम ने जूना अखाड़े से जुड़े हरियाणा सेवा आश्रम में बने चार मंजिला भवन को ध्वस्त कर दिया। यह आश्रम महामंडलेश्वर ज्योतिगिरी महाराज का है। करीब आठ हजार वर्गफीट क्षेत्र में बने इस होटलनुमा भवन को चार पोकलेन मशीनों और एक जेसीबी की मदद से तोड़ा गया। नगर निगम के अनुसार, भवन का निर्माण लगभग डेढ़ साल से चल रहा था। निर्माण हटाने के लिए आश्रम को दो बार नोटिस जारी किए गए थे, लेकिन कोई जवाब नहीं मिला। इसके बाद निगम ने ध्वस्तीकरण की कार्रवाई की। भवन का नया हिस्सा तोड़ दिया गया, जबकि आश्रम के पुराने हिस्से को सुरक्षित रखा गया। इमारत के दूसरी ओर लगा वॉटर सॉफ्टनर भी हटाया गया।

गृह मंत्री अमित शाह ने अहमदाबाद में जैनाचार्यों से लिया आशीर्वाद

गांधीनगर। केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री तथा गांधीनगर लोकसभा क्षेत्र के सांसद अमित शाह ने अहमदाबाद में जैनाचार्यों के दर्शन कर उनका आशीर्वाद प्राप्त किया। अमित शाह ने अहमदाबाद के सेटेलाइट क्षेत्र स्थित प्रेरणा तीर्थ देरासर में गच्छाधिपति नररत्न सूरिश्वर महाराज साहेब के दर्शन किए और उनका आशीर्वाद लिया। इसके बाद उन्होंने अहमदाबाद के पालड़ी क्षेत्र स्थित विश्वनंदिकर जैन संघ में गच्छाधिपति उदयरत्न सूरिश्वरजी महाराज साहेब के दर्शन कर आशीर्वाद प्राप्त किया। इस अवसर पर अमित शाह ने जैन धर्म के आध्यात्मिक मूल्यों और संत परंपरा के प्रति अपना सम्मान व्यक्त किया। यह जानकारी गांधीनगर लोकसभा भाजपा मीडिया विभाग की ओर से दी गई। उल्लेखनीय है कि केंद्रीय मंत्री अमित शाह गुजरात के दौरे पर हैं। वह गांधीनगर के रूपाल स्थित श्री वरदायिनी माता मंदिर में दर्शन-पूजन करेंगे और भगवान शिव की 81 फुट ऊंची प्रतिमा का शिलान्यास करेंगे।

ईडब्ल्यूएस आरक्षण के पात्रता नियमों में बदलाव पर जल्द रास्ता निकलेगा : शेखावत

एजेंसी नई दिल्ली। मीडिया से बातचीत में केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री ने दिए संकेत जोधपुर। केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत ने आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग (ईडब्ल्यूएस) के आरक्षण के पात्रता नियमों में बदलाव के सकारात्मक संकेत दिए हैं। उन्होंने कहा कि ईडब्ल्यूएस आरक्षण के नियमों में बदलाव को लेकर केंद्र सरकार के स्तर पर विचार-विमर्श चल रहा है। हाल में इस विषय पर बैठक भी हुई है। उन्हें उम्मीद है कि जल्द ही इसका कोई रास्ता निकलेगा। शेखावत शनिवार को जोधपुर सिकेंट हाउस में मीडिया से बातचीत कर रहे थे। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग को

10 प्रतिशत आरक्षण देकर ऐतिहासिक कदम उठाया था। वर्ष 2014-15 में उन्होंने लोकसभा



में भी इस विषय को लेकर कई बार आवाज उठाई थी। हालांकि, आरक्षण के लिए निर्धारित पात्रता के मौजूदा नियमों में कृषि पर निर्भर परिवारों के साथ न्याय नहीं हो पा रहा है। उन्होंने कहा कि ग्रामीण पृष्ठभूमि के ऐसे परिवार, जिनकी आजीविका का एकमात्र

अखिलेश और राहुल पर ओपी राजभर का तंज, कहा- ‘अगर गड़बड़ियां हैं तो उन्हें इस्तीफा दे देना चाहिए’

विकास का लाभ देश के प्रत्येक गांव और प्रत्येक घर तक पहुंचाने में स्वयं सहायता समूह और सरस मेले अग्रणी भूमिका निभा सकते हैं: राष्ट्रपति

एजेंसी लखनऊ। उत्तर प्रदेश सरकार के पंचायती राज मंत्री ओम प्रकाश राजभर ने राहुल गांधी और अखिलेश यादव पर हमला बोला। उन्होंने अभिजीत दिपके को हिरासत में लिए जाने सहित कई मामलों पर प्रतिक्रिया दी। आईएनएस से

बातचीत करते हुए केंद्रीय मंत्री जी. किशन रेड्डी के बयान पर ओम प्रकाश राजभर ने कहा, ‘वे सही कह रहे हैं। जिस तरह अखिलेश यादव दूसरों की कही बातों पर चलते रहते हैं और अपने ही बयानों पर कायम नहीं रहते, राहुल गांधी भी बिल्कुल वैसा ही करते हैं। वे गैर-जिम्मेदाराना तरीके से काम करते हैं और उनके सभी कदम देश के खिलाफ होते हैं।’ राहुल गांधी और अखिलेश यादव पर निशाना साधते हुए ओम प्रकाश राजभर ने कहा, ‘राहुल गांधी और अखिलेश यादव ने हमेशा संवैधानिक संस्थाओं पर सवाल उठाए हैं। वे उसी चुनाव आयोग के तहत सांसद बने, जिसकी वे अब आलोचना कर रहे

हैं। अगर उनका दावा है कि गड़बड़ियां हो रही हैं और वोट चुराए जा रहे हैं, तो उन्हें भी इस्तीफा दे



देना चाहिए क्योंकि वे भी इसी व्यवस्था के तहत चुनाव जीते थे। हालांकि, वे इस्तीफा देने की बात से पीछे हट रहे हैं।’ सीजेपी संस्थापक अभिजीत दिपके को लेकर ओमप्रकाश राजभर ने कहा, ‘अगर

‘बौद्धिक क्षमताओं के विकास से युवा समृद्ध’

प्राथमिक और उच्च माध्यमिक शिक्षा उच्च शिक्षा का महत्वपूर्ण पाया है।

एजेंसी जयपुर। राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ने कहा कि शिक्षा को विवेक, समझदारी और ज्ञान से जोड़ने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि परीक्षा में उत्तीर्ण होने का अर्थ जीवन में सफल होना नहीं है। जीवन की सफलता बौद्धिक क्षमताओं के विकास से होती है। उन्होंने कहा कि कर्तव्य की भावना का विकास हर व्यक्ति में होना चाहिए। उन्होंने कहा कि इस भावना से ही जवाबदेही बढ़ेगी।

राज्यपाल बागडे शनिवार को एक निजी विश्वविद्यालय में ‘इण्डियाज इंटरनेशनल मूवमेंट टू यूनाइटेड नेशन’ के अंतर्गत जेन जैड और जेन अल्फा द्वारा शिक्षा और समाधान विषयक संवाद में संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि प्राथमिक और उच्च माध्यमिक शिक्षा उच्च शिक्षा का महत्वपूर्ण पाया है। इसमें बहुत ध्यान देने की

जरूरत है। बच्चों को प्रतिभाशाली बनाना है तो सामान्य ज्ञान से विद्यार्थी जुड़े। इसी से बच्चे बौद्धिक रूप में विकसित हो सकेंगे। राज्यपाल ने कहा कि युवा

उच्च शिक्षा के बाद प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए अपने आपको तैयार करें। उन्होंने कहा कि महिला पुरुष में अब भेद नहीं रह गया है। महिलाएं अब हर क्षेत्र में आगे आ रही हैं। उन्होंने कहा कि आज लड़कियां लड़कों से शिक्षा में

अधिक अच्छा प्रदर्शन कर रही हैं। उन्होंने कमला भागवत सोहनी का उदाहरण देते हुए कहा कि उन्हें मुंबई विश्वविद्यालय में प्रवेश नहीं दिया गया। पर उसने हिम्मत नहीं

हारी। अपने प्रयासों से वह पहली भारतीय महिला हुईं जिसने भारत में सबसे पहले पीएचडी की। उन्होंने खाद्य पदार्थों में मौजूद प्रोटीनों पर काम किया, और अनुसंधान में सेल्युलर एंजाइम साइट्रोक्रोम सी की खोज की।

शामिल हो गए हैं। राज्य के कई प्रमुख नेता हैं जिन्होंने अपने हिसाब से सियासी समीकरण बिठाना शुरू कर दिए हैं। राज्य की भाजपा की राजनीति पर गौर करें तो एक बात साफ हो जाती है कि राज्य में राज्यसभा की तीन सीटों के लिए चुनाव हुए थे तब एक सीट कांग्रेस को मिलने की उम्मीद थी लेकिन मीनाक्षी नटराजन का पर्चा निरस्त होने पर तीनों सीट बीजेपी की झोली में चली गईं। भाजपा ने इस चुनाव में दो चौकाने वाले नाम दिए थे-रजनीश अग्रवाल और महेश केवट का। भाजपा की सूत्रों का कहना है कि मंत्रिमंडल में फेरबदल संभावित है और आगामी रणनीति के चलते दक्षिण भारत के नेता को राज्य से राज्यसभा में भेजा जा सकता है।

मध्य प्रदेश में राज्यसभा की सीट के लिए जोर-आजमाइश जारी, सियासी उठापटक तेज

राज्य के कई प्रमुख नेता हैं जिन्होंने अपने हिसाब से सियासी समीकरण बिठाना शुरू कर दिए हैं। राज्य की भाजपा की राजनीति पर गौर करें तो एक बात साफ हो जाती है कि राज्य में राज्यसभा की तीन सीटों के लिए चुनाव हुए थे तब एक सीट कांग्रेस को मिलने की उम्मीद थी लेकिन मीनाक्षी नटराजन का पर्चा निरस्त होने पर तीनों सीट बीजेपी की झोली में चली गईं। भाजपा ने इस चुनाव में दो चौकाने वाले नाम दिए थे-रजनीश अग्रवाल और महेश केवट का। भाजपा की सूत्रों का कहना है कि मंत्रिमंडल में फेरबदल संभावित है और आगामी रणनीति के चलते दक्षिण भारत के नेता को राज्य से राज्यसभा में भेजा जा सकता है।

श्रीनगर में 02022 के हत्या मामले में तीन दोषियों को उम्रकैद, अदालत ने सुनाया फैसला

एजेंसी श्रीनगर । श्रीनगर पुलिस ने वर्ष 2022 में बटामालू थाना क्षेत्र में दर्ज हत्या के एक मामले में तीन आरोपियों को दोषी ठहराए जाने के बाद आजीवन कारावास की सजा सुनाए जाने की जानकारी दी है। श्रीनगर की अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश की अदालत ने मामले की सुनवाई पूरी होने के बाद यह फैसला सुनाया। पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक, यह मामला बटामालू थाने में दर्ज प्राथमिकी से संबंधित है। इस मामले में भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) की धारा के तहत केस दर्ज किया गया था। मामले की जांच के दौरान पुलिस ने आवश्यक साक्ष्य जुटाए और कानूनी प्रक्रिया के तहत आरोपियों के खिलाफ चार्जशीट अदालत में पेश किया। मुकदमे की सुनवाई पूरी होने के बाद अदालत ने मुस्त हफीजा बेगम, परवेज अहमद डार उर्फ बिलाल और शाहनवाज अहमद डार को भारतीय दंड संहिता की धारा 302 (हत्या) और धारा 120-बी (आपराधिक साजिश) के तहत दोषी करार

कोई बिना अनुमति काम करेगा तो कानून अपना काम करता है। बिना अनुमति के कोई भी यात्रा या जुलूस निकाला जाएगा तो पुलिस गिरफ्तार करेगी।’

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की ओर से राहुल गांधी पर छात्रों को भड़काने का आरोप लगाए जाने के सवाल पर ओम प्रकाश राजभर ने कहा, ‘जिसकी उम्र 25 वर्ष से ज्यादा है, उसको पता है कि क्या काम हो रहा है और जिनकी उम्र 25 वर्ष से कम है, उनको उकसाकर ये (विपक्ष) लोग माहौल खड़ा करना चाहते हैं। यहां कानून का राज है, किसी को सफलता नहीं मिलेगी।’

अखिलेश यादव की ओर से सरकार पर तंज कसने के सवाल

पर ओम प्रकाश राजभर ने कहा, ‘अखिलेश यादव 12 बजे सोकर उठते हैं और उनको एक्स पर पोस्ट करना होता है। इसके बाद उनको ‘पीसी’ करना होता है। इसके अलावा उनके पास कोई काम नहीं है।’ ओपी राजभर ने कहा, ‘सभी लोगों (सपा, कांग्रेस और

बसपा) ने अति पिछड़ों के साथ धोखा किया है। राज्यसभा चुनाव में समाजवादी पार्टी के पास कोई दूसरी जाति का नेता नहीं था? एक सीट परिवार को दी और दूसरी सीट ‘धन्नासेट’ को दे दी। ‘परिवार डेवलपमेंट अथॉरिटी’ कर दिया।’

‘हिंदुस्तान न बांग्लादेश बन सकता और न पाकिस्तान, यहां अपनी संस्कृति’, विपक्ष के प्रदर्शन पर बोले स्वतंत्र देव सिंह

एजेंसी लखनऊ । उत्तर प्रदेश सरकार में जल शक्ति मंत्री स्वतंत्र देव सिंह ने विपक्ष के विरोध प्रदर्शन पर तीखी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा कि हिंदुस्तान न बांग्लादेश बन सकता है, न पाकिस्तान बन सकता है। यहां की संस्कृति अपनी है और यहां ‘सबका साथ, सबका विकास और सभी का विश्वास’ के साथ हम लोग चलते हैं। मंत्री स्वतंत्र देव सिंह ने कहा, ‘हिंदुस्तान न बांग्लादेश बन सकता है, न पाकिस्तान बन सकता है। यहां की संस्कृति अपनी है और यहां ‘सबका साथ, सबका विकास और सभी का विश्वास’ के साथ हम लोग चलते हैं। पाकिस्तान हो चाहे बांग्लादेश हो, वहां लोग खुलेआम अपने मंदिर में नहीं जा सकते हैं। हिंदू धर्म वहां से पलायन होता है, हिंदू पलायन होते हैं। आप देखेंगे कि हिंदुओं की संख्या-जनसंख्या वहां थी, आज घटकर जीरो पर आती चली जा रही है।’ उन्होंने फिर दोहराया कि हिंदुस्तान बांग्लादेश-पाकिस्तान नहीं बनेगा। स्वतंत्र देव सिंह ने कहा, ‘भूखमरी की कगार पर भारत को नहीं ले जाया जा सकता है। वह



पाकिस्तान-बांग्लादेश नहीं बन सकता है, जहां लोग भूखमरी से मर रहे हैं, लेकिन भारत की सेना, पुलिस और प्रशासन सतर्क हैं। हमारी बाहरी और आंतरिक सुरक्षा दोनों मजबूत हैं।’ स्वतंत्र देव सिंह ने कहा कि भारत में सेना और पुलिस के जवान राष्ट्र के लिए समर्पित हैं। कांग्रेस के कार्यकाल में लोग सेना के ऊपर पत्थर फेंकते थे। श्रीनगर में तिरंगा झंडा नहीं फहरा सकते थे। आज सब बंद हो चुका है। लाल चौक पर तिरंगा फहरता है और ‘भारत माता की जय’ के नारे लगे हैं। हर धर्म के लोग बाहर निकलकर तिरंगा यात्रा निकालते हैं। आज हमने नक्सलवाद खत्म कर दिया है। नक्सली क्षेत्रों के लोग आज देश के साथ जुड़े हैं।’

जल शक्ति मंत्री ने कहा कि भाजपा की सरकार देश की जनता और खुशहाली के लिए काम करती है। समाजवादी पार्टी और कांग्रेस की तरह हम लोग देश लुटने नहीं आए हैं। भाजपा कोई वंशवादी पार्टी नहीं है। यह संगठन और कार्यकर्ता आधारित पार्टी है, जिसमें बृथ का अध्यक्ष भी राष्ट्रीय अध्यक्ष बन सकता है।

दिल्ली में दो अलग-अलग सड़क हादसों में 2 लोगों की मौत, 4 घायल

एम्बुलेंस के जरिए अस्पताल पहुंचाया गया। पुलिस ने बताया कि गौरव को इंदिरा गांधी अस्पताल में डॉक्टरों ने उसे ‘ब्रॉट डेड’ (मृत अवस्था में लाया गया) घोषित



किया। शव को डीडीयू अस्पताल की मोर्चरी में रखा गया है। हितेश (18) को इंदिरा गांधी अस्पताल से आगे के इलाज के लिए बड़े अस्पताल (हायर सेंटर) में रेफर कर दिया गया है। हर्षित पुत्र हेमंत (20) को पहले इंदिरा गांधी अस्पताल ले जाया गया, बाद में आगे के इलाज के लिए किसी बड़े

अस्पताल (हायर सेंटर) में रेफर कर दिया गया। गंभीर हालत में ध्रुव (23) मैक्स अस्पताल में भर्ती है। ट्रक चालक हौतम सिंह (41) निवासी अगरा को पुलिस ने पकड़ लिया गया है। दुर्घटना में शामिल ट्रक और दोनों मोटरसाइकिलों को जब्त कर लिया गया है। इस मामले में एफआईआर दर्ज की गई है और आगे की जांच जारी है।दिल्ली पुलिस ने बताया कि डीबीजी रोड इलाके में एक डीटीसी बस के नीचे स्कूटी आ गई, जिससे स्कूटी पर सवार दोनों लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। अस्पताल पहुंचने से पहले एक व्यक्ति की मौत हो गई है, जबकि दूसरे का इलाज चल रहा है। फिलहाल अभी मृतक और घायलों की पहचान नहीं हो सकी है।

श्रीनगर में 02022 के हत्या मामले में तीन दोषियों को उम्रकैद, अदालत ने सुनाया फैसला

दिया। इसके बाद अदालत ने तीनों दोषियों को आजीवन कारावास की सजा सुनाई।

इस मामले में प्राथमिकी दर्ज होने के



बाद से ही पुलिस ने जांच और कानूनी कार्रवाई की प्रक्रिया आगे बढ़ाई। मामले की सुनवाई के दौरान प्रस्तुत साक्ष्यों और तथ्यों

अंकिता भंडारी प्रकरण : माता-पिता ने सीबीआई अधिकारियों से की मुलाकात, निष्पक्ष जांच का आश्वासन

एजेंसी नई दिल्ली। अंकिता भंडारी प्रकरण में उनके माता-पिता ने दिल्ली स्थित केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) मुख्यालय पहुंचकर वरिष्ठ अधिकारियों से मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने प्रकरण से जुड़े विभिन्न बिंदुओं पर

अधिकारियों को जानकारी दी। सीबीआई अधिकारियों ने उन्हें आश्वासन दिया कि मामले के सभी पहलुओं का समुचित परीक्षण करते हुए विवेचना निष्पक्ष और न्यायसंगत तरीके से की जाएगी। सीबीआई की ओर से 16 अक्टूबर को जारी प्रेस विज्ञप्ति के



अनुसार स्वर्गीय अंकिता भंडारी के पिता वीरेंद्र सिंह भंडारी और माता सोनी देवी ने सीबीआई मुख्यालय में वरिष्ठ अधिकारियों से भेंट की। इस मौके पर गढ़वाल सांसद अनिल बलूनी भी उपस्थित रहे। मुलाकात के दौरान उन्होंने प्रकरण से संबंधित विभिन्न

परीक्षण किया जाएगा। साथ ही विवेचना को निष्पक्ष और न्यायसंगत ढंग से आगे बढ़ाया जाएगा। अंकिता भंडारी प्रकरण उत्तराखंड में लंबे समय से चर्चा में रहा है। ऐसे में सीबीआई मुख्यालय में उनके माता-पिता की वरिष्ठ अधिकारियों से हुई

मुलाकात को मामले की विवेचना के संदर्भ में महत्वपूर्ण माना जा रहा है। हालांकि, सीबीआई की ओर से जारी विज्ञप्ति में मुलाकात के दौरान उठाए गए बिंदुओं या विवेचना की वर्तमान स्थिति के संबंध में विस्तृत जानकारी नहीं दी गई है।

वॉलीबॉल चैंपियंस लीग

हरियाणा हरिकेंस ने पंजाब एयरोस्ट्राइकर्स और अयोध्या गर्जन ने तमिल टाइटंस को हराया

नोएडा । हरियाणा हरिकेंस ने वॉलीबॉल चैंपियंस लीग (बीसीएल) में अपने सुपर 6 कैपेन की शुरुआत पंजाब एयरोस्ट्राइकर्स पर 2-1 से जीत के साथ की। वहीं, अयोध्या गर्जन ने तमिल टाइटंस को 3-0 से हराया। हरियाणा ने जोरदार शुरुआत करते हुए पहला सेट 21-17 से जीता। पंजाब ने दूसरे सेट में हरियाणा को इसी स्कोर के साथ जवाब दिया। तीसरा सेट रोमांचक और निर्णायक था। हरियाणा हरिकेंस ने आखिरी सेट में नियंत्रण हासिल किया और 21-10 से जीत हासिल करते हुए मैच 2-1 से जीता। हरियाणा के लिए चिराग यादव प्लेयर ऑफ द मैच रहे।

जीत के बाद चिराग ने कहा, ‘सुपर 6 स्टेज की

शुरुआत जीत के साथ करके बहुत अच्छा लग रहा है। पंजाब एयरोस्ट्राइकर्स एक मजबूत टीम है। उन्होंने दूसरे सेट में अच्छी वापसी की, लेकिन हम सकारात्मक रहे और अपने गेम पर फोकस किया। हम जानते थे कि तीसरा सेट बहुत जरूरी है। हमने मिलकर काम किया। अपनी तेजी बनाए रखी और अपने प्लान को अच्छे से पूरा किया। इस जीत से हमारा आत्मविश्वास बढ़ेगा। आगे के मैचों में भी हम जीत की लय बरकरार रखना चाहेंगे। ‘

एक अन्य मैच में अयोध्या गर्जन ने तमिल टाइटंस पर सिंधे सेटों में जीत दर्ज की। अयोध्या ने तमिल टाइटंस पर 21-14, 21-20, 21-19 से जीत दर्ज की।

संक्षिप्त

समाचार

हांगकांग सिक्सेस 2026

ऋणाल पंड्या होंगे भारत के कप्तान, भुवनेश्वर की जगह खेजरोलिया को मौका

नई दिल्ली । हांगकांग सिक्सेस 2026 में भारतीय टीम की कप्तानी ऑलराउंडर ऋणाल पंड्या करेंगे। पहले भारतीय टीम की कप्तानी तेज गेंदबाज भुवनेश्वर कुमार करने वाले थे, लेकिन 22 अक्टूबर से शुरू होने वाले न्यूजीलैंड दौरे के लिए भारतीय टीम में उनके चयन के बाद ऋणाल को यह जिम्मेदारी दी गई । भुवनेश्वर कुमार की जगह हांगकांग सिक्सेस 2026 के लिए चुनी गई भारतीय टीम में तेज गेंदबाज कुलवंत खेजरोलिया को जगह दी गई है। हांगकांग सिक्सेस के लिए भारतीय टीम में ऋणाल पंड्या और कुलवंत खेजरोलिया के अलावा शाशांक सिंह, राहुल तेवतिया, नीतीश



राणा, राहुल त्रिपाठी और टी. नटराजन को शामिल किया गया है। भारतीय टीम के खिलाड़ियों के पास आईपीएल और अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट का अनुभव है। साथ ही, टीम गेंदबाजी और बल्लेबाजी के लिहाज से संतुलित और मजबूत है। क्रिकेट हांगकांग, चीन के कमर्शियल और मार्केटिंग डायरेक्टर अनुराग भटनगर ने कहा, ‘हम हांगकांग सिक्सेस 2026 में भुवनेश्वर कुमार को जरूर मिस करेंगे, लेकिन हमें उन्हें नेशनल टीम में बुलावा मिलने पर बहुत खुशी हो रही है। चार साल बाद इंटरनेशनल क्रिकेट में उनकी वापसी एक खास मील का पथर है, और हम भारत के न्यूजीलैंड दौरे पर उनकी हर सफलता की कामना करते हैं। हम भविष्य में हांगकांग सिक्सेस में उनका स्वागत करने के लिए उत्सुक हैं। ‘

रणजी ट्रॉफी

यशस्वी जायसवाल मुंबई की टीम से बाहर, अंगकृष रघुवंशी को मिली जगह

मुंबई । मुंबई ने रणजी ट्रॉफी 2026-27 सीजन में हिमाचल प्रदेश के खिलाफ होने वाले अपने दूसरे मुकाबले के लिए अपनी टीम का ऐलान कर दिया है। मुंबई की टीम में बाएं हाथ के सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल का नाम नहीं है। मुंबई क्रिकेट एसोसिएशन ने हिमाचल प्रदेश के



भारत ए की तरफ से न्यूजीलैंड ए के खिलाफ खेलना है। न्यूजीलैंड में 24 अक्टूबर से इंडिया ए और न्यूजीलैंड ए के बीच तीन टेस्ट मैचों की सीरीज शुरू होने वाली है और यशस्वी तीन मैचों के लिए टीम इंडिया का हिस्सा हैं।

मुंबई की टीम

सिद्धेश लाड (कप्तान), अंगकृष रघुवंशी, सूर्याश शोडो, दिव्यांश सक्सेना, सरफराज खान, मुशीर खान, सुवेद पारकर, आकाश आनंद (विकेटकीपर), हादिक तमोरे (विकेटकीपर), श्याम मुलानी, तपुष कोटियान, अथर्व अंकोलकर, तुषार देशपांडे, मोहित अवस्थी, सिल्वेस्टर डिब्यूजा और ओंकारा तरमले।

वनडे में 2 अलग कप्तान

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने न्यूजीलैंड के खिलाफ वनडे और टेस्ट सीरीज के लिए पुरुष क्रिकेट टीम का ऐलान कर दिया है। वनडे सीरीज के शुरुआती तीन मुकाबलों के लिए शुभमन गिल को कप्तान सौंपी गई है, जबकि आखिरी दो मैचों में श्रेयस अय्यर कप्तान संभालेंगे। शुरुआती तीन मुकाबलों के लिए 16 सदस्यीय टीम की कप्तानी शुभमन गिल करेंगे और श्रेयस अय्यर उनके डिप्टी (उप-कप्तान) होंगे। वहीं, आखिरी दो मैचों में बदलाव करते हुए श्रेयस अय्यर को कप्तान बनाया जाएगा। विकेटकीपर-बल्लेबाज ईशान किशन को चौथे और पांचवें वनडे के लिए उप-कप्तान नियुक्त किया गया है। वरिष्ठ बल्लेबाज रोहित शर्मा और विराट कोहली पूरी वनडे सीरीज के लिए उपलब्ध रहेंगे। इनके साथ ऑलराउंडर नीतीश कुमार रेड्डी, अक्षर पटेल और नमन धीर भी टीम में शामिल हैं। वहीं, नियमित विकेटकीपर-बल्लेबाज केएल राहुल, तेज गेंदबाज



अंशुल कंबोज और प्रसिद्ध कृष्णा सिर्फ शुरुआती तीन वनडे मैचों में ही खेलेंगे। इसके बाद वे टेस्ट सीरीज की तैयारी के लिए रवाना होंगे।

अंतिम दो वनडे मुकाबलों के लिए चयनकर्ताओं ने बाएं हाथ के बल्लेबाज तिलक वर्मा और तेज गेंदबाज आकिब नबी को टीम में शामिल किया है।

वनडे टीम

शुभमन गिल (कप्तान), रोहित शर्मा, विराट कोहली, श्रेयस अय्यर (उपकप्तान), केएल राहुल (विकेटकीपर), नीतीश कुमार रेड्डी, अक्षर पटेल, नमन धीर, अंशुल कंबोज, गुरनूर बरार, ऋतुराज गायकवाड़, अर्शदीप सिंह, ईशान किशन (विकेटकीपर), मोहम्मद सिराज, प्रसिद्ध कृष्णा और कुलदीप यादव।

चौथे और पांचवें मैच के लिए भारत की वनडे टीम : श्रेयस अय्यर (कप्तान), रोहित शर्मा, विराट कोहली, तिलक वर्मा, ईशान किशन (विकेटकीपर/उपकप्तान), नीतीश कुमार रेड्डी, अक्षर पटेल, नमन धीर, आकिब नबी, गुरनूर बरार, ऋतुराज गायकवाड़, अर्शदीप सिंह, कुमार कुशाग्र (विकेटकीपर), मोहम्मद सिराज, यश ठाकुर और कुलदीप यादव।

भारत की टेस्ट टीम : शुभमन गिल (कप्तान), यशस्वी जायसवाल, केएल राहुल (उपकप्तान), देवदत्त पडविकल, ऋषभ पंत (विकेटकीपर)*, ध्रुव जुरेल (विकेटकीपर), रवींद्र जडेजा, अंशुल कंबोज, जसप्रीत बुमराह, प्रसिद्ध कृष्णा, आकाश दीप, साई सुदर्शन, नीतीश कुमार रेड्डी, वॉशिंगटन सुंदर, कुलदीप यादव, मोहम्मद सिराज।

अगरकर के जाने के बाद भी मौका नहीं, क्या टीम इंडिया में वापसी के रास्ते शमी के लिए क्या अब बंद हो चुके हैं?

नई दिल्ली । भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड की चयन समिति ने शुक्रवार को न्यूजीलैंड के खिलाफ 5 वनडे और 2 टेस्ट मैचों की सीरीज के लिए भारतीय टीम की घोषणा कर दी। अनुभवी तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी को एक बार फिर से नजरअंदाज किया गया है। अजीत अगरकर का मुख्य चयनकर्ता के रूप में कार्यकाल समाप्त होने के बाद प्रज्ञान ओझा को अंतरिम मुख्य चयनकर्ता बनाया गया था। प्रज्ञान ने अंतरिम मुख्य चयनकर्ता के रूप में न्यूजीलैंड टी20 सीरीज के लिए अपनी पहली टीम को मंजूरी दी। इस टीम में सबसे चौकाने वाला नाम भुवनेश्वर कुमार का था। 36 साल के भुवनेश्वर कुमार की 4 साल बाद टीम इंडिया में वापसी हुई थी। उन्हें वेस्टइंडीज के खिलाफ पांचवें टी20 के लिए भी इंजर्ड अर्शदीप की जगह टीम इंडिया में शामिल कर लिया गया है और वह संभवतः प्लेइंग इलेवन का हिस्सा होंगे। भुवनेश्वर कुमार की वापसी ने अनुभवी तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी की टीम इंडिया में वापसी की



उम्मीद जगाई थी। शमी 9 मार्च 2025 (चैंपियंस ट्रॉफी फाइनल) के बाद से भारतीय टीम का हिस्सा नहीं हैं। इस दौरान उन्होंने घरेलू क्रिकेट में हर फॉर्मेट खेला और बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए अपनी फॉर्म और फिटनेस का सबूत दिया। वह अभी भी रणजी ट्रॉफी खेल रहे हैं। फॉर्म और फिटनेस के बावजूद अजीत अगरकर की अध्यक्षता वाली चयन समिति ने शमी को हमेशा नजरअंदाज किया। इस दौरान भुवनेश्वर कुमार के साथ भी ऐसा ही हुआ। फॉर्म और फिटनेस के बावजूद वह टीम इंडिया से बाहर रहे। अजीत अगरकर का मुख्य चयनकर्ता के रूप में कार्यकाल समाप्त होने के बाद प्रज्ञान अंतरिम मुख्य चयनकर्ता बने और उनकी पहली टीम में ही भुवनेश्वर कुमार थे। इसके बाद शमी का न्यूजीलैंड वनडे सीरीज के लिए भारतीय टीम में वापसी की संभावना बढ़ गई, खासकर जसप्रीत बुमराह की अनुपस्थिति में उनका चयन तय माना जाने लगा। लेकिन, शुक्रवार को जब न्यूजीलैंड के खिलाफ वनडे और टेस्ट सीरीज के लिए टीम इंडिया की घोषणा हुई, तो शमी का नाम फिर नजरअंदर था।

पहला टी20: डेब्यूटेंट निकी के साथ दीप्ति ने जुटाए 82 रन,

भारत ने जिम्बाब्वे को 4 विकेट से हराया

निकी प्रसाद को स्मृति मंधाना ने डेब्यू कैप दिया

भारत के लिए युवा ऑलराउंडर निकी प्रसाद इस मैच में डेब्यू किया। उन्हें मुकाबले से पहले कप्तान स्मृति मंधाना ने डेब्यू कैप दिया। कैप मिलने के बाद साथी खिलाड़ी दीप्ति शर्मा और अनुष्का शर्मा ने गले लगाकर उन्हें बधाई दी।



रायपुर। भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने शुक्रवार को शहीद वीर नारायण सिंह इंटरनेशनल स्टेडियम में खेले गए टी20 सीरीज के पहले मैच में जिम्बाब्वे को 4 विकेट से मात दी।

इसी के साथ मेजबान टीम ने तीन मुकाबलों की सीरीज में 1-0 से बढ़त हासिल कर ली है। शेष दो मैच 18 और 20 अक्टूबर को इसी मैदान पर खेले जाने हैं, जिसके बाद तीन मुकाबलों की वनडे सीरीज आयोजित होगी। रायपुर में टॉस गंवाकर बल्लेबाजी के लिए उतरी जिम्बाब्वे की टीम ने निर्धारित ओवरों में 5 विकेट

खोकर सिर्फ 114 रन बनाए। इस टीम ने 7 के स्कोर पर बल्लेबाज बिजा (0) का विकेट गंवा दिया था, जिसके बाद केलिस नथलोवु ने मोडेस्टर मुपाचिकवा के साथ दूसरे विकेट के लिए 53 रन जुटाकर मेहमान टीम को संभाला। मुपाचिकवा 16 रन बनाकर आउट हुईं।

इसके बाद शानें मेयर्स ने नथलोवु के साथ तीसरे विकेट के लिए 22 रन, जबकि न्याशा खानजुरा के साथ चौथे विकेट के लिए 31 रन की साझेदारी करते हुए टीम को जैसे-तैसे शतक के पार पहुंचाया।

मुकाबले से पहले इस्विच गोलकीपर वाल्टन का बयान



होगा। पूरी टीम खेलने के लिए बेताब है। जिसे भी चुना जाएगा, वह अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने और अपनी जिम्मेदारी निभाने

के लिए तैयार रहेगा। यह एक अलग तरह की चुनौती है। एक ऐसी चुनौती है, जिसमें आप खुद को परखना चाहते हैं। हम वहां

जाकर बहुत अच्छा प्रदर्शन कर सकते हैं और मैन सिटी को परेशान कर सकते हैं। ‘

मैनचेस्टर सिटी, प्रीमियर लीग के वित्तीय नियमों के कथित तौर पर 114 बार उल्लंघन से जुड़े खुलासों के बाद जांच के दायरे में है। क्लब ने इन निष्कर्षों के खिलाफ अपील की है, लेकिन यह विवाद लगातार चर्चा का विषय बना हुआ है।

हालांकि, पिछले सप्ताहांत एनफील्ड में लिंवरपूल के खिलाफ 3-0 की जीत के साथ सिटी ने मैदान पर अपनी काबिलियत साबित की, जबकि उन्हें वहां दर्शकों की तीखी प्रतिक्रिया का सामना करना पड़ा था। इसके बाद, बुधवार को चैंपियंस लीग के एक रोमांचक मुकाबले में उन्हें अपने घरेलू मैदान पर पेरिस सेंट-जर्मेन के हाथों 4-2 से हार का सामना करना पड़ा।

यह कैसी तैयारी

वर्ल्ड कप 2027 के लिए बुमराह: 2023 के बाद खेले हैं सिर्फ दो वनडे मैच

नई दिल्ली । न्यूजीलैंड दौरे के लिए भारत की वनडे और टेस्ट टीम का ऐलान हो चुका है। बुमराह की टेस्ट में तो वापसी हुई है लेकिन एक बार फिर उन्हें वनडे टीम में नहीं रखा गया है। तेज गेंदबाजों के लिए अनुकूल परिस्थितियों को देखते हुए बुमराह को पांच मैचों की वनडे सीरीज में मौका मिलने की उम्मीद थी लेकिन इस बार भी वर्कलोड मैनेजमेंट के नाम पर उन्हें सिर्फ टेस्ट टीम में रखा गया है। बुमराह ने पिछले वनडे विश्व कप 2023 के बाद से अब तक सिर्फ दो एकदिवसीय मुकाबले ही खेले हैं। साल 2024 और 2025 में बुमराह ने एक वनडे मैच तक नहीं खेला। 2026 में इंग्लैंड के खिलाफ हुई तीन मैचों की वनडे सीरीज के लिए बुमराह को टीम में रखा गया। दो वनडे मैच खेलने के बाद बुमराह चोटिल हो गए थे और आखिरी एकदिवसीय मुकाबला नहीं खेल सके थे। अब सवाल यह है कि अगर भारतीय टीम अगले साल साउथ अफ्रीका, जिम्बाब्वे और नामीबिया की संयुक्त मेजबानी में होने वाले वनडे विश्व कप की तैयारी कर रही है, तो बुमराह को ज्यादा से ज्यादा वनडे मैचों में खेलने का मौका क्यों नहीं मिल रहा है। बुमराह की फॉर्म पर किसी को कोई शक नहीं है। हालांकि, वनडे मैचों के हिसाब से बुमराह की फिटनेस और माइंडसेट को तैयार रखना जरूरी है। वेस्टइंडीज के खिलाफ हाल ही में हुई घरेलू वनडे सीरीज में भी बुमराह को टीम में नहीं रखा गया था और उन्हें एशियन गेम्स 2026 में हिस्सा लेने गई टीम के साथ भेजा गया था। इस पूरे टूर्नामेंट में बुमराह ने सिर्फ छह ओवर गेंदबाजी की, जो एक वनडे मैच के स्पेल से भी कम है। न्यूजीलैंड दौरे पर बुमराह को तेज गेंदबाजों के लिए मददगार कंडिशन में आजमाने का अच्छा मौका था।



उप-कप्तानी एक बड़ी जिम्मेदारी, चैंपियंस ट्रॉफी में भारत निडर होकर खेलना चाहता है: शेफाली वर्मा

रायपुर। शेफाली वर्मा को हाल ही में भारतीय महिला टी20 क्रिकेट टीम की उप-कप्तान नियुक्त किया गया है। जिम्बाब्वे के खिलाफ टी20 सीरीज की शुरुआत से पहले शेफाली ने कहा कि भारतीय टीम के नेतृत्व समूह में उनकी भूमिका सिर्फ इस पद तक सीमित नहीं रहेगी। उन्होंने बताया कि टीम अगले साल होने वाली चैंपियंस ट्रॉफी में निडर और समझदारी भरा टी20 क्रिकेट खेलने का लक्ष्य लेकर चल रही है। स्मृति मंधाना की कप्तानी में भारतीय टीम, फरवरी 2027 में मुंबई और वडोदरा में होने वाले छह टी20 के टूर्नामेंट की तैयारी शुरू करेंगी। इसकी शुरुआत शुक्रवार को शहीद वीर नारायण सिंह इंटरनेशनल स्टेडियम में जिम्बाब्वे के खिलाफ शुरू होने वाली टी20 सीरीज से होगी। रायपुर स्थित शहीद वीर नारायण सिंह इंटरनेशनल स्टेडियम में खेले जाने वाले सीरीज के शुरुआती मैच से पहले प्रेस कॉन्फ्रेंस में शेफाली ने कहा, ‘उप-कप्तानी की बात करें तो, मैंने अंडर-19 वर्ल्ड कप में कप्तानी भी की है, इसलिए मेरे पास इसका अनुभव है। मुझे पता है कि उप-कप्तानी सिर्फ एक पद नहीं, बल्कि एक बड़ी जिम्मेदारी है। हमें हर एक खिलाड़ी का ख्याल रखना है और यह सुनिश्चित करना

है कि वे मानसिक रूप से पूरी तरह तैयार और सहज रहें। मैं बस यहीं कोशिश कर रही हूँ कि हर खिलाड़ी सहज महसूस करें



और कप्तान की मदद कर सकूँ। ‘

उन्होंने महिला क्रिकेट के विकास का श्रेय पूर्व कप्तान हरमनप्रीत कौर को देते हुए कहा, ‘हरमन दी ने महिला क्रिकेट को आगे बढ़ाने में बहुत बड़ा योगदान दिया है। आज महिला क्रिकेट जिस मुकाम पर है, वह पूरी तरह से हरमन दी की ही देन है। इसके लिए उन्हें धन्यवाद।

कटरीना कैफ की बॉडी शेमिंग पर भड़कीं सौंदर्या रजनीकांत

बॉलीवुड एक्ट्रेस कटरीना कैफ हाल ही में मां बनने के बाद पहली बार एक बड़े इवेंट में नजर आई थीं, जिसके बाद उन्हें लुक्स और वजन को लेकर काफी ट्रोल किया गया। अब इस ऑलनाइन ट्रोलिंग पर सलमान खान सहित कई सेलेब्स कटरीना के सपोर्ट में सामने आए हैं। इसी बीच सुपरस्टार रजनीकांत की बेटी और फिल्ममेकर सौंदर्या रजनीकांत ने भी महिलाओं के शरीर में प्रेगनेंसी के बाद होने वाले बदलावों को लेकर ट्रोलर्स को करारा जवाब दिया है। कटरीना कैफ ने नवंबर 2025 में पति विक्की कौशल के साथ अपने बेटे विहान का स्वागत किया था। मां बनने के बाद से वह लाइमलाइट से काफी दूर थीं, लेकिन हाल ही में अंबानी परिवार के गणेश चतुर्थी सेलिब्रेशन में उनकी तस्वीरें और वीडियो सामने आए। इसके बाद सोशल मीडिया पर उनके लुक को लेकर तरह-तरह के कमेंट होने लगे। इसी मामले पर बात करते हुए सौंदर्या रजनीकांत ने कहा कि बच्चे को जन्म देने के बाद महिला के शरीर में बदलाव होना बिल्कुल सामान्य है और ऐसे समय में महिला को ट्रोल करने के बजाय उसका सम्मान किया जाना चाहिए।

बातचीत के दौरान सौंदर्या रजनीकांत ने कटरीना की ट्रोलिंग का जिक्र करते हुए महिलाओं के लिए सम्मान की बात कही। उन्होंने कहा, 'मेरे दो बच्चे हैं और यह आसान नहीं है। जब आपको उस प्रोसेस से गुजरना पड़ता है, तो आपका शरीर बदल जाता है और एक खास उम्र के बाद बच्चा होना और भी मुश्किल होता है। मेरा दूसरा बच्चा 35 साल की उम्र के बाद हुआ था। यह आसान नहीं है। आपको उस महिला को सम्मान देना चाहिए। क्योंकि जो एक महिला शारीरिक रूप से कर सकती है, उसके लिए आप पुरुषों को दोष नहीं दे सकते क्योंकि वे ऐसा नहीं कर सकते। यह बायोलॉजी का मामला है।'

हम पुरुष से नहीं पूछते कि तुम प्रेगनेंट क्यों नहीं होते?

सौंदर्या ने आगे कहा कि महिलाओं के शरीर में होने वाले बदलावों को लेकर उन्हें जज नहीं किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा, 'लेकिन आपको यह स्वीकार करना होगा कि एक महिला ऐसा करती है। हम पुरुष से यह नहीं पूछते कि तुम प्रेगनेंट क्यों नहीं होते? लेकिन जब हम उस दौर से गुजरते हैं, तो मुझे बहुत बुरा लगा जब वह सब हुआ। यह सही नहीं था। यह अच्छा व्यवहार नहीं था। महिलाएं बहुत कुछ सहती हैं,

लेकिन महिला होना खास बात है।'

सौंदर्या खुद दो बच्चों की मां हैं

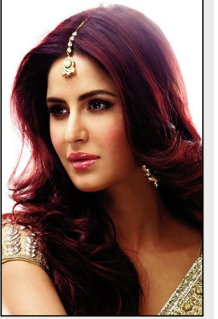
सौंदर्या रजनीकांत खुद भी दो बच्चों की मां हैं, उन्होंने 2010 में बिजनेसमैन अश्विन से शादी की थी। 2015 में उनके बेटे वेद का जन्म हुआ। इसके बाद 2016 में दोनों अलग हो गए और 2017 में उनका तलाक हो गया। साल 2019 में सौंदर्या ने बिजनेसमैन विशागन से दूसरी शादी की। 2022 में दोनों बेटे वीर के माता-पिता बने।

सलमान खान भी कर चुके हैं कटरीना का सपोर्ट

कटरीना के वजन को लेकर हुई ट्रोलिंग पर सलमान खान भी ट्रोलर्स को फटकार लगा चुके हैं। उन्होंने सवाल किया था कि जब एक्ट्रेस हाल ही में मां बनी हैं, तो उनके वजन और लुक पर लोग कमेंट क्यों कर रहे हैं। सलमान ने कहा, 'प्रेगनेंट होने के बाद हर किसी का वजन बढ़ता है।'

गणेश चतुर्थी पर पहली बार दिखीं कटरीना

कटरीना कैफ को हाल ही में अंबानी परिवार के गणेश चतुर्थी सेलिब्रेशन में देखा गया था। मां बनने के बाद यह उनकी उन चुनिंदा पब्लिक अपीयरेंस में से एक थी, जिसकी तस्वीरें और वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हुए। हालांकि, जहां कई फैस ने कटरीना के लुक की तारीफ की, वहीं कुछ यूजर्स ने उनके बड़े हुए वजन को लेकर कमेंट किए। कुछ लोगों ने उनकी प्रेगनेंसी से पहले और बाद की तस्वीरों को शेयर करते हुए उनके लुक की तुलना भी की। सोशल मीडिया पर चल रही इस चर्चा पर अभी तक कटरीना कैफ या उनके पति विक्की कौशल की ओर से कोई प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है। वहीं, सौंदर्या रजनीकांत और सलमान खान जैसे सितारों के कटरीना के सपोर्ट में बोलने के बाद एक बार फिर बॉडी-शेमिंग और महिलाओं के शरीर को लेकर सोशल मीडिया पर होने वाली ट्रोलिंग का मुद्दा चर्चा में आ गया है।



बड़े कलाकार नए कलाकारों को कभी दबाते नहीं हैं बल्कि उन्हें आगे बढ़ाते हैं

अभिनेत्री सम्वेदना सुवालका फिल्म 'दृश्यम': द कन्वल्जन् (दृश्यम 3) में विजय सालगांवकर की वकील एडवोकेट गायत्री मोहन के रोल में नजर आ रही हैं। अभिनेत्री ने दृश्यम टीम की तारीफ करते हुए कहा कि बड़े कलाकार नए कलाकारों को कभी दबाते नहीं हैं बल्कि उन्हें आगे बढ़ाते हैं। अभिनेत्री ने बातचीत में कहा, 'फिल्म में सभी कलाकारों के साथ काम करना बिल्कुल भी मुश्किल नहीं था। फिल्म में इतने अच्छे कलाकार हैं कि जब हम उनके साथ खड़े होते हैं, तो हम और चमकने लगते हैं। मैं बस अपना काम कर रही थी और वे सभी मुझे उठा रहे थे।' अभिनेत्री से सवाल किया, 'आज, गुणवत्ता बनाम मात्रा के दबाव में, अभिनेताओं को अक्सर एक के बाद एक प्रोजेक्ट साइन करना पड़ता है। क्या आप प्रोजेक्ट चुनते समय चयनात्मक हैं या आपको लगता है कि आपको कोई मौका नहीं छोड़ना चाहिए?' अभिनेत्री ने इस सवाल के जवाब में कहा, 'कुछ मामलों में मैं सिलेक्टिव हूँ। अगर मुझे कोई अच्छा काम नहीं मिलता है, तो मैं सिर्फ फ्रेम में खड़े रहने

के लिए काम नहीं करती हूँ। अब जब मैंने इतना काम कर लिया है, तो मैं और भी अच्छे किरदार करना चाहूंगी लेकिन मैं अवसरों को नहीं छोड़ना चाहती हूँ। मैं अब बहुत काम करना चाहती हूँ।' अभिनेत्री संवेदना सुवालका आगामी फिल्म 'गुरु' में जॉन अब्राहम के साथ नजर आएंगी। जॉन अब्राहम के साथ अपना अनुभव शेयर करते हुए अभिनेत्री ने कहा, 'फिल्म गुरु में हम साथ काम कर रहे हैं, जिसे रितु दासगुप्ता ने निर्देशित किया है। इस फिल्म में जॉन हीरो वाली छवि दिखाने के बजाय अपनी बॉडी दिखा रहे हैं। मैं अभी-अभी काम से वापस आई हूँ और मुझे बहुत मजा आया।'

अभिनेत्री से एक और सवाल किया, 'क्या आपको लगता है कि इंडस्ट्री उन कलाकारों का कम इस्तेमाल कर रही है जो नृत्य कर सकते हैं, एक्शन कर सकते हैं और अभिनय के साथ-साथ शारीरिक प्रशिक्षण भी ले चुके हैं?'

अभिनेत्री सम्वेदना सुवालका ने कहा, 'नहीं, मुझे लगता है कि वास्तव में कई अभिनेताओं को अलग-अलग तरीकों से पहचाना जाता है। कुछ एक्शन हीरो के रूप में जाने जाते हैं, कुछ कॉमेडी के लिए जाने जाते हैं और कुछ ऑल-राउंडर के रूप में जाने जाते हैं। ऐसे में मैं ऐसा नहीं कहूंगी।

प्लेटफॉर्म पर दर्शकों का शुक्रिया अदा करते हुए कहा कि वह इस बात की सराहना करते हैं कि लोगों ने फिल्म को लेकर अपनी राय साझा की। उन्होंने आलोचनाओं को भी स्वीकार किया। साथ ही यह भी कहा कि वह लगातार अपना सर्वश्रेष्ठ देने की कोशिश कर रहे हैं।



सनी कौशल और विशाल जेटवा के साथ नजर आएंगी बिपाशा बसु

बिपाशा बसु बिटिया देवी के जन्म के बाद से एक्टिंग से दूर हैं। मगर, उनके फैस के लिए खुशखबरी है। अभिनेत्री करीब छह साल बाद अपनी एक्टिंग का जलवा बिखेरने को तैयार हैं। वे हंसल मेहता की वेब सीरीज से जुड़ी हैं, जिसकी शूटिंग शुरू हो चुकी है।

बिपाशा बसु मशहूर फिल्ममेकर हंसल मेहता की नई सीरीज में एक अहम रोल में नजर आएंगी। अभी तक इस शो के बारे में अधिक जानकारी सामने नहीं आई है। फिलहाल, बस इतना पता चला है कि सनी कौशल और विशाल जेटवा भी इस शो में बिपाशा के साथ नजर आएंगे। सीरीज का नाम अभी तय नहीं है।

हंसल मेहता की इस अनटाइटल्ड सीरीज को कश्यप कपूर और राघव राज कक्कड़ ने लिखा है। इसे 'ऑलमाइटी मोशन पिक्चर्स प्रोडक्शंस' के बैनर तले प्रभलीन संघु ने प्रोड्यूस किया है। इस प्रोजेक्ट की शूटिंग पहले ही शुरू हो चुकी है। यह शो प्राइम वीडियो पर आएगा। इसकी कहानी एक छोटे से, गुमनाम शहर की है, जो महाद्वीप की हेरोइन राजधानी बनने की कगार पर है। इसमें सनी कौशल एक ईमानदार पुलिस वाले का किरदार निभा रहे हैं, जो अपनी ईमानदारी और इंसानियत को बचाने की कोशिश करते हुए सिस्टम के अंदर और बाहर की ताकतवर ताकतों से लड़ते हैं।

2020 में आई थी आखिरी वेब सीरीज इस सीरीज के जरिए बिपाशा बसु अपनी बेटी देवी के जन्म के बाद लंबे ब्रेक के बाद एक्टिंग में वापसी कर रही हैं। मां बनने के बाद से अभिनेत्री ने अपनी बेटी की परवरिश पर ध्यान दिया और परिवार के साथ क्वालिटी टाइम बिताया। हालांकि, वे फैशन शो और विज्ञापनों में नजर आती रही हैं। मगर, फैस अब उन्हें स्क्रीन पर एक्टिंग करते देख सकेंगे। अभिनय के मोर्चे पर बिपाशा को आखिरी बार क्राइम थ्रिलर वेब सीरीज 'डेंजरस' में देखा गया था, जो 2020 में रिलीज हुई। सिनेमाघरों में उनकी आखिरी रिलीज फिल्म 'अलेन' थी। यह फिल्म साल 2015 में रिलीज हुई थी।



दुलकर सलमान ने ली 'आई एम गेम' के फ्लॉप होने की जिम्मेदारी

दुलकर सलमान की फिल्म 'आई एम गेम' को बॉक्स ऑफिस पर उम्मीद के मुताबिक प्रतिक्रिया नहीं मिली है। 3 सितंबर को रिलीज हुई इस फिल्म से काफी उम्मीदें थीं लेकिन इसका प्रदर्शन कमजोर रहा। अब दुलकर ने सार्वजनिक तौर पर प्रतिक्रिया दी है और बतौर प्रोड्यूसर इसकी जिम्मेदारी स्वीकार की है। दुलकर ने सोशल मीडिया

इशिता की मां का रोल निभाने पर बोलीं श्रिया

अभिनेत्री श्रिया सरन इन दिनों 'दृश्यम': द कन्वल्जन् की सफलता से खुश हैं। अभिषेक पाटक के निर्देशन में बनी इस फिल्म में अभिनेत्री ने नदिनी सलगांवकर का किरदार निभाया है। 'दृश्यम' फ्रेंचाइजी की शुरुआत से ही श्रिया, इशिता दत्ता की मां के रोल में नजर आई हैं, जो उनसे 8 साल छोटी हैं। इशिता ने अंजू सलगांवकर का किरदार निभाया है। इस फिल्म का तीसरा पार्ट अभी सिनेमाघरों में चल रहा है। श्रिया ने इशिता की मां का रोल निभाने के बारे में बात की है।

उम्र पर क्या बोलीं श्रिया

बातचीत में श्रिया ने 'दृश्यम' फ्रेंचाइजी में इशिता की मां का रोल निभाने पर अपने विचार रखे। श्रिया सरन की उम्र 44 साल है। वहीं इशिता की उम्र 36 साल है। अभिनेत्री ने कहा, 'हां, मतलब, यह बात अजीब लगती है। मैंने इस बारे में सोचा भी था। मुझे लगा कि यह कैसे मेल खाता है? मगर कहानी इतनी अस्सरदार है कि आप इन सब चीजों के बारे में सोचते ही नहीं हैं।'

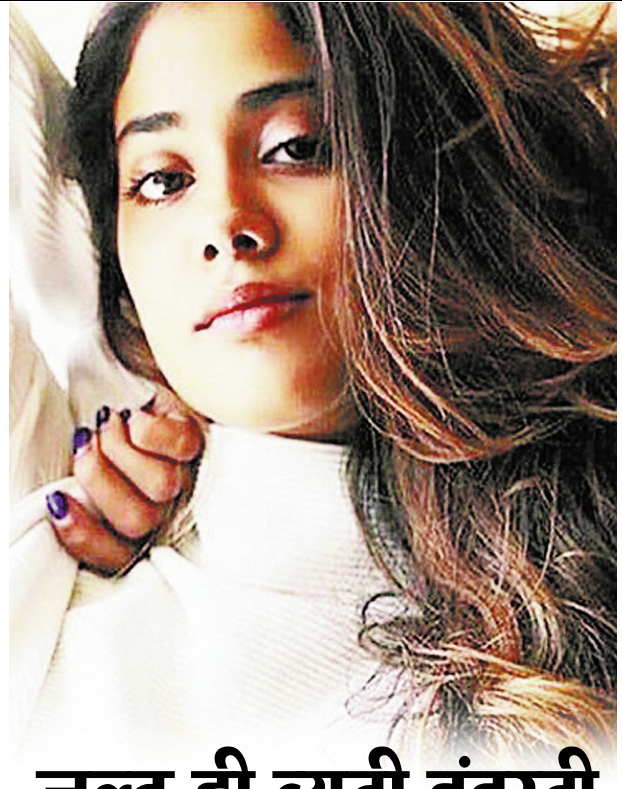
श्रिया ने की मेकर्स की तारीफ

अभिनेत्री ने माना कि फिल्म इंडस्ट्री में महिला कलाकारों को अक्सर एक ही तरह के रोल में

बांध दिया जाता है। हालांकि, उन्होंने 'दृश्यम' के मेकर्स की तारीफ की कि उन्होंने उम्र के अंतर को सही ढंग से दिखाया है। श्रिया ने बताया कि फ्रेंचाइजी में इशिता का किरदार 'अंजू' एक गोद ली हुई बच्ची का है। फिल्म में इस बात को बहुत खूबसूरती से दिखाया गया है। बातचीत के दौरान उन्होंने इशिता के साथ काम करने और उनके साथ अपने निजी रिश्ते में आए बदलाव के बारे में भी बात की।

इशिता के बारे में श्रेया ने क्या कहा

उन्होंने कहा, 'जब हमने 'दृश्यम' पर काम शुरू किया, तो हम दोनों सचमुच बच्चे ही थे! जब तक हमने 'दृश्यम 2' की शूटिंग की, तब तक उसकी शादी हो चुकी थी। मुझे याद है कि हम जिंदगी के बारे में बातें करते थे। तीसरी फिल्म तक, हम बच्चों के बारे में बातें कर रहे थे।' उन्होंने अपनी को-स्टार को एक 'बेहतरीन मां' भी बताया।



जल्द ही ब्यूटी इंडस्ट्री में कदम रख सकती हैं जान्हवी कपूर

जान्हवी कपूर जल्द ही ब्यूटी इंडस्ट्री में कदम रख सकती हैं। एक्ट्रेस की हालिया सोशल मीडिया पोस्ट के बाद उनके खुद का ब्यूटी ब्रांड लॉन्च करने की अटकलें तेज हो गई हैं। इस पोस्ट में जान्हवी मेकअप के साथ एक्सपेरिमेंट करती नजर आ रही हैं। साथ ही, उनके हाथों में कुछ ऐसे ब्यूटी प्रोडक्ट्स भी दिखाई दे रहे हैं, जिनके बारे में फिलहाल कोई जानकारी सामने नहीं आई है। जान्हवी की इस पोस्ट ने फैस और ब्यूटी लवर्स का ध्यान खींचा है। कई लोग कयास लगा रहे हैं कि क्या एक्ट्रेस अपना खुद का ब्यूटी ब्रांड लॉन्च करने की तैयारी कर रही हैं। हालांकि, अभी तक जान्हवी या उनकी टीम की ओर से इस बारे में कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई है। लेकिन पोस्ट में जिस तरह से ब्यूटी प्रोडक्ट्स और मेकअप पर फोकस किया गया है, उसने इन अटकलों को और हवा दे दी है। दिलचस्प बात यह है कि यह चर्चा ऐसे समय में शुरू हुई है, जब जान्हवी कपूर हाल ही में पेरिस फैशन वीक में अपनी मौजूदगी को लेकर सुर्खियों में थीं। ग्लोबल फैशन मंच पर भारत का प्रतिनिधित्व करने से लेकर फैशन और ब्यूटी की दुनिया में अपनी पहचान बनाने तक, जान्हवी लगातार सिनेमा से आगे अपनी मौजूदगी मजबूत कर रही हैं। अगर ये अटकलें सच साबित होती हैं, तो जान्हवी कपूर उन बॉलीवुड सितारों की सूची में शामिल हो जाएंगी, जिन्होंने ब्यूटी और पर्सनल केयर इंडस्ट्री में कदम रखा है।



विकास बहल की अगली फिल्म में दिखेंगे जिमी, मोना-सिद्धांत

जिमी शेरगिल, सिद्धांत चतुर्वेदी, मोना सिंह और अलिजह अविनेहोत्री स्टारर विकास बहल की अगली फिल्म 1990 के दशक के ब्रिटेन में पंजाबी म्यूजिक के तेजी से उमरने की कहानी पर आधारित होगी।

ये फिल्म उस दौर को दिखाएगी, जब ब्रिटेन में रह रहे भारतीय मूल के युवाओं की एक पूरी पीढ़ी संगीत के जरिए अपनी पहचान और अपनी आवाज

तलाश रही थी। फिल्म की कहानी 1990 के दशक की शुरुआत में ब्रिटेन में सेट है। उस दौर में गैरेज, बैकरूम, पायरेट रेडियो स्टेशनों और अंडरग्राउंड गिम्स से पंजाबी म्यूजिक का एक नया आंदोलन आकार ले रहा था। पंजाबी डोल और वेस्टर्न बेसलाइन के मेल से तैयार इस नई आवाज ने धीरे-धीरे म्यूजिक चार्ट्स तक जगह बनाई थी। यह सिर्फ म्यूजिक इंडस्ट्री के उभार की कहानी नहीं, बल्कि अलग संस्कृतियों के बीच बड़े हो रहे युवाओं की भी कहानी है।

फिर से जीना

कैमरा एक ऐसी इन्वेंशन है, जो हमें वक़्त को कैप्चर करने में मदद करती है और सालों बाद भी हम उन पलों को फिर से जी सकते हैं, तो जिसके पास भी कैमरा है, उसके पास मानो टाइम मशीन है।

■ नील नितिन मुकेश

प्रसंग

कानून का पालन

“नागपुर की घटना है। कृष्ण माधव घटाटे गुरुजी मा. स. गोलवरकर को कार में कहीं ले जा रहे थे। कार पटवर्धन मैदान के निकट चौराहे के पास पहुंची। यह चौराहा काफी छोटा है। उस समय चौराहे पर यातायात पुलिस नहीं थी। इसलिए कृष्ण माधव घटाटे ने चौराहे का चक्कर न लगाते हुए कार को दायीं ओर मोड़ना चाहा। इस पर गुरुजी एकदम नाराज हो उठे और कृष्ण माधव घटाटे को पुनः चौराहे का चक्कर लगा कर ही कार दायीं ओर घुमाने को विवश किया। उन्होंने कहा, कानून का पालन न करना भीरुता है। पुलिस की अनुपस्थिति में कानून तोड़ना कोई साहस की बात नहीं है। हमें कोई देख रहा है अथवा नहीं इसकी चिंता न करते हुए, हमें व्यक्तिगत अथवा सामाजिक कानूनों का पालन करना ही चाहिए, फिर इसमें हमें कितना ही कष्ट क्यों न उठाना पड़े।

अपने ही मन से कुछ बोले

क्या खोया, क्या पाया जग में मिलते और बिछुड़ते मग में मुझे किसी से नहीं शिकायत यद्यपि छला गया पग–पग में एक दृष्टि बीती पर डालें, यादों की पोटली टटोलें! पृथ्वी लाखों वर्ष पुरानी जीवन एक अनन्त कहानी पर तन की अपनी सीमाएं यद्यपि सौ शरदों की वाणी इतना काफी है अंतिम दस्तक पर, खुद दरवाजा खोलें! जन्म–मरण अविरत फेरा जीवन बंजारों का डेरा आज यहां, कल कहां कूच है कौन जानता किधर सवेरा अधियारा आकाश असीमित, प्राणों के पंखों को तौलें! अपने ही मन से कुछ बोले!

■ अटल बिहारी वाजपेयी

अगर आप कठिन दौर से गुजर रहे हैं या

सामान्य स्थिति में हैं। दोनों हालातों में प्रार्थना से ताकत मिलती है। आज भगवान सभी की सुन रहे हैं। सिर्फ आपको नियमित प्रार्थना करने की जरूरत है, फिर देखिये आपकी प्रार्थना कितनी जल्दी स्वीकार होती है।

दुःख में सिमरन सब करें, सुख में करें न कोय।

जो सुख में सिमरन करें, तो दुःख काहे को होय।।

कबीर का यह दोहा आज भी सटीक है। कठिन समय में तो प्रार्थना असर करती ही है, सामान्य स्थितियों में भी वह भीतर से ताकत देती है। सामान्य दिनों में जो लोग नियमित प्रार्थना करते हैं, वे निराशाजनक स्थितियों में अपनी भावनाओं को संभाल लेते हैं। यानी विचलित नहीं होते।

यूनिवर्सिटी ऑफ विंसकान्सिन (मेडिसिन) के स्नातक विद्यार्थियों ने एक सर्वे में यह पाया। उनके अनुसार सप्ताह में एक बार प्रार्थना करने वाले अमेरिकी बीमारी, उदासी, सदमे और गुस्सा पैदा करने वाले हालातों में अपने आप को सहज रख पाते हैं। सर्वे में शामिल लोगों में करीब चालीस प्रतिशत लोगों का यह हाल था।

आया बदलाव

यूनिवर्सिटी में समाजशास्त्र की पढ़ाई कर रहे छात्रों ने अपने ही बीच के विद्यार्थी शेन शार्प के नेतृत्व में बारह सौ ऐसे लोगों से साक्षात्कार किए, जो अपने करीबी व्यक्ति की हिंसा का शिकार हो चुके हैं। जिन लोगों से बातचीत की गई, वे ज्यादातर रविवार को नियमित रूप से चर्च जाते थे।

प्रार्थना से मिलता है बल

शार्प का कहना है कि रोज प्रार्थना करने वालों को सर्वे में शामिल किया जाता, तो हो सकता है नतीजे और अच्छे होते। फिर भी साप्ताहिक प्रार्थना में शामिल लोगों का कहना था कि उन्हें अपने साथ हिंसा करने वाले करीबियों पर गुस्सा तो आया, लेकिन कोई जवाबी कार्रवाई नहीं की। सिर्फ यही माना कि प्रार्थना के समय वे ईश्वर से इन लोगों को माफ करने और अच्छी बुद्धि देने के लिए कहेंगे। सर्वे में शामिल लोगों से पूछा गया कि उन्हें अपने साथी के व्यवहार पर तुरंत गुस्सा क्यों नहीं आया, इस पर सोलह प्रतिशत लोगों का कहना था कि उन्हें गुस्सा तो आया और बदले की कार्रवाई का विचार भी उठा, लेकिन तुरंत यह ख्याल आया कि इससे हिंसा और बढ़ेगी।

ऐसे करो शिकायत

इसके बदले यह ज्यादा आसान लगा कि भगवान से शिकायत करने और उस पर चिल्ला सकें। प्रार्थना में भगवान को कुछ

क्या है आदर्श प्रार्थना

प्रार्थना का अर्थ है—जीवात्मा के साथ सक्रिय, अनन्य भक्ति, प्रेममय सम्बन्ध। आदर्श प्रार्थना साधक की ईश्वर–प्राप्ति के लिए आर्तता या आकुलता की भावना की अभिव्यक्ति है। सच्ची हृदय से निकली हुई प्रार्थना तुरन्त फलदायिनी होती है। आदर्श प्रार्थना में शरीर, मन, वाणी—तीनों का सहयोगी होता है। तीनों अपने आराध्यदेव की सेवा में एकरूप होते हैं। प्रार्थना काल में शरीर का रोम–रोम पुलकित होता है। मन में उठने वाली प्रत्येक वृत्ति भगवत्प्रेम से सराबोर होती है। मुंह से निकलने वाला प्रत्येक शब्द भगवत्प्रेम से परिलुप्त होता है। प्रार्थना की महिमा का जितना भी वर्णन किया जाए, उतना ही थोड़ा है। हृदय से निकली हुई सच्ची प्रार्थना में अगाध शक्ति होती है, क्योंकि हृदय की प्रबल भावभक्ति में पत्थर को भी पिघलाने की ताकत होती है। फिर भगवान् जिनके प्रति प्रार्थना की जाती है, वे जीव के जन्म–जन्मान्तर के परम हितैषी, दयानिधान और करुणा के असीम सागर हैं। यही कारण है कि सच्ची प्रार्थना–भाव के उदित होते ही मूक भी वाचाल हो जाता है, पंगु गिरिवर लांघ जाता है और असम्भव कार्यों का भी क्षणमात्र में सम्पादन हो जाता है।

भी कोसने पर वैसा ही जवाब आने का डर नहीं होता। शार्प के अनुसार प्रार्थना करते वक़्त सताए हुए लोग यह सोचते रहते हैं कि भगवान उन्हें देखता रहता है। यह सोच काल्पनिक ही होती है। लेकिन इससे उन्हें अपनी कीमत और हैसियत समझने में मदद मिलती है। ईश्वर से मांगना प्रार्थना है और ईश्वर को सुनना ध्यान है। मौन सबसे श्रेष्ठ प्रार्थना है। हम अकसर किसी भाषा में प्रार्थना करते हैं – हिन्दी, अंग्रेजी, जर्मन...। वास्तव में सभी का एक ही मतलब है। मौन उससे अगला कदम है। मौन वो भाषा है जिसे सारी सृष्टि समझती है। शब्दों में की गई प्रार्थना का मकसद भी भीतर मौन पैदा करना है। शब्दों का उद्देश्य मौन पैदा करना

बुला रहे हैं

भगवान

और श्रम का उद्देश्य विश्राम देना है। गहरा विश्राम तुप्त करता है। वही तृप्ति और पूर्णता तुम्हें आनंदित करता है। प्रेम का मकसद तुम्हारे भीतर आनंद की लहर जगाना है।

मेरी वास्तविक आवश्यकता

सांसारिक अभाव की पूर्ति, निर्दोष धन–मान आदि की प्राप्ति, रोग–नाश, स्वास्थ्य–लाभ, विपत्ति–निवारण आदि के लिये भी विश्वासपूर्वक प्रार्थना करने पर निस्संदेह आश्चर्यजनक फल प्राप्त होता है। पर ये सब प्रार्थनाएं ऐसी ही हैं, जैसे प्रकाश पुंज सूर्य से जुगनू का प्रकाश चाहना, अन्त वैभवशाली उदार सम्राट से कौड़ी मांगना। अनित्य और अपूर्ण वस्तु या स्थिति विशेष की प्राप्ति के लिए भगवान से प्रार्थना करना कदापि बुद्धिमानी नहीं है। यह एक प्रकार का लड़कपन है और लड़कपन समझकर भगवान् अप्रसन्न नहीं होते और सकाम भावना से आर्तिनाश, अर्थप्राप्ति आदि के लिये भी अनन्यभाव से केवल भगवान से ही प्रार्थना करते रहने पर भगवान अपने सहज दयालु शील–स्वभाववश उसकी सकामता का हरण करके अन्त में उसे



अपनी निष्काम भक्ति देकर अपनी प्राप्ति करा देते हैं—कैसे भी भर्जे, भगवान को भजने वाला अन्त में भगवान को पा जाता है—‘मद्भक्त। यान्ति मामपि।’

किसी का अहित न करें

ऐसी कोई प्रार्थना कभी नहीं करना चाहिए, जिससे किसी भी रूप में दूसरे प्राणी का किसी प्रकार का भी तनिक भी अहित होता हो। हमारी दृष्टि में अविद्या जनित अहंता–ममतावश अपना–पराया है। भगवान की दृष्टि में सभी उनके स्वरूप हैं या उन्हीं के अंग हैं। हम किसी के स्वरूप या अंग का अहित उसी से चाहेंगे तो वह कैसे प्रसन्न होगा। भगवान् के शरीर के एक अंग हम यदि कहें—‘हे भगवन् ! तुम्हारा अमुक अंग मुझे नहीं सुहाता, उसे दण्ड दीजिये, कांट डालिये।’ तो क्या वे हम पर प्रसन्न होंगे ? किसी स्नेहमयी मां से उसका एक कोई पुत्र कहे कि ‘मां ! मेरे अमुक भाई या बहन अच्छे नहीं हैं, तुम उन्हें मारो।’—तो क्या मां प्रसन्न होंगी ? यदि उनका बर्ताव ठीक ही हो और मुझे ही अपनी दूषित वृत्ति या दृष्टि से उनमें दोष दिखाता हो तो स्नेहमयी मां ! तुम मेरी दूषित वृत्ति या विपरीत दृष्टि का नाश कर दो, जिससे मैं उनके दोष देखना छोड़ दूँ।’

ऐसा हो पूजा घर

घर में इन्टीरियर के अलावा पूजा घर या पूजा स्थल का भी अपना महत्व होता है। इसकी दिशा-दशा का ध्यान रखना अति आवश्यक है। विशेषज्ञों के अनुसार पूजा रूम के लिए घर का उत्तर-पूर्व कोना अच्छा होता है, क्योंकि यह ईशान अर्थात् ईश्वर का स्थान होता है। दक्षिण में तो पूजा रूम कतई नहीं होना चाहिए।

- किसी भी मूर्ति को पूजा रूम के पूर्व या पश्चिम में रखना चाहिए। इसे उत्तर या दक्षिण दिशा की ओर नहीं रखना चाहिए, जिससे कि पूजा करते समय मुंह पूर्व या पश्चिम की ओर रहे।
- घर के पूजा रूम में रखी जाने वाली मूर्तियों का आकार तीन इंच से ज्यादा नहीं होना चाहिए।
- मूर्तियों या तस्वीरों को आमने सामने नहीं रखना चाहिए। मूर्ति यदि टूटी फूटी हो या उसमें किसी प्रकार की दरार हो तो उन्हें पूजा घर में ना रखें।

- मूर्तियां संगमरमर या लकड़ी की अच्छी होती है तथा मूर्तियां रखने के लिए प्लेटफार्म लकड़ी की सबसे अच्छी होती है। घर सकारात्मक ऊर्जा आती है।
- दीवारों के रंग के लिए सफेद, क्रीम या हल्के नीले रंग का प्रयोग करना चाहिए।
- रसोईघर तथा बाथरूम के साथ लगे पूजा घर नहीं बनवाएं।
- पूजा रूम घर के अंदर ग्राउंड फ्लोर पर सही होता है। बेसमेंट या पहली मंजिल पर नहीं। इससे आर्थिक नुकसान शुरू हो जाता है।
- देवी–देवताओं की मूर्तियों या तस्वीरों में उनका चेहरा साफ–साफ नजर आना चाहिए। फूल माला आदि किसी भी चीज से चेहरा ढंका नहीं होना चाहिए।
- यदि छोटा घर हो तो पूजा की जगह बच्चों के बेडरूम में उत्तर पूर्व कोने में बनवाएं।
- पूजा रूम का दरवाजा लकड़ी का ही होना चाहिए और खिड़की पूर्व या उत्तर दिशा में बनवाएं।

है। कहते हैं कि गोल्डन मनी कैट इसके पंजे में भाग्य को अपने पास रखने की ताकत है। चीनी व्यापारी इसे अपने व्यापार स्थल पर जरूर रखते हैं, जिससे खुशहाली आती है और भाग्य आपका साथ देता है। विशेषज्ञों के अनुसार इसे व्यापार स्थल पर किसी ऊपरी जगह रखा जाना चाहिए। चीनी लोगों का मानना है कि रोजाना इसके पास कुछ न कुछ पैसे जरूर रखना चाहिए। बिल्ली को बुरी नजर और आत्माओं को दूर रखने वाला मानते हैं। ऐसा इसलिए क्योंकि यह अंधेरे में भी देख सकती है। विशेषज्ञों की मानें तो दीलत बढ़ाने के लिए इसे दक्षिण–पूर्व में और दिमाग को तेज करने के लिए उत्तर–पूर्व में रखिए।

धन दिलाएगा मछलीघर

फेंगशुई के अनुसार, आपके मकान में लघु मछलीघर होना चाहिए। मछलियां रखना सौभाग्य में वृद्धि करने का एक कारगर उपाय है। लघु मछलीघर या फिश बाउल में कुछ गोल्ड फिश रखना चाहिए। इनमें से आठ 8 मछलियां ताल या सुनहरे की तथा एक मछली काले रंग की होना चाहिए। कभी अचानक आपकी गोल्ड फिश मर जाए तो आप बिलकुल चिंता ना करें। आप तुरंत नई मछली ले आइये और उसे बदल दीजिए। ऐसी मान्यता है।

कि जब आपके घर की कोई गोल्ड फिश मर

फेंगशुई से लाएं जीवन में बहार

पानी का फव्वारा

यदि आपके कार्यक्षेत्र में बार–बार व्यवधान आ रहे हैं और किसी कार्य में सफलता नहीं मिल रही तो उत्तर दिशा में बहते पानी का फव्वारा रखने से सफलता मिलेगी।

संगीत घड़ी

मधुर संगीत उत्पन्न करने वाली घड़ी घर में ऊर्जा का संतुलन बनाती है। ऐसी घड़ी घर के बाहर बरामदे में या गैलरी में नहीं लगानी चाहिए। हर समय ध्वनि पैदा करने वाली घड़ी भी नकारात्मक प्रभाव डालती है।